शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 12 | अंक : 237 | गुवाहाटी | गुरुवार, 2 अप्रैल, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

मणिपुर में महिला बटालियन के गठन को मिली मंजूरी — पेज 2
मुख्यमंत्री की जीत को लेकर आशावादी रिनिकी भुइयां शर्मा — पेज 3
धार्मिक शिक्षा के मसले पर हिंदुओं के संचालित शिक्षण संस्थानों को... — पेज 5
गुवाहाटी और रांची जैसे नए केंद्रों पर टेस्ट मैचों का आयोजन खुशी की बात... — पेज 7

Door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

समस्त जीवो मे मनुष्य सर्वश्रेष्ठ बताया गया है; क्यूंकि उसके पास आत्मविवेक और आत्मज्ञान है।

– ईश्वर चंद्र विद्यासागर

न्यूज गैलरी

एनएससीएन (के) पर प्रतिबंध बरकरार ट्रिब्यूनल ने लगाई मुहर

नई दिल्ली। गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) ट्रिब्यूनल ने नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नगालैंड (खापलांग) यानी एनएससीएन (के) पर लगे पांच साल के प्रतिबंध की पुष्टि कर दी है। केंद्र सरकार ने इस संगठन, इसके सभी गुटों और शाखाओं पर यह पाबंदी लगाई थी। हाल ही में जारी एक अधिसूचना में इस आदेश -शेष पृष्ठ दो पर

विकसित भारत के निर्माण का आधार बनेगा असम का चुनाव : पीएम

गोगामुख (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को यहां एक चुनावी जनसभा में असम में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार की हैट्रिक का दावा किया। उन्होंने असम में यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) लागू करने, आदिवासी संस्कृति की सुरक्षा, बाढ़ से राहत, बुनियादी ढांचे के विस्तार और गरीब कल्याण योजनाओं को लेकर कई बड़े वादे किए। प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि असम का चुनाव *विकसित असम से विकसित भारत* बनाने का चुनाव है। मोदी ने धेमाजी जिले के गोगामुख की चुनावी जनसभा में कहा कि जनता का उत्साह साफ संकेत दे रहा है कि इस बार राज्य में भाजपा-नीत राजग सरकार लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटेगी। उन्होंने कहा कि यह उनकी असम में चुनाव घोषणा के बाद पहली जनसभा है और यहां उमड़ी भीड़ *हैट्रिक* की गारंटी दे रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि असम में यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू किया जाएगा, लेकिन साथ ही छठी अनुसूची क्षेत्रों में रहने वाले आदिवासी समुदायों की परंपराओं और संस्कृति की पूरी सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने इसे *असम की पहचान को बचाने का बड़ा संकल्प* बताया और कहा कि भाजपा अपने वादों को पूरा करने के लिए जानी जाती है। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में राज्य ने *सेवा और सुशासन* का नया दौर देखा है। पहले सर्वानंद सोनोवाल और फिर हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में राज्य में विकास की नई दिशा बनी है। मोदी ने कहा कि असम का यह चुनाव केवल राज्य तक सीमित नहीं है, बल्कि विकसित भारत के निर्माण से जुड़ा हुआ है। प्रधानमंत्री ने गरीब कल्याण योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि पिछले एक दशक में असम के 22 लाख से अधिक गरीब परिवारों को पक्के घर दिए गए हैं। भाजपा के घोषणा पत्र में उन सभी परिवारों को घर देने का वादा किया गया है, जिन्हें अभी तक प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि भविष्य में 15 लाख और परिवारों को पक्का घर देने की गारंटी है। महिला सशक्तीकरण पर जोर देते हुए प्रधानमंत्री ने *लखपति दीदी* अभियान का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इस योजना के -शेष पृष्ठ दो पर

कांग्रेस सत्ता में आई तो घुसपैठियों को संरक्षण देने वाला कानून लाएगी : मोदी

विश्वनाथ (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को यहां एक चुनावी जनसभा में कांग्रेस पर तीखा हमला बोला और आरोप लगाया कि यदि कांग्रेस सत्ता में आती है तो वह घुसपैठियों को संरक्षण देने के लिए कानून बनाएगी, जिसे भाजपा और उसके सहयोगी कभी लागू नहीं होने देंगे। प्रधानमंत्री ने असम के विश्वनाथ जिले में अपनी दूसरी रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस पर विकास विरोधी, भ्रष्टाचार की जननी और राज्य की पहचान, सुरक्षा तथा सांस्कृतिक विरासत से खिलवाड़ करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने सत्ता के लिए असमिया अस्मिता को दांव पर लगाया और घुसपैठियों को मुख्यधारा में शामिल कर राज्य को नुकसान पहुंचाया। मोदी ने कहा कि पूरा देश जानता है कि कांग्रेस विकास विरोधी है और आजाद भारत में भ्रष्टाचार की जननी बन चुकी है, लेकिन असम में कांग्रेस ने ऐसे पाप किए हैं, जिनकी कीमत यहां की जनता ने चुकाई है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने वोट बैंक की राजनीति के तहत अवैध कब्जों को बढ़ावा दिया, जिससे लाखों बीघा जमीन पर अतिक्रमण हो गया। प्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार ने इन अवैध कब्जों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए हजारों बीघा जमीन मुक्त कराई है और राज्य की विरासत एवं पारिस्थितिकी को पुनर्स्थापित किया है। उन्होंने लाओखोवा और बुरहाचापोरी अभयारण्यों का जिक्र करते हुए कहा कि एक समय यहां से गैंडे गायब हो गए थे, लेकिन अब उनके संरक्षण के प्रयासों से वे वापस लौट रहे हैं। मोदी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस का सबसे बड़ा पाप घुसपैठियों को संरक्षण -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य में अरुणोदोई योजना का होगा विस्तार अब प्रति परिवार दो महिलाएं होंगी पात्र : सीएम

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को घोषणा की कि राज्य की प्रमुख योजना *अरुणोदोई* के तहत अब एक ही परिवार की दो महिलाएं पात्र होंगी, जिससे मौजूदा *एक परिवार-एक लाभार्थी* नियम में ढील दी गई है। गोरेश्वर (तामुलपुर), टंगला (उदालगुड़ी), टिहू (नलबाड़ी) और हाजो-शुआलकुची (कामरूप) में चुनावी रैलियों को संबोधित करते हुए शर्मा ने कहा कि चुनाव के बाद इस योजना का दायरा और बढ़ाया जाएगा ताकि इसमें अधिक पात्र महिलाओं को शामिल किया जा सके। अरुणोदोई योजना के तहत लाभार्थियों को प्रति माह 1,250 रुपए सीधे उनके बैंक खातों में मिलते हैं। वर्तमान में, लगभग 40 लाख महिलाएं इस योजना के -शेष पृष्ठ दो पर

पीएम मोदी ने असम के बागान में तोड़ीं पत्तियां, महिला मजदूरों के साथ ली सेल्फी

डिब्रूगढ़। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को असम के डिब्रूगढ़ में चाय बागान के मजदूरों के साथ एक यादगार सुबह बिताई। मनोहरि टी एस्टेट पहुंचे पीएम मोदी ने वहां काम करने वाली महिला मजदूरों से सीधा संवाद किया और उनकी समस्याओं को करीब से जाना। उन्होंने न केवल उनके साथ चाय की पत्तियां तोड़ीं, बल्कि उनके पारंपरिक झुमुर नृत्य का भी आनंद लिया। पीएम ने चाय को *असम की आत्मा* बताते हुए यहां के परिवारों की मेहनत की सराहना की। चुनाव प्रचार के बीच चाय बागान समुदाय के साथ उनका यह जुड़ाव काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पीएम मोदी ने चाय बागान की महिला मजदूरों के साथ खड़े होकर बातचीत की। इस दौरान महिलाओं ने अपनी शिक्षा, स्वास्थ्य और वेतन से जुड़ी समस्याओं को प्रधानमंत्री के सामने रखा। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर फोटो शेयर करते हुए लिखा कि चाय असम की आत्मा है। उन्होंने यहां की प्राकृतिक खूबसूरती और चाय बागान से जुड़े परिवारों के अटूट जज्बे की जमकर तारीफ की। डिब्रूगढ़ के इस दौरे पर पीएम ने वहां की स्थानीय परंपराओं को करीब से देखा। महिला मजदूरों के साथ बातचीत के दौरान -शेष पृष्ठ दो पर

नाटो से असंतुष्ट हैं ट्रंप, अमेरिका हो सकता है अलग

वाशिंगटन। पश्चिमी सैन्य गठबंधन नाटो के टूटने का खतरा मंडरा रहा है, क्योंकि डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर अपनी असंतुष्टि जाहिर करते हुए कहा है कि ईरान संघर्ष में सहयोगी देशों के शामिल न होने और सैन्य बल का इस्तेमाल करके होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने में मदद न करने के बाद अमेरिका नाटो से अलग होने पर गंभीरता से विचार कर रहा है। टेलीग्राफ से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि वे नाटो से कभी प्रभावित नहीं हुए और हमेशा से जानते थे कि यह सिर्फ कागजी शेर है। उन्होंने आगे कहा कि अब इस रक्षा संधि से अमेरिका को हटाना असंभव है। यह अब तक का सबसे स्पष्ट संकेत है कि व्हाइट हाउस अब यूरोप को एक भरोसेमंद रक्षा साझेदार के रूप में नहीं देखता है, क्योंकि -शेष पृष्ठ दो पर

जुबीन मामले पर अटॉर्नी जनरल का बयान

रिहाई की सुनवाई अहम चरण में अभियोजन सही दिशा में आगे बढ़ रहा है

गुवाहाटी। असम की सांस्कृतिक हस्ती जुबीन गर्ग की मृत्यु से संबंधित परिस्थितियों की त्वरित सुनवाई बुधवार को लगातार तीसरे दिन भी जारी रही, जिसमें असम सरकार ने दोहराया कि मामले को *सर्वोच्च प्राथमिकता* दी जा रही है। सुनवाई में शामिल होने के बाद प्रेस से बात करते हुए असम के एडवोकेट जनरल देवजीत सैकिया ने कहा कि मामला अब एक महत्वपूर्ण चरण में पहुंच गया है, जिसमें वर्तमान में बहस रिहाई -शेष पृष्ठ दो पर

असम में प्रियंका गांधी का भाजपा पर बड़ा हमला

डबल इंजन नहीं, ये दोहरी गुलामी की सरकार

गुवाहाटी। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने 31 जनवरी को असम के नाजिरा में एक रैली के दौरान राज्य और केंद्र सरकारों की तीखी आलोचना करते हुए लोगों से उस सरकार को खारिज करने का आग्रह किया जिसे उन्होंने *दोहरी गुलामी की सरकार* बताया और जन कल्याण को प्राथमिकता देने वाले कांग्रेस के नेतृत्व वाले प्रशासन -शेष पृष्ठ दो पर

असम विस चुनाव में मतदाताओं के लिए 12 वैकल्पिक पहचान पत्र मान्य

गुवाहाटी/कोकराझाड़ (हि.स.)। असम विधानसभा चुनाव 2026 के मद्देनजर भारत निर्वाचन आयोग ने मतदान के दिन मतदाताओं की पहचान सुनिश्चित करने के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। आयोग ने स्पष्ट किया है कि जिन मतदाताओं को निर्वाचक फोटो पहचान पत्र (ईपीआईसी) जारी किया गया है, उन्हें मतदान केंद्र पर वोट डालने से पहले इसे प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। हालांकि, जिन मतदाताओं के पास ईपीआईसी उपलब्ध नहीं है, वे अपनी पहचान स्थापित करने के लिए आयोग द्वारा स्वीकृत 12 वैकल्पिक फोटो पहचान दस्तावेजों में से किसी एक का उपयोग कर सकते हैं। इनमें आधार कार्ड, -शेष पृष्ठ दो पर

ट्रंप के युद्धविराम के दावे को ईरान ने किया खारिज, कहा- सब झूठ और निराधार

नई दिल्ली। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के उस बयान को *झूठा और निराधार* बताया है जिसमें उन्होंने तेहरान के युद्धविराम की मांग करने की बात कही थी। राष्ट्रपति ट्रंप ने आज बुधवार को ट्रुथ सोशल पर पोस्ट शेयर करते हुए दावा किया था कि ईरान ने अमेरिका के सामने सीजफायर की गुहार लगाई है। लेकिन ईरान ने ट्रंप के सभी दावों को खारिज कर दिया है। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा था कि ईरान के नए शासन के राष्ट्रपति, जो अपने पूर्ववर्तियों की तुलना में कहीं कम कट्टर और कहीं अधिक बुद्धिमान हैं, उन्होंने संयुक्त राज्य अमेरिका से युद्धविराम का अनुरोध किया है। ट्रंप ने आगे लिखा कि हम युद्ध रोकने पर तभी विचार करेंगे, जब स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पूरी तरह से खुला, स्वतंत्र और सुरक्षित हो जाएगा, तब तक हम ईरान को पूरी तरह से तबाह कर देंगे या जैसा कि कहा जाता है, उसे वापस *पाषाण युग* में धकेल देंगे। ट्रंप के बयान के बाद व्हाइट हाउस ने कहा कि वह ईरान के नए नेतृत्व के साथ गंभीर बातचीत कर रहा है। विश्वास है कि जल्द ही -शेष पृष्ठ दो पर

छह लाख बैरल तेल लेकर ईरानी जहाज भारत के लिए रवाना

तेहरान। करीब 5 साल बाद भारत और ईरान के बीच तेल व्यापार फिर से शुरू हो चुका है। साल 2019 के बाद पहली बार ईरान का कच्चा तेल लेकर एक जहाज भारत की ओर बढ़ रहा है जो गुजरात के वाडिनार बंदरगाह पर पहुंचने वाला है। यह जहाज पिंग शून करीब 6 लाख बैरल कच्चा तेल लेकर आ रहा है। बड़ी बात यह है कि यह डील ऐसे वक्त पर हो रही है जब दुनिया भर में तेल की कीमतें ऊपर नीचे हो रही हैं और सप्लाई को लेकर चिंता बनी हुई है। स्टेट ऑफ होर्मूज पर बवाल ईरान इजराइल युद्ध और इस बीच भारत ईरान का तेल आना यह अपने आप में एक बड़ी बात है। भारत का यह कदम काफी अहम माना जा रहा है। दरअसल अमेरिका ने हाल ही में समुद्र में मौजूद ईरानी तेल की खरीद पर 30 दिनों की अस्थाई छूट दी। इसी छूट का फायदा उठाते हुए यह कारगो भारत भेजा गया। माना जा रहा है कि यह छूट वैश्विक बाजार में तेल की बढ़ती कीमतों को काबू में रखने के लिए दी गई। वहीं जानकारी के मुताबिक यह तेल ईरान के खार गार्लैंड से मार्च की शुरुआत में रवाना हुआ था और 4 अप्रैल के आसपास गुजरात पहुंच सकता है। आपको बता दें यह तेल बाडिनार बंदरगाह पर पहुंचेगा। बनार बंदरगाह भारत के लिए काफी अहम क्योंकि यहां बड़ी रिफाइनरिया मौजूद हैं। इसमें नायरा एनर्जी की बड़ी रिफाइनरी शामिल है जो रूस की कंपनी रजनेफ के समर्थन से चलती है। इसके अलावा यह पोर्ट भारत पेट्रोलियम कोऑपरेशन लिमिटेड जैसी कंपनियों के लिए भी सप्लाई का एक बड़ा केंद्र है। अच्छा आपको बता दें भारत कभी ईरान के तेल का बड़ा खरीदार हुआ करता था। एक वक्त ऐसा भी था जब भारत के कुल तेल आयात में ईरान की हिस्सेदारी 11 प्रतिशत से ज्यादा थी। ईरानी तेल भारत की रिफाइनरियों के लिए उपयुक्त भी माना जाता था और इसकी कीमतें भी अक्सर अनुकूल रहती थी। लेकिन साल 2018 में अमेरिका के कड़े प्रतिबंधों के बाद भारत को मई 2019 से ईरान से तेल खरीद पूरी तरह बंद करनी पड़ी। इसके बाद भारत ने अपनी जरूरतें -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

मणिपुर में महिला बटालियन के गठन को मिली मंजूरी

नई दिल्ली। मणिपुर में महिलाओं के समूह द्वारा सुरक्षा बलों का रास्ता रोकना आसान नहीं होगा। वजह, राज्य में *महिला इंडिया रिजर्व बटालियन* का गठन किया जाएगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को मणिपुर के मुख्यमंत्री युमनाम खेमचंद सिंह के साथ हुई बैठक में इस बात के संकेत दिए हैं। गृह मंत्री ने मणिपुर के लिए एक महिला भारतीय रिजर्व बटालियन (आईआरबी) के गठन पर सैद्धांतिक सहमति जताई है। उन्होंने मुख्यमंत्री खेमचंद से आईआरबी को लेकर प्रस्ताव भेजने के लिए कहा है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने संसद भवन परिसर में मणिपुर के मुख्यमंत्री खेमचंद सिंह के साथ हुई बैठक में राज्य की कानून व्यवस्था की स्थिति पर चर्चा की। उन्होंने राज्य में शांति के प्रयासों में तेजी लाने के लिए कहा। विभिन्न समुदायों के बीच बढ़ते सौहार्द को और ज्यादा मजबूत किया जाए। मणिपुर में 2023 के दौरान जातीय हिंसा और संघर्ष की शुरुआत हुई थी। मैतेई और कुकी समुदायों के बीच कई बार टकराव हुआ। वहां पर हुई हिंसा में कई लोग मारे गए थे। लंबे समय तक लोगों को अपने घरों से बाहर जाना पड़ा। हजारों लोगों ने सुरक्षा कैंपों में शरण ली। हिंसा के बाद कई बार यह देखने को मिला कि वहां पर महिलाओं के समूह, सुरक्षा बलों का रास्ता रोक लेते हैं। इसके चलते सेना, सीआरपीएफ, बीएसएफ और असम राइफल के जवानों को सर्च ऑपरेशन में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। मणिपुर में महिला भारतीय रिजर्व बटालियन के गठन पर सैद्धांतिक सहमति मिलने से अब जल्द ही भर्ती प्रक्रिया शुरु होने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री खेमचंद सिंह, मंगलवार शाम को विशेष रूप से केंद्रीय गृह मंत्री से मुलाकात के लिए नई दिल्ली पहुंचे थे।

जनगणना-2027 की शुरुआत

डिजिटल स्व-गणना के साथ दुनिया का सबसे बड़ा सर्वे अभियान आरंभ

नई दिल्ली (हि.स.)। देश में जनगणना-2027 के तहत विश्व के सबसे बड़े प्रशासनिक और सांख्यिकीय अभियान की औपचारिक शुरुआत बुधवार को हो गई। केंद्र सरकार ने पहले चरण *मकानसूचीकरण और मकानों की गणना* (हाउस लिस्टिंग ऑपरेशन) की शुरुआत करते हुए इस बार जनगणना को पूरी तरह डिजिटल स्वरूप में संचालित करने का निर्णय लिया है। खास बात यह है कि पहली बार नागरिकों को स्व-गणना की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है, जिससे वे स्वयं ऑनलाइन अपने परिवार का विवरण दर्ज कर सकते हैं। देश की परंपरा को कायम रखते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सबसे पहले स्व-गणना कर इस राष्ट्रीय अभियान का शुभारंभ किया। इसके बाद उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने भी ऑनलाइन माध्यम से अपनी-अपनी स्व-गणना पूरी की। प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों से अपील करते हुए कहा कि वे अपने घर-परिवार का विवरण स्वयं दर्ज करें और इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाएं। उन्होंने जनगणना को विकास योजनाओं की आधारशिला बताते हुए इसे जनभागीदारी से सफल बनाने पर जोर दिया। केंद्रीय गृह मंत्रालय के अनुसार, जनगणना-2027 के प्रथम चरण के तहत मकानसूचीकरण और मकानों की गणना का कार्य 1 अप्रैल से 30 सितंबर के बीच देशभर में किया जाएगा। इस चरण में घरों की स्थिति, उपलब्ध सुविधाओं, परिसंपत्तियों और बुनियादी ढांचे से जुड़ी विस्तृत जानकारी एकत्र की जाएगी। सरकार के अनुसार, इस चरण के लिए कुल 33 प्रश्न अधिसूचित किए गए हैं, जो साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण और लक्षित कल्याणकारी योजनाओं के लिए महत्वपूर्ण आधार प्रदान करेंगे। प्रारंभिक चरण में स्व-गणना की सुविधा आठ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में शुरू की गई है, जिनमें अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, गोवा, कर्नाटक, लक्षद्वीप, मिजोरम, ओडिशा, सिक्किम और दिल्ली के नई दिल्ली नगरपालिका परिषद तथा दिल्ली छावनी बोर्ड क्षेत्र शामिल हैं।

तुर्किये में नाव पलटने से 19 अफगान प्रवासियों की मौत

अंकारा। तुर्किये के पास एजियन सागर में एक दर्दनाक हादसा हुआ, जब अफगान प्रवासियों से भरी नाव पलट गई। इस घटना में 19 लोगों की मौत हो गई, जिनमें एक छोटा बच्चा भी शामिल है। यह हादसा बोडरम के पास हुआ। नाव में सवार लोगों ने कोस्टगार्ड के रुकने के आदेश को नजरअंदाज किया और तेज रफ्तार में भागने लगे, लेकिन खराब मौसम और ऊंची लहरों के कारण नाव में पानी भर गया और वह पलट गई। रेस्क्यू ऑपरेशन में करीब 20 लोगों को बचा लिया गया, जबकि 18 शव मौके से बरामद हुए और एक व्यक्ति की बाद में अस्पताल में मौत हो गई। अभी भी कम से कम एक व्यक्ति लापता है। बचाव कार्य में इजमिर से हेलीकॉप्टर भेजा गया। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, नाव में सवार सभी लोग अफगानिस्तान के नागरिक थे। यह हादसा इस बात को दिखाता है कि बेहतर जिंदगी की तलाश में लोग कितनी खतरनाक यात्राएं करने को मजबूर हैं। ग्रीस पहुंचने के लिए यह रास्ता काफी इस्तेमाल होता है, क्योंकि बोडरम से कोस द्वीप केवल 20 किलोमीटर दूर है।

जालना में ट्रक ने दस महिला मजदूरों को रौंदा, सात की मौत

मुंबई (हि.स.)। महाराष्ट्र के जालना में बुधवार शाम को बड़ा हादसा हुआ। यहां समृद्धि हाईवे पर जनवाड़ी-कदवंची इलाके के पास तेज रफ्तार ट्रक ने सफाई का काम कर रही 10 महिला मजदूरों को अपनी चपेट में ले लिया। इस घटना में सात महिला मजदूरों की मौत हो गई है, जबकि तीन घायल हो गई हैं। जालना पुलिस घटनास्थल पर राहत और बचाव का कार्य कर रही है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि ये महिलाएं समृद्धि हाईवे पर सफाई का काम कर रही थीं। शाम छह बजे के करीब मुंबई की ओर जा रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने इन महिला मजदूरों को रौंद दिया। इस घटना में सात महिला मजदूरों की मौके पर मौत हो गई, जबकि तीन मजदूर घायल हो गईं। तीनों को तत्काल जालना शासकीय अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है। वहीं, जालना विधायक अर्जुन खोतकर घटनास्थल पर पहुंचे और इस घटना की जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने अस्पताल में जाकर घायल महिलाओं से भी मुलाकात की है।

बांग्लादेश में संवैधानिक सुधारों पर सरकार और विपक्ष में विश्वास का संकट

ढाका (हि.स.)। बांग्लादेश में संवैधानिक सुधारों पर बहस तेज हो गई। इस मुद्दे पर सरकार और विपक्ष के बीच विश्वास का संकट खड़ा हो गया है। जातीय संसद में विपक्ष के नेता और बांग्लादेश जमात-ए-इस्लामी के अमीर शफीकुर रहमान ने कहा है कि संवैधानिक सुधारों पर संसदीय चर्चा के दौरान कानून मंत्री ने उनके बयान को गलत तरीके से पेश किया। उन्होंने यह बात मंगलवार देररात एक ब्रीफिंग के दौरान कही। यह ब्रीफिंग *जुलाई राष्ट्रीय चार्टर कार्यान्वयन आदेश* के तहत *संविधान सुधार परिषद* बुलाने के प्रस्ताव पर हुई बहस के बाद हुई थी। द डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने कहा कि बातचीत के दौरान सत्ताधारी दल ने एक समिति बनाने का प्रस्ताव रखा। हमने कहा कि हम यहां संकट को सुलझाने आए हैं, न कि कोई नया संकट खड़ा करने। इसलिए, हम समाधान चाहते हैं। लेकिन अब यह मामला कुछ हद तक पेचीदा हो गया है। इस प्रस्ताव के संबंध में, हमने कहा कि यह नोटिस सुधार परिषद को बुलाने और उसकी बैठक से संबंधित है। यदि इस मामले को लेकर सुधार से जुड़ी कोई समिति बनाई जाती है, तो हम उसे सकारात्मक रूप से स्वीकार करने के लिए तैयार हैं। विपक्ष के नेता ने आगे कहा कि हालांकि, शर्त यह है कि समिति में दोनों पक्षों का समान प्रतिनिधित्व होना चाहिए। यदि सदस्यों की नियुक्ति समानता के बजाय आनुपातिक अनुपात के आधार पर की जाती है, तो किसी सकारात्मक परिणाम की संभावना बहुत कम है। शफीकुर ने कहा कि जब हमने प्रस्ताव पर लचीले ढंग से विचार किया, तो कानून मंत्री ने एक भाषण दिया और मेरे बयान को गलत तरीके से पेश करते हुए कहा कि हमने संवैधानिक संशोधन के उनके प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है। असल में, हमने संवैधानिक संशोधन के किसी भी प्रस्ताव पर कोई टिप्पणी नहीं की थी। हमने साफ तौर पर कहा था कि यह मामला संवैधानिक सुधार से जुड़ा है। इसलिए, मुझे उम्मीद है कि कोई गलतफहमी नहीं होगी। मेरा बयान स्पष्ट था, उसमें कोई अस्पष्टता नहीं थी। उन्होंने कहा कि बाद में, जब हम इस मामले पर स्पष्टीकरण देना चाहते थे, तब तक संसदीय सत्र समाप्त हो चुका था। स्पीकर ने घोषणा कर दी कि आज की चर्चा समाप्त हो गई है। जब मैंने कहा कि हमें एक बयान देना है और बोलने का अवसर मांगा, तो उन्होंने जवाब दिया कि हमें कल मौका दिया जाएगा। इस प्रकार, यह मामला फिलहाल के लिए टल गया है। अगर हमें कल फिर से बोलने का अवसर मिलता है, तो हम आपको सूचित करेंगे। शफीकुर ने कहा कि मौजूदा संसद का गठन एक विशेष संदर्भ में हुआ था। 1952 के भाषा आंदोलन, 1971 के मुक्ति संग्राम, 1990 के जन आंदोलन और 2004 के जन-विद्रोह के माध्यम से लोगों के अधिकारों और आकांक्षाओं की पूर्ति नहीं हो पाई थी। इस संदर्भ में, संवैधानिक सुधार आवश्यक हो गया है। उन्होंने बताया कि छह अंतरिम सरकारी सुधार आयोगों और बाद में राष्ट्रीय आम सहमति आयोग द्वारा व्यापक चर्चा के बाद, जुलाई चार्टर में प्रमुख प्रस्तावों को अंतिम रूप दिया गया था।

पृष्ठ एक का शेष

विकसित भारत के निर्माण...

तहत अब तक लगभग तीन लाख महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं और आने वाले समय में इस संख्या को 40 लाख तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके साथ ही *अरुणोदय योजना* के विस्तार का भी वादा किया गया, जिससे अधिक परिवारों को लाभ मिलेगा। बाढ़ की समस्या को लेकर प्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार ने 18,000 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से *बाढ़ मुक्त असम मिशन* शुरू किया है। राज्य में आधुनिक तटबंध बनाए जा रहे हैं और स्थायी समाधान के लिए लगातार काम हो रहा है। उन्होंने सुबनसिरी हाइड्रोइलेक्ट्रिक परियोजना का उल्लेख करते हुए कहा कि यह असम को बाढ़ से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। कृषि क्षेत्र का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत असम के लगभग 11 लाख किसानों को 730 करोड़ रुपए से अधिक का क्लेम दिया जा चुका है। प्रधानमंत्री ने असम को भविष्य का टेक्नोलॉजी हब बताते हुए कहा कि जल्द ही राज्य में सेमीकंडक्टर प्लांट से चिप उत्पादन शुरू होगा। आने वाले समय में मोबाइल फोन, गाड़ियां, टीवी और अन्य उपकरण असम में बनी चिप से संचालित होंगे, जिससे राज्य की पहचान चाय के साथ-साथ तकनीक के लिए भी होगी। इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में उपलब्धियों को गिनाते हुए मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने 60-65 वर्षों में ब्रह्मपुत्र नदी पर केवल तीन पुल बनाए, जबकि भाजपा की *डबल इंजन* सरकार ने पिछले 10-11 वर्षों में पांच बड़े पुल बनाकर लोगों की जिंदगी आसान की है। स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधार का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि जहां पहले असम में केवल छह मेडिकल कॉलेज थे, वहीं अब इनकी संख्या बढ़कर 14 हो गई है और 10 नए मेडिकल कॉलेजों पर काम चल रहा है। प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि उसने हमेशा *परिवारवाद* और वोट बैंक की राजनीति को प्राथमिकता दी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने पहले एक सांप्रदायिक हिंसा विधेयक लाने की कोशिश की थी, जो समाज को बांटने वाला था, और अब असम में भी इसी तरह के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस राज्य में अवैध घुसपैठियों को बसाने की कोशिश कर रही है। मोदी ने कहा कि भाजपा-नीत राजग सरकार किसानों, आदिवासियों और जंगल की जमीन को अतिक्रमण से मुक्त कराएगी और असम की *शान और पहचान* को बनाए रखेगी। रैली के अंत में प्रधानमंत्री ने जनता से अपील की कि वे एक बार फिर भाजपा सरकार बनाएं, ताकि राज्य में विकास की गति और तेज हो सके। उन्होंने कहा कि यह मोदी की गारंटी है कि असम और अधिक तेजी से आगे बढ़ेगा।

कांग्रेस सत्ता में आई तो ...

देना रहा है। अब वही कांग्रेस सत्ता में आने पर उन्हें बचाने के लिए कानून लाना चाहती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भाजपा और एनडीए इस तरह के किसी भी प्रयास को सफल नहीं होने देंगे। विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले 10-11 वर्षों में असम में बुनियादी ढांचे, कनेक्टिविटी और आर्थिक गतिविधियों में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। उन्होंने कहा कि आज असम के हाई-वे पर लड़ाकू विमान उतर रहे हैं, जो राज्य की बदली हुई तस्वीर को दर्शाता है। उन्होंने एक बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि ब्रह्मपुत्र नदी के नीचे देश की पहली अंडरवाटर ट्विन ट्यूब सड़क और रेल सुरंग बनाई जाएगी, जिस पर करीब 18,662 करोड़ रुपए खर्च होंगे। इससे रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और कनेक्टिविटी मजबूत होगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि असम कच्चे तेल के उत्पादन में नए रिकॉर्ड बना रहा है और वैश्विक संकट के बीच देश को ऊर्जा के क्षेत्र में मजबूती दे रहा है। उन्होंने कहा कि बेहतर सड़क, पुल और रेल नेटवर्क से कृषि, उद्योग और पर्यटन को बढ़ावा मिल रहा है और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा हो रहे हैं। महिला सशक्तीकरण पर जोर देते हुए मोदी ने कहा कि सरकार का लक्ष्य असम में 40 लाख *लखपति दीदी* बनाना है। उन्होंने कहा कि पिछले वर्षों में महिलाओं की सुरक्षा, शिक्षा और आय बढ़ाने के लिए अभूतपूर्व काम हुआ है। उन्होंने बताया कि 22 लाख से अधिक परिवारों को पक्के घर दिए गए हैं और महिलाओं को घर की मालिक बनाने की दिशा में काम किया जा रहा है। भूमि अधिकारों का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि मिशन वसुंधरा के तहत 23 लाख से अधिक स्वदेशी परिवारों को जमीन का मालिकाना हक मिला है। उन्होंने इसे जनजातीय और वंचित समुदायों के लिए *सुरक्षा कवच* बताया और कहा कि यह सच्चा सामाजिक न्याय है। चाय बागान श्रमिकों का मुद्दा उठाते हुए मोदी ने कहा कि विश्वनाथ की पहचान चाय बागानों से है, लेकिन कांग्रेस ने दशकों तक इन श्रमिकों की उपेक्षा की। उन्होंने कहा कि 200 साल की मेहनत और परंपरा के बावजूद चाय बागान के श्रमिकों को बुनियादी सुविधाओं से वंचित रखा गया। प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर इतिहास और विरासत के प्रति उदासीनता का आरोप लगाते हुए कहा कि पार्टी ने स्वतंत्रता संग्राम के योगदान का श्रेय एक ही परिवार को देने की कोशिश की। उन्होंने कनकलता बरुआ और भूपेन हजारिका का उल्लेख करते हुए कहा कि असम की जनता उनके अपमान को बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने भूपेन हजारिका को भारत रत्न से सम्मानित किया, जबकि कांग्रेस ने इसका मजाक उड़ाया। साथ ही उन्होंने बाबू छविलाल उपाध्याय का जिक्र करते हुए कहा कि कांग्रेस ने अपने ही नेताओं को भुला दिया, जबकि भाजपा ने उनके नाम पर इंजीनियरिंग कॉलेज का नामकरण किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि असम में बाढ़ और भूमि कटाव की समस्या से निपटने के लिए सैकड़ों करोड़ रुपए की योजनाओं पर काम चल रहा है और अतिरिक्त 18,000 करोड़ रुपए खर्च करने की योजना है। रैली में मोदी ने मतदाताओं से रिकॉर्ड मतदान की अपील करते हुए कहा कि नौ अप्रैल को सभी मतदान रिकॉर्ड टूटने चाहिए। भाजपा-एनडीए का हर उम्मीदवार असम के विकास का सिपाही है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि अगर राज्य में फिर भाजपा सरकार बनती है, तो असम और तेज गति से विकास करेगा।

राज्य में अरुणोदोई योजना...

दायरे में हैं। शर्मा ने बताया कि अधिक सदस्यों वाले परिवारों को दो राशन कार्ड आवंटित किए जाएंगे, जिससे दो महिलाओं को लाभ मिलेगा। उन्होंने आगे कहा कि जब बेटे की शादी होती है, तो दुल्हन भी इस योजना की पात्र होगी, जिसे उन्होंने सरकार की ओर से *शादी का उपहार* बताया। मुख्यमंत्री ने मुफ्त अनाज और दाल, नमक, चीनी और सरसों के तेल जैसी आवश्यक वस्तुओं सहित अन्य कल्याणकारी उपायों पर प्रकाश डाला। उन्होंने दावा किया कि भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार ने वादे पूरे करके जनता का विश्वास बहाल किया है और इसकी तुलना कांग्रेस के *अवैध अप्रवासियों के समर्थक* एजेंडे से की। कांग्रेस के नारे *नतून बोर असम* (नया ग्रेटर असम) का जिक्र करते हुए शर्मा ने आरोप लगाया कि इसका उद्देश्य अवैध प्रवासियों को जगह देना है और चेतावनी दी कि ऐसे कदम असमिया हिंदू और मुस्लिम अधिकारों के लिए खतरा बन सकते हैं। उन्होंने मतदाताओं से 9 अप्रैल को होने वाले चुनावों में भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन का समर्थन करने का आग्रह किया।

पीएम मोदी ने असम ...

प्रधानमंत्री काफी सहज और खुश नजर आए। काम के बीच एक महिला मजदूर ने प्रधानमंत्री के साथ सेल्फी भी ली। पीएम मोदी ने इस खुशी के पल को साझा करते हुए इसे एक बेहद सुखद और यादगार अनुभव बताया। खुद भी तोड़ी चाय की पत्तियां सिर्फ बातचीत ही नहीं, बल्कि पीएम मोदी ने खुद भी चाय की पत्तियां तोड़ीं। उन्होंने पारंपरिक तरीके से टोकरी में पत्तियां डालकर मजदूरों के काम में हाथ बंटाया। प्रधानमंत्री ने करीब आधा घंटा चाय बागान के मजदूरों के साथ बिताया। उन्होंने महिलाओं के समूह से उनके बच्चों की पढ़ाई और भविष्य की योजनाओं को लेकर विस्तार से बातें कीं। दौरे के दौरान वहां की महिलाओं ने पारंपरिक *झुमुर* नृत्य की प्रस्तुति दी। प्रधानमंत्री ने इस सांस्कृतिक कार्यक्रम को बड़े ध्यान से देखा और कलाकारों का उत्साह बढ़ाया। मनोहरि टी एस्टेट के निरीक्षण के दौरान पीएम मोदी ने मजदूरों के काम करने के तरीके को समझा। उन्होंने कहा कि इन परिवारों की लगन ने ही असम का मान दुनिया भर में बढ़ाया है।

रिहाई की सुनवाई अहम...

के मुद्दे पर केंद्रित है। मामला चल रहा है और बरी करने के मुद्दे पर प्रतिदिन सुनवाई हो रही है। जियाउल कमर के नेतृत्व वाली विशेष अभियोजन टीम मामले को व्यवस्थित रूप से आगे बढ़ा रही है, सैकिया ने कहा। उन्होंने आगे कहा कि राज्य सरकार पारदर्शिता और प्रक्रियात्मक अखंडता सुनिश्चित करने के लिए कार्यवाही पर कड़ी नजर रख रही है। असम सरकार के एडवोकेट जनरल के रूप में, मैं आज अभियोजन निदेशक माखन फुकन के साथ अदालत में उपस्थित था। हम मामले की समीक्षा और जांच कर रहे हैं ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि इसमें कोई अनियमितता न रह जाए। अभियोजन दल बहुत सक्षम है, उन्होंने कहा। सैकिया ने कहा कि उन्होंने व्यक्तिगत रूप से एक घंटे से अधिक समय तक अदालत की कार्यवाही देखी, जो इस बात को रेखांकित करता है कि सरकार इस मामले को कितनी गंभीरता से ले रही है। उन्होंने आगे कहा कि मैंने लगभग डेढ़ घंटे तक अदालत में बैठकर कार्यवाही देखी। असम सरकार ने इस मामले को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। उनके अनुसार, सात सदस्यीय अभियोजन दल सुनवाई के दौरान दिए गए सभी तर्कों और टिप्पणियों को बारीकी से दस्तावेजीकरण कर रहा है। टीम ने बचाव पक्ष द्वारा दिए गए सभी अवलोकन और तर्कों पर ध्यान दिया है। उनके तर्क समाप्त होने के बाद हम उनका खंडन करेंगे, और यदि आवश्यक हुआ तो मैं भी अदालत के समक्ष अपनी बात रखूंगा, उन्होंने कहा। मामले को विचाराधीन बताते हुए, सैकिया ने मामले की खूबियों पर विस्तार से टिप्पणी करने से परहेज किया, लेकिन अभियोजन पक्ष के पक्ष में अपना विश्वास बनाए रखा। उन्होंने कहा कि हमने एक बहुत ही मजबूत आरोप पत्र दायर किया है, और इसकी वैधता निर्धारित करने की प्रक्रिया अदालत में शुरू हो चुकी है। उम्मीद है कि दोषमुक्ति संबंधी सुनवाई एक सप्ताह के भीतर पूरी हो जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह मामला विशेष रूप से यह निर्धारित करने पर केंद्रित है कि क्या गर्ग की मृत्यु हत्या का मामला है, और इसे असंबंधित व्यावसायिक आरोपों से जोड़ने के प्रयासों को खारिज कर दिया। चल रहा मामला इस बात से संबंधित है कि यह हत्या है या नहीं। पेट्रोल पंपों और जल परियोजनाओं से जुड़े व्यावसायिक आरोपों का इससे कोई लेना-देना नहीं है, सैकिया ने कहा। उन्होंने आगे बताया कि अदालत प्रतिदिन सुबह 10:30 बजे से शाम 4:30 बजे तक व्यापक सुनवाई कर रही है, जो मामले के पैमाने और जटिलता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि इस मामले में कितने दिन लगेंगे, इसका अनुमान लगाना मुश्किल है क्योंकि विशेष लोक अभियोजक को मामले की पुष्टि करने में कम से कम चार से पांच दिन लगेंगे। कई गवाह हैं, और हमें इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य, बैंक स्टेटमेंट और रिहाई स्थल से संबंधित स्थानीय कानून भी प्रस्तुत करने होंगे। उन्होंने आगे कहा कि आरोपपत्र में आरोपियों के साथ-साथ गवाहों का विवरण भी शामिल है, जो वर्तमान चरण की बहस का आधार बनता है। इस मामले में त्वरित अदालती कार्यवाही 30 मार्च को शुरू हुई, जब जनता का ध्यान इस ओर बढ़ा हुआ था और इस महान हस्ती की मृत्यु के कारणों पर स्पष्टता की मांग की जा रही थी। सुनवाई के पहले दिन, अदालत ने अभियोजन पक्ष द्वारा दायर आरोपपत्र का औपचारिक रूप से संज्ञान लिया, जिसके बाद बरी करने के मुद्दे पर बहस शुरू हुई।

डबल इंजन नहीं...

के लिए वोट देने की अपील की। उन्होंने कहा कि भाजपा ने चाय बागान श्रमिकों की दैनिक मजदूरी बढ़ाने का वादा किया था, लेकिन ऐसा नहीं किया; वे संघर्ष कर रहे हैं। चुनावी रैली में प्रियंका गांधी ने कहा कि कहा असम के जनजातीय समुदाय वर्षों से अनुसूचित जनजाति का दर्जा मांग रहे हैं, लेकिन भाजपा इसे देने में नाकाम रही है। उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाओं से नाम हटाने की धमकी देकर असम की महिलाओं को प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री की रैलियों में शामिल होने के लिए मजबूर किया गया। उन्होंने दावा किया कि असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार में शामिल हैं। जनसभा को संबोधित करते हुए गांधी ने कहा कि वे आपके लिए तभी काम करते हैं जब उन्हें इसमें अपना कोई लाभ दिखाई देता है। यह इस देश की परंपरा नहीं रही है। आज भी हम असम में ऐसी सरकार चाहते हैं जो आपको डराए नहीं, धमकाए नहीं, अपने स्वार्थों की पूर्ति न करे, बल्कि आपकी सेवा करे, ईमानदारी से आपके लिए काम करे, आपकी संस्कृति और सभ्यता को आगे बढ़ाए और मजबूत करे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा पर निशाना साधते हुए भाजपा के दो इंजन वाली सरकार के नारे को विफल बताया। उन्होंने भाजपा पर असम की जनता को दबाने का आरोप लगाया और मतदाताओं से भय पर आधारित राजनीति को नकारने का आग्रह किया। गांधी ने कहा कि उन्होंने दो इंजन वाली सरकार की बात की थी। क्या उन्होंने पिछले चुनाव में ऐसा नहीं कहा था? मोदी जी आकर कहते थे कि अब वे दो इंजन वाली सरकार चलाएंगे। लेकिन उन्होंने दोहरी गुलामी की सरकार चलाई है। मोदी जी अमेरिका के गुलाम बन गए हैं और उनकी नीतियों के कारण आज पूरा देश संकट में है। और हेमंत जी मोदी जी के गुलाम हैं। और इसके अलावा, वे इस दोहरी गुलामी की सरकार के जरिए असम के इस खूबसूरत और आत्मसम्मानित राज्य के लोगों को गुलाम बनाकर रखना चाहते हैं, उन्हें दबाकर रखना चाहते हैं। गांधी ने असमिया गायक जुबीन गर्ग को न्याय दिलाने के मुद्दे पर भी चर्चा की और त्वरित कार्रवाई का वादा किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार जुबीन गर्ग जी को न्याय दिलाना चाहती है। सरकार बनते ही 100 दिनों के भीतर हम उन्हें न्याय दिलाएंगे। आज सभी स्थानीय भूमिपुत्रों को अस्थायी भूमि विलेख मिल चुके हैं। हम 10 लाख स्थानीय निवासियों को अस्थायी विलेखों के बजाय स्थायी विलेख देंगे।

असम विस चुनाव में ...

मनरेगा जॉब कार्ड, बैंक या डाकघर की फोटोयुक्त पासबुक, आयुष्मान भारत, स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर (एनपीआर) स्मार्ट कार्ड, भारतीय पासपोर्ट, फोटोयुक्त पेंशन दस्तावेज, सरकारी, सार्वजनिक उपक्रम, पब्लिक लिमिटेड कंपनी द्वारा जारी सेवा पहचान पत्र, सांसद, विधायक, विधान परिषद सदस्यों को जारी आधिकारिक पहचान पत्र तथा यूनिक डिसेबिलिटी आईडी (यूडीआईडी) कार्ड शामिल हैं। निर्वाचन आयोग ने यह भी स्पष्ट किया है कि ईपीआईसी में किसी प्रकार की टंकण त्रुटि या वर्तनी की गलती को नजरअंदाज किया जाएगा, बशर्ते मतदाता की पहचान स्थापित हो सके। लेकिन यदि फोटो में असमानता के कारण पहचान सुनिश्चित नहीं हो पाती है, तो संबंधित मतदाता को उपरोक्त वैकल्पिक दस्तावेजों में से किसी एक को प्रस्तुत करना होगा। इसके अतिरिक्त, जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 20ए के तहत पंजीकृत प्रवासी (ओवरसीज) मतदाताओं की पहचान केवल उनके मूल पासपोर्ट के आधार पर ही की जाएगी। ऐसे मतदाताओं के लिए किसी अन्य दस्तावेज को मान्य नहीं माना जाएगा। निर्वाचन आयोग के इन निर्देशों का उद्देश्य मतदान प्रक्रिया को पारदर्शी, निष्पक्ष और सुचारु बनाना है, ताकि प्रत्येक पात्र मतदाता बिना किसी बाधा के अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके।

नाटो से असंतुष्ट हैं ...

सहयोगी देशों ने होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के लिए युद्धपोत तैनात करने की ट्रंप की मांग को खारिज कर दिया है। जब उनसे पूछा गया कि क्या वे संघर्ष के बाद नाटो की अमेरिकी सदस्यता पर पुनर्विचार करेंगे, तो ट्रंप ने कहा कि हां, बिल्कुल। मैं कहूंगा कि अब पुनर्विचार संभव नहीं है। मैं नाटो से कभी संतुष्ट नहीं था। मैं हमेशा से जानता था कि वे सिर्फ कागजी शेर हैं, और पुतिन भी यह जानते हैं। उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के देशों द्वारा होर्मुज जलमार्ग को फिर से खोलने में मदद करने से इनकार करने पर ट्रंप बेहद नाराज हैं। होर्मुज एक महत्वपूर्ण जलमार्ग है जिससे होकर मध्य पूर्व से दुनिया के लगभग 30 प्रतिशत तेल और ऊर्जा की आपूर्ति होती है। 28 फरवरी को शुरू हुए मौजूदा संघर्ष के दौरान ईरान द्वारा अपने क्षेत्र पर किए गए बड़े पैमाने पर अमेरिकी और इजरायली हमलों के जवाब में ईरान ने होर्मुज जलमार्ग को प्रभावी रूप से अवरुद्ध कर दिया है। इससे पहले, ट्रंप ने ब्रिटेन और अन्य सहयोगी देशों पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें खुद के लिए लड़ना चाहिए और होर्मुज जलडमरूमध्य से अपना तेल खुद निकालना चाहिए। यह प्रतिक्रिया ईरान के खिलाफ संघर्ष में इन देशों की निष्क्रिय प्रतिक्रिया के जवाब में थी। उन्होंने लिखा कि होर्मुज जलडमरूमध्य के कारण जेट ईंधन न मिलने वाले सभी देशों, जैसे कि ब्रिटेन, जिसने ईरान को कमजोर करने में शामिल होने से इनकार कर दिया, के लिए मेरा एक सुझाव है: पहला, अमेरिका से खरीदें, हमारे पास पर्याप्त मात्रा में है, और दूसरा, कुछ देर के लिए हिम्मत जुटाएं, जलडमरूमध्य पर जाएं और उस पर कब्जा कर लें। ट्रंप ने आगे कहा, आपको खुद के लिए लड़ना सीखना होगा, अमेरिका अब आपकी मदद के लिए मौजूद नहीं रहेगा, ठीक वैसे ही जैसे आप हमारी मदद के लिए मौजूद नहीं थे।

ट्रंप के युद्धविराम के ...

एक समझौता हो जाएगा। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जैसा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा है, अमेरिका ईरान के नए नेताओं के साथ गंभीर बातचीत कर रहा है और इसमें काफी प्रगति हुई है। राष्ट्रपति को विश्वास है कि जल्द ही समझौता हो जाएगा। उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि अगर समझौता नहीं होता है, तो इसके क्या परिणाम होंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने ईरान के महत्वपूर्ण सरकारी कार्यों पर पूरी तरह नियंत्रण कर लिया है, जिससे राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान की स्थिति महज एक औपचारिक पद तक सिमट कर रह गई है। राष्ट्रपति और सैन्य नेतृत्व के बीच बढ़ते मतभेदों ने देश को एक पूर्ण राजनीतिक गतिरोध की स्थिति में धकेल दिया है। ईरान इंटरनेशनल के अनुसार, सत्ता के इस बड़े उलटफेर का मुख्य कारण ईरान के नए सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई की रहस्यमयी स्थिति को माना जा रहा है। अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद उनके बेटे मोजतबा खामेनेई नए सुप्रीम लीडर बनाए गए, लेकिन उस हमले के बाद से ही मोजतबा सार्वजनिक रूप से कहीं नजर नहीं आए हैं। कयास लगाए जा रहे हैं कि वे या तो गंभीर रूप से घायल हैं या कोमा में हैं।

छह लाख बैरल तेल...

पूरी करने के लिए दूसरे देश जैसे मध्य पूर्व अमेरिका और रूस के सप्लायर्स की ओर रुख किया। हालांकि मौजूदा वक्त में भारत कई देशों से तेल ले रहा है। रूस से भी भारत भारी मात्रा में तेल आयात करता है। रही बात ईरान की तो आपको बता दें ईरान, इजराइल जंग और स्टेट ऑफ होमोस पर बढ़ते तनाव के बीच पूरी दुनिया में ऊर्जा संकट पैदा हुआ है। कई देशों में क्राइसिस देखने को भी मिल रही है और यही वजह है कि अमेरिका ने ईरानी प्रतिबंधों में कुछ समय के लिए छूट दी। अमेरिका ने इस महीने की शुरुआत में ईरानी तेल की समुद्री खरीद पर 30 दिन के लिए छूट दी थी ताकि वैश्विक बाजार में बढ़ती कीमतों को काबू किया जा सके। अनुमान है कि इस समय समुद्र में करीब 95 मिलियन बैरल ईरानी तेल मौजूद है। जिसमें से लगभग 51 मिलियन बैरल भारत के लिए उपयुक्त हो सकता है। हालांकि अभी भी कुछ चुनौतियां बनी हुई है। सबसे बड़ी समस्या भुगतान की है। क्योंकि ईरान अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग सिस्टम स्वीफ्ट से बाहर है। पहले ईरान को यूरो में भुगतान किया जाता था और एक विदेशी बैंक इसके बीच में काम करता था। लेकिन अब यह व्यवस्था उपलब्ध नहीं है और फिलहाल यह कहना भी जल्दबाजी होगी कि यह सिर्फ एक बार की डील है या आगे भी भारत ईरान तेल व्यापार जारी रहेगा। लेकिन इतना जरूर है कि इस एक कदम ने संकेत दे दिया है कि भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए हर विकल्प खुला रखे हुए हैं।

एनएससीएन (के) पर ...

की जानकारी दी गई है। ट्रिब्यूनल के पीठासीन अधिकारी जस्टिस नेल्सन सैलो ने 19 मार्च को यह फैसला सुनाया। उन्होंने अपने आदेश में कहा कि एनएससीएन (के) की गतिविधियां भारत की संप्रभुता और अखंडता के लिए नुकसानदेह हैं। इस संगठन का मुख्य उद्देश्य भारत से अलग होना है। ट्रिब्यूनल ने यह भी माना कि संगठन और इसके सदस्यों के काम करने के तरीके से कोई संदेह नहीं रह जाता कि वे भारत सरकार के खिलाफ युद्ध छेड़ रहे हैं। केंद्र सरकार ने इस उग्रवादी संगठन पर 28 सितंबर 2025 से पांच साल के लिए प्रतिबंध लगाया है। गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 1967 के तहत जब सरकार किसी संगठन को अवैध घोषित करती है, तो 30 दिनों के भीतर यह मामला ट्रिब्यूनल को भेजना जरूरी होता है। ट्रिब्यूनल यह जांच करता है कि क्या संगठन को अवैध घोषित करने के लिए पर्याप्त आधार मौजूद हैं। इसी कानूनी प्रक्रिया के तहत ट्रिब्यूनल ने अब सरकार के फैसले को सही माना है।

भाजपा सरकार की शराब नीति पर गौरव गोगोई का हमला

शिवसागर (हिंस)। असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) के अध्यक्ष गौरव गोगोई ने बुधवार को भाजपा सरकार की शराब नीति पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि राज्य में शराब की दुकानें खोलकर नई पीढ़ी को बर्बादी की ओर धकेला जा रहा है। नाजीरा में कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा की मौजूदगी में आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए गोगोई ने कहा कि भाजपा सरकार शराब के कारोबार को बढ़ावा दे रही है, जिससे युवाओं का भविष्य प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा कि यदि राज्य में कांग्रेस की सरकार बनती है, तो मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के कार्यकाल में खोली गई सभी शराब की दुकानों को बंद कर दिया जाएगा। गोगोई ने यह भी दोहराया कि कांग्रेस युवा पीढ़ी की सुरक्षा के लिए कड़े कदम उठाएगी। असम विधानसभा चुनाव से पहले तेज हो रहे चुनाव प्रचार के बीच नाजीरा की इस रैली में गोगोई ने यह बयान दिया।

जालुकबाड़ी-पांडु में जोरदार चुनावी प्रचार

मुख्यमंत्री की जीत को लेकर आशावादी रिनिकी भुइयां शर्मा

गुवाहाटी (हिंस)। आसन्न असम विधानसभा चुनाव 2026 के मद्देनजर जालुकबाड़ी विधानसभा क्षेत्र में चुनावी प्रचार अभियान तेज गति से चल रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के समर्थन में उनकी पत्नी रिनिकी भुइयां शर्मा ने बुधवार को जालुकबाड़ी और पांडु क्षेत्र में जन आशीर्वाद यात्रा के तहत सक्रिय रूप से प्रचार किया। जालुकबाड़ी-पांडु के विभिन्न इलाकों में आम लोगों से सीधे संपर्क स्थापित करते हुए रिनिकी भुइयां शर्मा ने मतदाताओं तक मुख्यमंत्री के विकास कार्यों का संदेश पहुंचाया। विशेष रूप से बोरीपाड़ा कटिया दलोंग, पांडु

जयमती नगर, पांडु लालमाटी, न्यू कॉलोनी, तरुण संघ मैदान, इंस्टीट्यूट कॉलोनी, कॉलेज गेट, रेस्ट कैंप और अन्य स्थानों पर उन्होंने जन आशीर्वाद प्राप्त किया। इस प्रचार अभियान में रिनिकी के साथ पलाशबाड़ी विधानसभा क्षेत्र के विधायक हेमांग ठाकुरिया भी मौजूद थे। पांडु के प्रत्येक क्षेत्र के पार्षद, बूथ स्तर के सदस्य, सक्रिय भाजपा कार्यकर्ता और स्थानीय निवासी भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और सहयोग किया। प्रचार के दौरान रिनिकी ने जालुकबाड़ी विधानसभा क्षेत्र में मुख्यमंत्री की जीत को लेकर गहरा विश्वास व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जनता का समर्थन और प्रेम इस बार भी मुख्यमंत्री को भारी मतों से विजयी बनाएगा। उनके अनुसार, इस चुनाव में हिमंत विश्व शर्मा अपने पिछले रिकॉर्ड को तोड़ते हुए और बड़े अंतर से जीत हासिल करेंगे। जालुकबाड़ी विधानसभा क्षेत्र में यह सक्रिय प्रचार अभियान राजनीतिक हलकों में काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। आम जनता के बीच भी इस प्रचार को लेकर काफी उत्साह और रुचि देखी जा रही है।

हर द्वार पर लोकतंत्र : कोकराझाड़ में 101 वर्षीय मतदाता सुकाली बर्मन का सम्मान

कोकराझाड़ (हिंस)। *हर द्वार पर लोकतंत्र* की भावना को साकार करते हुए कोकराझाड़ जिला प्रशासन ने 3-कोकराझाड़ विधानसभा क्षेत्र की 101 वर्षीय मतदाता सुकाली बर्मन को सम्मानित किया। लोकतांत्रिक प्रक्रिया में उनकी अटूट आस्था और निरंतर भागीदारी समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी हुई है। होम वोटिंग पहल के अंतर्गत जिला आयुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी, कोकराझाड़, डॉ. पी. उदय प्रवीण ने स्वयं उनके निवास पर जाकर उनसे मुलाकात की और उनके जीवनभर के मतदान योगदान की सराहना की। इस दौरान उन्होंने कहा कि सुकाली बर्मन जैसे मतदाता लोकतंत्र की सच्ची भावना का प्रतिनिधित्व करती हैं और समाज के सभी वर्गों को प्रेरित करती हैं। उन्नत आयु के बावजूद सुकाली बर्मन का चुनावी प्रक्रिया के प्रति उत्साह यह दर्शाता है कि नागरिक

कर्तव्य की कोई आयु सीमा नहीं होती। जिला प्रशासन ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग की विभिन्न पहलों के तहत बुजुर्गों और दिव्यांग मतदाताओं को विशेष सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। होम वोटिंग व्यवस्था के माध्यम से 85 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों को अपने घर से ही मतदान करने की सुविधा दी जा रही है, जिससे वे सम्मान और सुविधा के साथ अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें। *कोई मतदाता पीछे न छूटे* के संकल्प के साथ प्रशासन जिले में समावेशी और सुलभ चुनाव सुनिश्चित करने के लिए लगातार प्रयासरत है। जिला प्रशासन की इस पहल से लोकतांत्रिक भागीदारी को मजबूती मिलने के साथ-साथ समाज में जागरूकता और प्रेरणा का भी संचार हो रहा है।

नगांव में जिला आयुक्त की जन-जागरूकता पहल, निर्भय होकर मतदान करने की अपील

नगांव (निसं)। जनता के मन से भय और आशंका दूर कर चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से सफल बनाने के उद्देश्य से आज नगांव जिले के आयुक्त देबाशीष शर्मा ने जिले के विभिन्न संवेदनशील क्षेत्रों का दौरा किया। विशेष रूप से समगुड़ी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत बरमा बाजार, कावैमरी बाजार, मागुरमारी बाजार तीनआली और शोलमारी सहित विस्तृत क्षेत्रों का भ्रमण कर उन्होंने बाजारों में स्थानीय लोगों के साथ संवाद किया। इस दौरान आयुक्त ने सभी वर्गों के लोगों से आगामी विधानसभा चुनाव को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने में प्रशासन का पूरा सहयोग करने की अपील की। साथ ही उन्होंने किसी भी असामाजिक तत्वों के उकसावे में न आने और ऐसे तत्वों को कोई अवसर न देने की चेतावनी दी। उन्होंने जनता को प्रेरित करते हुए कहा कि वे किसी भी प्रकार के भय, दबाव या प्रलोभन में आए बिना अपनी समझ और विवेक के आधार पर अपने पसंदीदा जनप्रतिनिधि को निर्भय होकर वोट दें। श्री शर्मा ने कहा कि आम जनता की सक्रिय भागीदारी से ही लोकतंत्र की नींव और मजबूत होगी। उल्लेखनीय है कि जिले में शांति और सौहार्द बनाए रखने के लिए आयुक्त श्री शर्मा पहले भी ब्रह्मपुर और रूपही जैसे क्षेत्रों का लगातार दौरा कर सड़क पर ही स्थानीय लोगों के साथ संवाद करते रहे हैं। मंगलवार को उन्होंने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक और पुलिस बल के साथ ब्रह्मपुर क्षेत्र में रोड मार्च किया। कानून-व्यवस्था को और मजबूत करने तथा लोगों में सुरक्षा की भावना पैदा करने के उद्देश्य से चलाए गए इस *एरिया डॉमिनेशन* अभियान के तहत विशेष रूप से ब्रह्मपुर विधानसभा क्षेत्र के चाय बागान इलाकों-कंदली बाजार और बामुनी क्षेत्र जैसे संवेदनशील स्थानों में गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया।

ढाका के मौलाना की सलाह पर हिमंत ने बीजेपी जॉइन की थी : पवन खेड़ा

गुवाहाटी (हिंस)। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने बुधवार को असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा और भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए दावा किया कि हिमंत ने ढाका के एक मौलाना की सलाह पर भाजपा में शामिल हुए थे। गुवाहाटी में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए खेड़ा ने असम सरकार को *बंटी-बबली सरकार* करार दिया और भाजपा के वादों पर प्रतीकात्मक *लाई डिटेक्टर टेस्ट* कर उनके असफल होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि बाढ़ नियंत्रण, रोजगार और स्वास्थ्य जैसे अहम मुद्दों पर सरकार पूरी तरह विफल रही है। खेड़ा के अनुसार, असम में केवल 19 प्रतिशत लोगों के पास स्थायी वेतन वाली नौकरी है, जबकि शहरी क्षेत्रों में बेरोजगारी बढ़कर 25 प्रतिशत हो गई है। उन्होंने अवैध प्रवासियों के निष्कासन के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि मनमोहन सिंह सरकार के दौरान 88,792 लोगों को निष्कासित किया गया था, जबकि भाजपा के शासनकाल में यह संख्या मात्र 2,566 रही। कांग्रेस नेता ने भाजपा नेताओं के परिजनों की संपत्ति में कथित असामान्य वृद्धि, बच्चों के स्वास्थ्य की खराब स्थिति और चाय बागान श्रमिकों के वेतन वृद्धि जैसे मुद्दों पर भी सरकार को घेरा। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार अस्पताल निर्माण सहित कई वादों को पूरा करने में नाकाम रही है। खेड़ा ने कहा कि कांग्रेस सत्ता में आने पर अवैध प्रवास के मुद्दे पर ठोस कदम उठाएगी और जवाबदेही सुनिश्चित करेगी। साथ ही उन्होंने जनता से भाजपा के *झूठे वादों* को नकारने की अपील की।

चुनाव से पहले दुमदुमा में कांग्रेस को बड़ा झटका, हजारों लोग भाजपा में शामिल

तिनसुकिया (हिंस)। आसन्न विधानसभा चुनाव से पहले दुमदुमा क्षेत्र में कांग्रेस पार्टी को बड़ा झटका लगा है। पार्टी के हजारों नेता, कार्यकर्ता और समर्थक बुधवार को कांग्रेस छोड़कर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए। इस सामूहिक शामिल होने को क्षेत्र में भाजपा के लिए बड़ी मजबूती के रूप में देखा जा रहा है। स्थानीय भाजपा नेताओं ने नए सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कि यह कदम पार्टी के प्रति जनता

के बढ़ते विश्वास को दर्शाता है। सूत्रों के अनुसार, शामिल होने के कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति देखी गई। कांग्रेस छोड़ने वाले नेताओं और कार्यकर्ताओं ने पार्टी नेतृत्व से असंतोष और दिशा की कमी को अपने फैसले का मुख्य कारण बताया। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस घटनाक्रम से दुमदुमा के चुनावी समीकरणों पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ सकता है और भाजपा को अपना जनाधार मजबूत करने में मदद मिल सकती है।

नदुआर में कांग्रेस उम्मीदवार सुनील छेत्री पर हमले का दावा झूठा और मनगढ़ंत : गोरखा संगठन

शोणितपुर (हिंस)। नदुआर में कांग्रेस उम्मीदवार सुनील छेत्री पर कथित हमले की घटना को गोरखा संगठनों ने झूठा और मनगढ़ंत करार दिया है। घटनाक्रम के बाद गोरखा समाज में उत्पन्न प्रतिक्रिया के बीच संगठनों के प्रतिनिधियों ने मौके पर पहुंचकर जांच की। लखीमपुर जिले के अखिल असम गोरखा छात्र संघ और गोरखा सम्मेलन का एक प्रतिनिधिमंडल नदुआर पहुंचा और मामले की पड़ताल की। प्रतिनिधिमंडल ने स्थानीय लोगों, विभिन्न दलों के प्रतिनिधियों से बातचीत की तथा कथित घटना स्थल का भी निरीक्षण किया। लखीमपुर जिला गोरखा सम्मेलन के मुख्य सलाहकार विष्णु दहाल और गोरखा छात्र संघ (राजगढ़ क्षेत्रीय इकाई) के अध्यक्ष विकास शर्मा ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा सुनील छेत्री पर हमले का आरोप *निराधार और सुनियोजित नाटक* है। प्रतिनिधिमंडल ने जामुगुरीहाट में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में अपनी जांच के निष्कर्ष साझा किए। साथ ही उन्होंने लोगों से शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील की तथा राज्यभर के गोरखा समाज से अपील की कि वे तथ्यों की पूरी जानकारी के बिना कोई प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं करें।

खारघुली में भीषण भूस्खलन, लोक भवन से जुड़ी सड़क क्षतिग्रस्त

गुवाहाटी (हिंस)। शहर के खारघुली क्षेत्र में मंगलवार की रात भीषण भूस्खलन की घटना सामने आई, जिससे लोक भवन और खारघुली को जोड़ने वाली सड़क प्रभावित हो गई। लगातार हो रही बारिश के कारण मिट्टी कमजोर हो गई, जिसके चलते यह भूस्खलन हुआ। इस दौरान निर्माणाधीन सड़क का एक हिस्सा भी मलबे के साथ ढह गया, जिससे इलाके में आवागमन बाधित हो गया। प्रशासन द्वारा स्थिति का आकलन किया जा रहा है और मलबा हटाकर आवागमन बहाल करने के प्रयास जारी हैं। फिलहाल किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

नगांव अभामस की संस्कार ही धरोहर कार्यक्रम आयोजित

श्रीमती शालिनी बगड़िया प्रांतीय अध्यक्षा और मनिता मित्तल बनी प्रांतीय सचिव

नगांव (निसं)। अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन समाज की अग्रणी सामाजिक संस्थाओं में से एक है। समाज की कर्मठ महिलाओं की एक संस्था असम में पिछले 25 वर्षों से समाजिक उत्थान के लिए कार्यरत है। महिला सशक्तिकरण, बाल विकास, पर्यावरण संरक्षण, नेत्र दान, स्वेच्छा से रक्त दान, देह दान, अंग दान, नारी सुरक्षा इत्यादि क्षेत्रों में कई प्रेरणादायी और मिल के पत्थर साबित होने वाले अनुकरणीय प्रयास किए हैं। अपने कार्यों से देश व समाज के उत्थान में योगदान देती आई है। सम्मेलन की असम में कुल 51 शाखाएं हैं, जिसमें हजारों की संख्या में महिलाएं जुड़ी हुई हैं और पूरी निष्ठा, सेवा भाव और सक्रियता के साथ सामाजिक कार्यों में अग्रसर हैं, साथ ही अपने गृहस्थ धर्म का भी बखूबी पालन कर रही हैं। असम

प्रांत का नया सत्र 2026-28, 1 अप्रैल से शुरू हो रहा है। विगत मास में बालासोर उड़ीसा में हुए सम्मेलन के राष्ट्रीय अधिवेशन में इस सत्र की असम प्रदेश अध्यक्षा प्रतिभाशाली और कर्मठ युवा नेत्री नगांव की श्रीमती शालिनी बगड़िया मनोनीत हुई है। शालिनी बगड़िया अपने जुझारू और मृदुभाषी व्यक्तित्व के लिए जानी जाती है। नगांव की श्रीमती मनिता मित्तल- प्रांतीय सचिव, संगीता शोभासरिया कोषाध्यक्ष, देरगांव की श्रीमती राधिका जालान को उपाध्यक्षा, होजाई की श्रीमती ज्योति सुरेका को सह सचिव मनोनीत हुई है। सम्मेलन के सभी कार्य 9 प्रकल्पों और 8 जोन ग्रुप के अंतर्गत सम्पादित किए जाएंगे? असम प्रांत की कार्यकारिणी सदस्याओं की एक सशक्त टीम है। महिला सशक्तिकरण प्रकल्प प्रमुख सुनीता अग्रवाल (मोरान), रक्तदान-देह दान प्रकल्प प्रमुख श्वेता कर्वा (तीताबर), नेत्रदान अंग दान प्रकल्प प्रमुख शीतल तेजावत (सरुपथार), पर्यावरण प्रकल्प प्रमुख रंजना जालान (गोलाघाट), बाल विकास प्रकल्प प्रमुख प्रियंका सरावगी (होजाई), संस्कार-संस्कृति प्रकल्प प्रमुख सुमन भड़ेच (जोरहाट), संबंध समन्वय प्रकल्प प्रमुख ऊषा भारद्वाज (तिनसुकिया) नियुक्त की गई है। नए सत्र का का नारा *संस्कार ही धरोहर* है जिसके अंतर्गत प्रांतीय अध्यक्षा शालिनी बगड़िया ने अपने दो साल के कार्यकाल में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कार्य करने के लिए आह्वान किया है। साथ ही समाज की युवा पीढ़ी जो कि अपनी संस्कृति से विमुख होती जा रही है उन्हें संस्कृति से जोड़ने के लिए आह्वान किया है। नए सत्र का आगाज के लिए सभी शाखाएं पौधा रोपण व हनुमान चालीसा के सामूहिक पाठ, असम और राजस्थानी संस्कृति के अनूठे मिलन वाले रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ शुभारंभ करेंगी। आने वाले समय में पर्यावरण, महिला सशक्तिकरण, बाल विकास, रक्तदान, नेत्रदान, अंग दान, देहदान, त्वचादान, इत्यादि प्रकल्पों पर बेहतरीन कार्य किए जाने का लक्ष्य है। यह जानकारी असम प्रदेश जनसंपर्क प्रमुख पूनम अग्रवाल और सह प्रमुख कुसुम आलमपुरीया द्वारा संयुक्त रूप से दी गई है ।

धूबड़ी में एआईयूडीफ के लिए एआईएमआईएम के मुखिया करेंगे चुनाव प्रचार

धुबड़ी (विभास)। जिले में जैसे-जैसे असम चुनाव नजदीक आ रही है वैसे-वैसी सभी राजनीतिक पार्टियों का बेचैनी बढ़ती ही जा रही है। जिले के अंतर्गत पांच विधानसभा 6 नंबर गोलकगंज, 7 नंबर गौरीपुर,

8 नंबर धुबड़ी, 9 नंबर वीर सिंह और 10 नंबर बिलासिपाड़ा क्षेत्र में चुनाव प्रचार जोरों पर चल रहा है। सूत्र से मिली जानकारी के अनुसार इस चुनाव में एआईयूडीएफ के बड़े नेता मौलाना बदरुद्दीन अजमल ने हैदराबाद के सांसद तथा एआईएमआईएम के प्रमुख तथा स्टार प्रचारक असदुद्दीन ओवैसी को इस बार के चुनाव में अपने पार्टी के लिए प्रचारक बनाएंगे। जानकारी के अनुसार धुबड़ी जिले में लगभग 80 प्रतिशत अल्पसंख्यक लोग रहेत हैं। वहीं आरोप है कि हर इनके ही सांसद और विधायक होने के बावजूद क्षेत्र में विकास गायब है। जबकि भारतीय जनता पार्टी की सरकार जब से असम प्रदेश में आया है तब से अब तक धुबड़ी जिले में विकासमूलक कार्य देखने को मिली है। इस बार धुबड़ी जिले के अंतर्गत पांच विधानसभा क्षेत्र में से गोलकगंज विधानसभा क्षेत्र भाजपा की पक्ष में आने की संभावना दिखाई दे रही है।

बंगाईगांव में भजन, नृत्य-नाटिका और प्रतियोगिताओं के साथ मनाया गया श्री हनुमान जन्मोत्सव

बंगाईगांव। बालाजी महिला मंडल के तत्वाधान में श्री हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर मंगलवार को बीओसी गेट स्थित श्री हनुमान मंदिर परिसर में एक भव्य भजन संध्या का आयोजन किया गया। इस धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी और पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान हनुमान जी की पूजा-अर्चना के साथ की गई। इसके पश्चात धुबड़ी से पधारे भजन गायक मोहित वर्मा ने अपने मधुर स्वर में हनुमान जी एवं श्रीराम के भजनों की मनमोहक प्रस्तुति दी। उनके द्वारा प्रस्तुत भजनों ने उपस्थित श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। भक्ति रस से सराबोर इस संध्या में श्रद्धालु झूमने को मजबूर हो गए। इस अवसर पर धुबड़ी से आए कलाकारों द्वारा बालाजी के जीवन प्रसंगों पर आधारित एक सुंदर नृत्य-नाटिका प्रस्तुत की गई। कलाकारों की सजीव प्रस्तुति ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। कार्यक्रम के दौरान बच्चों के बीच रामायण एवं बालाजी से संबंधित प्रश्नोत्तर प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा विजयी बच्चों को पुरस्कृत किया गया। बालाजी महिला मंडल की सदस्यों ने भी इस अवसर पर एक आकर्षक लघु नाटिका प्रस्तुत की, जिसमें हनुमान चालीसा को अभिनव के माध्यम से और मनमोहक अंदाज में प्रस्तुत किया गया। इस प्रस्तुति ने दर्शकों का विशेष ध्यान आकर्षित किया और सभी ने इसकी सराहना की। पूरे कार्यक्रम के दौरान मंदिर परिसर *जय श्री राम* और *जय बजरंगबली* के जयकारों से गूंजता रहा। श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से कार्यक्रम का आनंद लिया और अंत में अल्पहार एवं प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम की सफलता में बालाजी महिला मंडल के सभी सदस्यों एवं सहयोगियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

फास्ट ट्रैक अदालत में जूबीन गर्ग मौत के मामले की सुनवाई का तीसरा दिन जारी

गुवाहाटी (हिंस)। असम के प्रख्यात गायक जुबीन गर्ग की मौत से जुड़े मामले की सुनवाई फास्ट ट्रैक अदालत में बुधवार को तीसरे दिन भी जारी रही। इस संबंध में महाधिवक्ता देबजीत लोन सैकिया ने कहा कि मामले में किसी भी प्रकार की विसंगति न रहे, इसके लिए सभी पहलुओं की चरणबद्ध तरीके से निगरानी की जा रही है। उन्होंने कहा कि जांच और सुनवाई की पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाए रखने के लिए प्रशासन विशेष ध्यान दे रहा है। उल्लेखनीय है कि असम विधानसभा चुनाव में सत्ता पक्ष एवं विपक्ष दोनों जुबीन गर्ग की मौत के मामले की जांच एवं कानूनी प्रक्रिया को लेकर लगातार राजनीति कर रहे हैं। जनता के बीच दोनों ओर से मतदाताओं के बीच एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप ने राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गयी है।

कोकराझाड़ : चुनाव मैदान में उतरीं पांच महिला प्रत्याशी, प्रचार अभियान ने पकड़ी रफ्तार

कोकराझाड़ (विभास)। असम विधानसभा चुनावों के मद्देनजर कोकराझाड़ जिले के पांच विधानसभा क्षेत्रों में चुनावी सरगर्मी तेज हो गई है। इस बार के चुनाव में खास बात यह है कि तीन प्रमुख विधानसभा क्षेत्रों-दोतमा, कोकराझाड़ और बाउखूंग्री -से पांच महिला उम्मीदवार चुनावी मैदान में अपनी किस्मत आजमा रही हैं। यूपीपीएल की प्रतिभा ब्रह्म को छोड़कर बाकी चार महिला प्रत्याशी राजनीति में नए चेहरे हैं, जो अपने आक्रामक प्रचार से मतदाताओं का ध्यान खींच रही हैं। चुनावी रण में ये पांच महिला शक्ति प्रतिभा ब्रह्म यूपीपीएल (बाउखूंग्री निर्वाचन क्षेत्र), शिउली मोहिलारी बीपीएफ (कोकराझाड़ निर्वाचन क्षेत्र), शेफाली मारक कांग्रेस (बाउखूंग्री निर्वाचन क्षेत्र), उदांश्री नार्जारी तृणमूल कांग्रेस (बाउखूंग्री निर्वाचन क्षेत्र), फुंखा ब्रह्म निर्दलीय (दोतमा निर्वाचन क्षेत्र) से चुनाव मैदान में ताल ठोक रही हैं। वहीं कोकराझाड़ 3 नं. सीट से बीपीएफ की शिउली का जीत का दावा किया जा रहा है। बीपीएफ प्रत्याशी शिउली मोहिलारी ने मौजूदा विधायक लॉरेंस इसलारी को चुनौती देते हुए कहा कि क्षेत्र में उनके सामने कोई मुकाबला नहीं है। उन्होंने कहा कि जनता का भरपूर

समर्थन मिल रहा है। महिला सशक्तिकरण, युवाओं को आत्मनिर्भर बनाना और बुनियादी ढांचा सुधारना मेरी प्राथमिकता है। इस बार जीत का अंतर ऐतिहासिक होगा। वहीं बाउखूंग्री 4 नं. सीट से प्रतिभा ब्रह्म बनाम विपक्षी खेमा के बीच है। यूपीपीएल की वरिष्ठ नेता प्रतिभा ब्रह्म दूसरी बार चुनाव लड़ रही हैं। उन्होंने एनडीए के एक अन्य प्रतिद्वंद्वी को *बाहरी* बताते हुए कहा कि क्षेत्र के अल्पसंख्यक और स्थानीय मतदाता शांति और विकास के लिए यूपीपीएल को ही चुनेंगे। उन्होंने दावा किया कि बीटीसी में कांग्रेस का कोई अस्तित्व नहीं बचा है। इसके अलावा बाउखूंग्री सीट से कांग्रेस प्रत्याशी शेफाली मारक ने सत्ता पक्ष पर हमला बोलते हुए कहा कि एनडीए सरकार धार्मिक अल्पसंख्यकों को परेशान कर रही है। वहीं, टीएमसी की उदांश्री नार्जारी ने कहा कि वे जनता की बुनियादी समस्याओं के समाधान के लिए मैदान में हैं और उन्हें मतदाताओं पर पूरा भरोसा है। दूसरी ओर दोतमा 2 नं. सीट से निर्दलीय उम्मीदवार फुंखा ब्रह्म ने सत्ता पक्ष की योजनाओं पर सवाल उठाते हुए कहा कि पुरुष महिलाओं की समस्याओं को पूरी तरह नहीं समझ सकते। केवल *अरुणोदय* या *लखपति बाइदेव* जैसी योजनाओं से महिलाओं का भला नहीं होगा; उन्हें वास्तविक रूप से आत्मनिर्भर बनाने की जरूरत है।

संपादकीय

दुनिया भी कहे, 'नो किंग्स'

राष्ट्रपति ट्रंप अपने ही देश में बुरी तरह घिर गए हैं। उनके खिलाफ 'नो किंग्स' बैनर वाले विरोध-प्रदर्शन किए जा रहे हैं। सांसद भी सड़कों पर उतर आए हैं। अमरीका के 50 राज्यों में 3500 से अधिक स्थानों पर करीब 80 लाख लोग सड़कों पर आक्रोशित हैं और राष्ट्रपति ट्रंप का इस्तीफा मांग रहे हैं। ये विरोध-प्रदर्शन ट्रंप के अधिनायकवाद के खिलाफ हैं और ब्रिटेन, यूरोप तक फैल गए हैं। ईरान पर हमला अमरीका और इजरायल के शासनाध्यक्षों का तानाशाही किस्म का रवैया था। उनके तमाम मंसूबे अधूरे रहे हैं। युद्ध को एक महीना बीत चुका है। लगभग पूरी दुनिया हिल चुकी है। संयुक्त राष्ट्र की एक एजेंसी का सर्वेक्षण है कि ईरान युद्ध से 4.5 करोड़ से अधिक लोग 'भुखमरी' के कगार पर हैं। अनुमानित डाटा है कि युद्ध में अभी तक 4500 से अधिक मौतें हो चुकी हैं, करीब 10 लाख लोग बेघर हो चुके हैं, वैश्विक जीडीपी के 2 फीसदी नीचे आने के खतरे सामने हैं। यदि अमरीका और इजरायल में जनता ट्रंप और नेतन्याहू का आक्रामक विरोध कर रही है, तो बिल्कुल लोकतांत्रिक कदम है। अमरीका सबसे प्राचीन लोकतंत्र है। बल्कि विरोध इतना तीखा और सटीक होना चाहिए कि दोनों नेता इस्तीफा देने को विवश हो जाएं। दोनों देशों के नेता 'कब्जेबाज' हैं, लिहाजा युद्ध को माध्यम बनाए हुए हैं। दोनों देशों में चुनाव होने हैं और वे निम्नतम लोकप्रियता के स्तर पर हैं। पेंटागन का आकलन है कि एक माह के युद्ध में ही अमरीका का करीब 30,000 करोड़ रुपए का नुकसान हो चुका है। आर्थिक विशेषज्ञ मान रहे हैं कि ईरान का भी 15-20 लाख करोड़ रुपए और खाड़ी देशों का करीब 2.5 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हो चुका है। राष्ट्रपति ट्रंप अब भी विमानवाहक युद्धपोत, मरीन कमांडो, सैनिक, विमान आदि ईरान की ओर भेज रहे हैं। 'बॉम्बर्स' से बमबारी करवा रहे हैं। ईरान को 'कब्रिस्तान' बना दिया है। अब जमीनी युद्ध की भी संभावनाएं हैं। अमरीका और इजरायल ने एक माह की अवधि में ईरान पर 10,000 से अधिक हमले (प्रति) कर उसके 66 फीसदी सैन्य ठिकानों को नष्ट कर दिया है। आखिर मिसाइल, ड्रोन कितने बचे होंगे? और ईरान कब तक उनके सहारे युद्ध लड़ता रहेगा? यह बेहद चिंतित सवाल है। 'मन की बात' में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा है कि युद्ध से विश्व के सामने ऊर्जा-संकट पैदा हो गया है, जो लगातार गहराता जा रहा है। मुद्रास्फीति और सप्लाई चेन की अवरुद्धता ने दुनिया को झटके दिए हैं। ट्रंप की इस तानाशाही और वैश्विक गुंडागर्दी को क्यों सहन किया जा रहा है? यूरोप, एशिया (भारत, जापान, चीन, दक्षिण कोरिया आदि समेत), अफ्रीका, लैटिन अमरीका और जो देश ईरान युद्ध से पिसे, कुचले जा रहे हैं, वे संयुक्त राष्ट्र में जाएं और ट्रंप के खिलाफ आंदोलन करें। अब प्रस्ताव पारित कराने का वक्त निकल चुका है। देशों को आक्रामक होना होगा, लेकिन अहिंसक आंदोलन करना होगा। यह कूटनीति या राजनीति अथवा अमरीका के साथ संबंधों वक्त नहीं है, बल्कि विश्व के अस्तित्व का सवाल है। विरोध देश का नहीं, राष्ट्रपति ट्रंप का करना है। भारतीय विशेषज्ञ मान रहे हैं कि हमारी तेल-गैस की आपूर्ति लगातार कम हो रही है और खपत जस की तस है। हमारी जरूरत 20 की है, लेकिन सप्लाई 10 की ही हो रही है। साफ है कि कमी बढ़ती रहेगी, तो अंततः एक विकराल संकट सामने खड़ा हो सकता है। चूंकि खाड़ी देशों में तेल-गैस ठिकानों को व्यापक स्तर पर तबाह किया गया है, आग ने सब कुछ खाक कर दिया है, लिहाजा यह तय है कि आगामी 4-5 साल तक आपूर्ति वैसी नहीं रहेगी, जैसी युद्ध से पहले थी। भारत के लिए मध्य-पूर्व ही सबसे मुफीद क्षेत्र है, जहां से तेल-गैस का आयात 2-4 दिन में ही संभव है। अन्य देश हमसे बहुत दूर हैं और सप्लाई में 40-45 दिन लग जाते हैं। भारत जितना विशाल, विराट देश है, उतनी ही हमारी जरूरतें हैं। तेल-गैस के बजाय बिजली वाले वाहनों को ज्यादा सार्वजनिक बनाया जाए।

अमरीका के 50 राज्यों में 3500 से अधिक स्थानों पर करीब 80 लाख लोग सड़कों पर आक्रोशित हैं और राष्ट्रपति ट्रंप का इस्तीफा मांग रहे हैं। ये विरोध-प्रदर्शन ट्रंप के अधिनायकवाद के खिलाफ हैं और ब्रिटेन, यूरोप तक फैल गए हैं। ईरान पर हमला अमरीका और इजरायल के शासनाध्यक्षों का तानाशाही किस्म का रवैया था। उनके तमाम मंसूबे अधूरे रहे हैं। युद्ध को एक महीना बीत चुका है। लगभग पूरी दुनिया हिल चुकी है। संयुक्त राष्ट्र की एक एजेंसी का सर्वेक्षण है कि ईरान युद्ध से 4.5 करोड़ से अधिक लोग 'भुखमरी' के कगार पर हैं। अनुमानित डाटा है कि युद्ध में अभी तक 4500 से अधिक मौतें हो चुकी हैं, करीब 10 लाख लोग बेघर हो चुके हैं, वैश्विक जीडीपी के 2 फीसदी नीचे आने के खतरे सामने हैं। यदि अमरीका और इजरायल में जनता ट्रंप और नेतन्याहू का आक्रामक विरोध कर रही है, तो बिल्कुल लोकतांत्रिक कदम है। अमरीका सबसे प्राचीन लोकतंत्र है। बल्कि विरोध इतना तीखा और सटीक होना चाहिए कि दोनों नेता इस्तीफा देने को विवश हो जाएं। दोनों देशों के नेता 'कब्जेबाज' हैं, लिहाजा युद्ध को माध्यम बनाए हुए हैं। दोनों देशों में चुनाव होने हैं और वे निम्नतम लोकप्रियता के स्तर पर हैं। पेंटागन का आकलन है कि एक माह के युद्ध में ही अमरीका का करीब 30,000 करोड़ रुपए का नुकसान हो चुका है।

कुछ अलग

बधाई हो, कट हुआ है...

झुन्नू लाल जी अपनी सीट पर बैठे-बैठे एक हथेली में एक चुटकी तंबाकू में थोड़ा सा बुझा चूना मिलाने के बाद उसे अंगूठे से अच्छी तरह रगड़ने के बाद निचले होंठ में दबाते हुए संता सिंह से बोले, 'बधाई हो! सुना है आपको कट हुआ है।' संता सिंह अपनी ऐनक को एक ओर रखते हुए बोले, 'हां बड़े बाबू, आपको भी बधाई हो कि आप भी प्रदेश को मुफलिसी के जाल से बाहर निकालने में अपनी हिस्सेदारी दर्ज करवाने जा रहे हैं। पर आप 'कट हुआ' तो ऐसे बोल रहे हैं मानो किसी के यहां बेटा हुआ हो। शुक्र मनाइए, आप और मैं केवल तीन परसेंट से ही अपनी भागीदारी सुनिश्चित करवा रहे हैं। नहीं तो बड़े और छोटे साहिब, बेचारे दोनों ही तीस परसेंट के कोल्हू में जुतने जा रहे हैं।' झुन्नू लाल जी खीखी...हीही...करते हुए हंसकर बोले, 'यार! सच कहूं तो मुझे बड़ा मजा आ रहा है, यह सब देखकर और सुनकर। ऐसे कहते हैं आगे-आगे दौड़ और पीछे-पीछे छोड़। सरकार का यह कदम तो मेरे घर पर बिल्कुल ठीक बैठता है। श्रीमती हर महीने के शुरू में शोर मचाती हैं कि बचत करनी है। कभी दूध में कट, कभी सब्जी में, कभी आशीर्वाद की जगह लोकल मिल का सफ पिसा आटा, कभी बल्ब और ट्यूब में उलझ जाती हैं, कभी साबुन, तेल, नून में। ग्रोसरी स्टोर में घंटों लगाकर एक-एक सामान खरीदते हुए उनके दामों का विश्लेषण करती हैं। फिर महीने आखिर में उन्हें यकायक याद आता है कि इस महीने कोई सूट, साड़ी, स्वेटर या जूता नहीं लिया और जो थोड़ा-बहुत बचाया होता है, उसे एक बार में खर्च कर आती हैं। फिर अगले महीने का डेफिसिट शुरू। सरकारें भी तो यही करती हैं।

स्कूल, सड़क, स्वास्थ्य केंद्र जैसे बुनियादी ढांचे को नष्ट करना उनकी रणनीति का हिस्सा बन गया थाs

माओवादी मुक्ति से शांति एवं संतुलन की नई संभावनाएं

ललित गर्ग

भारत जैसे विशाल, विविधतापूर्ण और लोकतांत्रिक राष्ट्र के सामने आंतरिक सुरक्षा की चुनौतियां हमेशा से बहुआयामी रही हैं। इन चुनौतियों में नक्सलवाद या माओवादी हिंसा एक ऐसी समस्या रही, जिसने दशकों तक देश की आंतरिक शांति, विकास और सुशासन को गंभीर रूप से प्रभावित किया। विशेषकर छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, बिहार और आंध्र प्रदेश के आदिवासी बहुल क्षेत्रों में माओवादी गतिविधियों ने न केवल विकास को अवरुद्ध किया, बल्कि हजारों निर्दोष नागरिकों और सुरक्षाकर्मियों की जान भी ली। लेकिन आज जब बस्तर जैसे माओवादी गढ़ से 25 लाख के इनामी सरगना पापा राव का अपने साथियों सहित आत्मसमर्पण करना एक निर्णायक मोड़ के रूप में सामने आया है, तब यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि भारत माओवादी मुक्ति की ऐतिहासिक दहलीज पर खड़ा है। नक्सलवाद की जड़ें सामाजिक-आर्थिक असमानता, उपेक्षा और शोषण में रही हैं, लेकिन समय के साथ यह आंदोलन अपने मूल उद्देश्यों से भटककर एक हिंसक और विध्वंसकारी विचारधारा में बदल गया। माओवादी संगठन न केवल विकास कार्यों में बाधा डालते रहे, बल्कि उन्होंने स्थानीय लोगों को भय और हिंसा के माध्यम से नियंत्रित किया। स्कूल, सड़क, स्वास्थ्य केंद्र जैसे बुनियादी ढांचे को नष्ट करना उनकी रणनीति का हिस्सा बन गया था। इससे यह स्पष्ट हो गया कि यह आंदोलन अब जनहित का नहीं, बल्कि सत्ता और नियंत्रण का माध्यम बन चुका है। भारत सरकार द्वारा 31 मार्च 2026 तक देश को नक्सलवाद/माओवाद से मुक्त करने का जो लक्ष्य निर्धारित किया गया था, वह अब लगभग अपनी अंतिम अवस्था में पहुंचता दिखाई दे रहा है। पिछले एक दशक में 10,000 से अधिक माओवादियों के आत्मसमर्पण, सुरक्षा बलों की आक्रामक एवं रणनीतिक कार्रवाई तथा प्रभावित क्षेत्रों में तेज़ी से हुए विकास कार्यों ने माओवादी आंदोलन की जड़ों को कमजोर कर दिया है। छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में माओवादी हिंसा की घटनाओं में उल्लेखनीय कमी आई है। विशेष रूप से शीर्ष नेतृत्व के आत्मसमर्पण, जैसे दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी के सदस्यों के सरेंडर ने संगठन को नेतृत्वहीन कर दिया, जिससे माओवादी संरचना भीतर से कमजोर पड़ गई। इस सफलता के पीछे सरकार की बहुआयामी रणनीति रही, जिसमें केवल सैन्य-पुलिस कार्रवाई ही नहीं, बल्कि विकास, पुनर्वास और प्रशासनिक पहुंच को भी समान महत्व दिया गया। रेड कॉरिडोर क्षेत्रों में सड़कों और पुलों का निर्माण, मोबाइल टावरों के माध्यम से 4जी नेटवर्क का विस्तार, स्कूलों और आईटीआई संस्थानों की स्थापना ने इन क्षेत्रों को मुख्यधारा से जोड़ा। वहीं 'फोर्टिफाइड पुलिस स्टेशनों' की रणनीति के माध्यम से सुरक्षा बलों ने माओवादियों के गढ़ों में घुसकर निर्णायक कार्रवाई की। आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों के लिए

भारत सरकार द्वारा 31 मार्च 2026 तक देश को नक्सलवाद/माओवाद से मुक्त करने का जो लक्ष्य निर्धारित किया गया था, वह अब लगभग अपनी अंतिम अवस्था में पहुंचता दिखाई दे रहा है। पिछले एक दशक में 10,000 से अधिक माओवादियों के आत्मसमर्पण, सुरक्षा बलों की आक्रामक एवं रणनीतिक कार्रवाई तथा प्रभावित क्षेत्रों में तेज़ी से हुए विकास कार्यों ने माओवादी आंदोलन की जड़ों को कमजोर कर दिया है। छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में माओवादी हिंसा की घटनाओं में उल्लेखनीय कमी आई है। विशेष रूप से शीर्ष नेतृत्व के आत्मसमर्पण, जैसे दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी के सदस्यों के सरेंडर ने संगठन को नेतृत्वहीन कर दिया, जिससे माओवादी संरचना भीतर से कमजोर पड़ गई। इस सफलता के पीछे सरकार की बहुआयामी रणनीति रही, जिसमें केवल सैन्य-पुलिस कार्रवाई ही नहीं, बल्कि विकास, पुनर्वास और प्रशासनिक पहुंच को भी समान महत्व दिया गया।

पुनर्वास नीति के तहत आर्थिक सहायता, रोजगार और समाज में पुनर्स्थापना की व्यवस्था ने भी माओवादी कैडर को हथियार छोड़ने के लिए प्रेरित किया। यह समन्वित रणनीति, दूरदर्शिता और दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति का परिणाम है कि देश आज नक्सलवाद के अंत के ऐतिहासिक चरण के निकट खड़ा दिखाई दे रहा है। निश्चित ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने इस समस्या के समाधान के लिए बहुआयामी और दृढ़ रणनीति अपनाई। गृहमंत्री अमित शाह की सूझबूझ और स्पष्ट दृष्टिकोण ने इस अभियान को एक नई दिशा दी। सरकार ने एक ओर जहां सुरक्षा बलों को आधुनिक तकनीक, बेहतर प्रशिक्षण और संसाधनों से सशक्त किया, वहीं दूसरी ओर विकास योजनाओं को भी गति दी। 'सुरक्षा और विकास' के इस दोहरे दृष्टिकोण ने माओवादी प्रभाव वाले क्षेत्रों में सकारात्मक परिवर्तन की नींव रखी। पिछले कुछ वर्षों में सुरक्षाबलों द्वारा चलाए गए सघन अभियानों ने माओवादी नेटवर्क को गहराई से कमजोर किया है। बस्तर, जो कभी माओवादियों का सबसे मजबूत गढ़ माना जाता था, वहां आज आत्मसमर्पण की घटनाएं बढ़ रही हैं। पापा राव जैसे शीर्ष माओवादी नेता का आत्मसमर्पण इस बात का संकेत है कि माओवादी संगठन अब अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे हैं। यह केवल एक व्यक्ति का आत्मसमर्पण नहीं, बल्कि एक विचारधारा के पतन का प्रतीक है। माओवादी मुक्ति का सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि देश के उन क्षेत्रों में शांति और स्थिरता स्थापित होगी, जो लंबे समय से हिंसा की चपेट में रहे हैं। जब बंदूकें खामोश होंगी, तब विकास की आवाज बुलंद होगी। सड़कें बनेंगी, स्कूल खुलेंगे, अस्पतालों में सुविधाएं बढ़ेंगी और सबसे महत्वपूर्ण, लोगों के जीवन में सुरक्षा और विश्वास का संचार होगा। आदिवासी और ग्रामीण समुदाय, जो अब तक भय और असुरक्षा में जी रहे थे, वे अब अपने अधिकारों और अवसरों का पूर्ण लाभ उठा सकेंगे। इसके साथ ही, माओवादी हिंसा के समाप्त होने से भारत की आंतरिक सुरक्षा मजबूत होगी। जब देश के भीतर शांति होगी, तब ही बाहरी खतरों का प्रभावी ढंग से सामना किया जा सकता है। नक्सलवाद जैसी समस्याएं अक्सर विदेशी शक्तियों और असामाजिक तत्वों के लिए भी अवसर प्रदान करती हैं, जिन्हें समाप्त करना राष्ट्रीय हित में अत्यंत आवश्यक है। इस दृष्टि से माओवादी मुक्ति न केवल आंतरिक, बल्कि सामरिक रूप से भी महत्वपूर्ण है। आदर्श शासन व्यवस्था की स्थापना के लिए कानून का शासन, पारदर्शिता, जवाबदेही और विकास की समान पहुंच आवश्यक होती है। माओवादी प्रभाव वाले क्षेत्रों में इन सभी तत्वों का अभाव था। वहां प्रशासन की पहुंच सीमित थी और लोकतांत्रिक संस्थाएं प्रभावी रूप से कार्य नहीं कर पा रही थीं। लेकिन अब जब माओवादी प्रभाव घट रहा है, तब सरकार के लिए यह अवसर है कि वह इन क्षेत्रों में सुशासन की मजबूत नींव रखे। पंचायतों को सशक्त किया जाए, स्थानीय नेतृत्व को प्रोत्साहित किया जाए और जनभागीदारी को बढ़ावा दिया जाए। यह भी आवश्यक है कि माओवादी विचारधारा के प्रभाव को केवल सुरक्षा उपायों से ही नहीं, बल्कि वैचारिक स्तर पर भी चुनौती दी जाए। शिक्षा, जागरूकता और संवाद के माध्यम से लोगों को यह समझाना होगा कि हिंसा किसी भी समस्या का समाधान नहीं हो सकती। लोकतंत्र में परिवर्तन का मार्ग शांतिपूर्ण और संवैधानिक होता है। इस दिशा में समाज, सरकार और नागरिक संगठनों को मिलकर प्रयास करना होगा। माओवादी मुक्ति के इस दौर में यह भी ध्यान रखना होगा कि जिन कारणों से यह समस्या उत्पन्न हुई थी, वे दोबारा न उभरें। सामाजिक न्याय, आर्थिक समानता और विकास की समावेशी नीति को प्राथमिकता देना आवश्यक है। आदिवासी क्षेत्रों में उनकी संस्कृति, पहचान और अधिकारों का सम्मान करते हुए विकास की योजनाएं लागू की जानी चाहिए। केवल भौतिक विकास ही नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक सशक्तिकरण भी उतना ही महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के नेतृत्व में जिस दृढ़ता और दूरदर्शिता के साथ माओवादी समस्या का समाधान किया जा रहा है, वह न केवल वर्तमान के लिए, बल्कि भविष्य के लिए भी एक मार्गदर्शक है। यह दिखाता है कि यदि राजनीतिक इच्छाशक्ति मजबूत हो, रणनीति स्पष्ट हो और कार्यान्वयन प्रभावी हो, तो कोई भी समस्या असाध्य नहीं है। निश्चिततौर पर माओवादी मुक्ति केवल एक सुरक्षा उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह भारत के लोकतंत्र, विकास और सुशासन की जीत है। यह उस विश्वास का प्रतीक है कि भारत अपने आंतरिक संघर्षों को शांतिपूर्ण और निर्णायक ढंग से सुलझाने में सक्षम है। अब समय है कि इस उपलब्धि को स्थायी बनाया जाए और देश के हर कोने में शांति, समृद्धि और संतुलन का वातावरण स्थापित किया जाए। जब हर नागरिक सुरक्षित, सम्मानित और सशक्त महसूस करेगा, तभी सच्चे अर्थों में एक आदर्श शासन व्यवस्था का निर्माण संभव हो सकेगा।

देश दुनीया से

चुनाव तक तेल की राहत—नीति या राजनीति?

देश में पेट्रोल-डीज़ल की कीमतों में हालिया राहत ने आम जनता को कुछ हद तक राहत दी है। खासकर जब पांच राज्यों में चुनाव नजदीक हैं, तब यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या यह राहत दीर्घकालिक आर्थिक रणनीति का हिस्सा है या फिर चुनावी राजनीति की एक सोची-समझी चाल। जहां दूसरे देशों में तेल की कीमतों में आग लगी हुई हैं। ऐसे में भारत जैसे देश में राहत कब तक ? यानी आप यह न समझें महंगाई काबू है। महंगाई धीरे धीरे बढ़ रही है। भारत में ईंधन की कीमतें अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल के दामों, टैक्स ढांचे और सरकारी नीतियों पर निर्भर करती हैं। जब वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव होता है, तो उसका सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था और आम आदमी की जेब पर पड़ता है। ऐसे में सरकार द्वारा टैक्स में कटौती या कंपनियों को कीमतें स्थिर रखने के निर्देश देना, तत्काल राहत तो देता है, लेकिन इसके पीछे की मंशा पर बहस होना भी स्वाभाविक है।चुनाव के समय अक्सर सरकारें जनहित में फैसले लेती हैं, लेकिन इन फैसलों का समय उन्हें राजनीतिक रंग दे देता है। तेल की कीमतों में कमी से महंगाई पर काबू पाने में मदद मिलती है, परिवहन लागत घटती है और इसका सकारात्मक असर रोजमर्रा की वस्तुओं के दामों पर भी पड़ता है। इससे मतदाताओं के बीच सरकार की छवि मजबूत होती है ।हालांकि, सवाल यह भी है कि क्या यह राहत स्थायी है? चुनाव खत्म होने के बाद क्या फिर से कीमतों में बढ़ोतरी होगी? यदि ऐसा होता है, तो यह साफ संकेत होगा कि यह कदम केवल चुनावी लाभ के लिए उठाया गया था। दूसरी ओर, यदि सरकार लंबे समय तक संतुलित कीमतें बनाए रखती है तो इसे एक ठोस आर्थिक नीति कहा जा सकता है। देश की जनता अब पहले से अधिक जागरूक है। वह केवल तात्कालिक राहत से संतुष्ट नहीं होती बल्कि स्थायी समाधान चाहती है। सरकार के लिए चुनौती यही है कि वह चुनावी लाभ से ऊपर उठकर ऐसी नीतियां बनाए, जो दीर्घकाल में आर्थिक स्थिरता और जनकल्याण दोनों सुनिश्चित करें। तेल की कीमतों में यह राहत चाहे जिस भी कारण से आई हो लेकिन यह स्पष्ट है कि जनता अब

केवल राहत नहीं, बल्कि पारदर्शिता और स्थायित्व की अपेक्षा रखती है। देश में जब-जब चुनावी मौसम आता है, तब-तब महंगाई का मुद्दा भी नई धार के साथ सामने खड़ा हो जाता है। इस समय पाँच राज्यों में चुनावी हलचल के बीच आम जनता की सबसे बड़ी चिंता—महंगाई—फिर से राजनीतिक बहस के केंद्र में है। रसोई गैस से लेकर पेट्रोल-डीजल और रोजमर्रा की वस्तुओं तक, हर चीज की कीमतों ने आम आदमी के बजट को झकझोर कर रख दिया है। चुनावों के दौरान अक्सर सरकारें राहत के कुछ कदम उठाती हैं—कभी ईंधन के दामों में अस्थायी कमी, तो कभी सब्सिडी या योजनाओं का ऐलान। लेकिन यह राहत अक्सर चुनाव तक ही सीमित रहती है। सवाल यह है कि क्या महंगाई केवल चुनावी मुद्दा बनकर रह जाएगी, या इसके स्थायी समाधान की दिशा में ठोस प्रयास होंगे?विपक्ष महंगाई को सरकार की विफलता बताकर जनता के बीच जा रहा है, तो सत्तापक्ष वैश्विक कारणों—जैसे कच्चे तेल की कीमतें, अंतरराष्ट्रीय संकट—का हवाला देकर अपनी स्थिति स्पष्ट करने की कोशिश करता है। सच यह है कि महंगाई पर दोनों ही पक्षों की राजनीति के बीच आम आदमी कहीं दब जाता है।राजनीति महंगाई का सीधा असर मध्यम वर्ग और गरीब वर्ग पर पड़ता है। बढ़ती कीमतों के कारण न केवल उनकी क्रय शक्ति घटती है, बल्कि जीवन स्तर पर भी असर पड़ता है। ग्रामीण क्षेत्रों में यह समस्या और भी गंभीर हो जाती है, जहाँ आय के साधन सीमित हैं। जरूरत इस बात की है कि सरकारें अल्पकालिक राहत के बजाय दीर्घकालिक नीतियों पर ध्यान दें। कृषि क्षेत्र को मजबूत करना, आपूर्ति श्रृंखला को सुधारना और रोजगार के अवसर बढ़ाना—ये कुछ ऐसे कदम हैं जो महंगाई पर काबू पाने में सहायक हो सकते हैं। देश में चुनावी राजनीति से ऊपर उठकर महंगाई जैसे गंभीर मुद्दे पर सर्वदलीय सहमति बनानी होगी। क्योंकि यह केवल एक आर्थिक समस्या नहीं, बल्कि देश के करोड़ों लोगों के जीवन से जुड़ा सवाल है। चुनाव आते-जाते रहेंगे, लेकिन महंगाई पर स्थायी नियंत्रण ही असली राजनीतिक सफलता का पैमाना होना चाहिए। देश में पाँच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन की प्रक्रिया नहीं, बल्कि लोकतंत्र की जीवंतता और जनता की अपेक्षाओं का प्रतिबिंब भी हैं। यह चुनाव ऐसे समय में हो रहे हैं जब महंगाई, बेरोजगारी, विकास और सुशासन जैसे मुद्दे आम नागरिक के जीवन को सीधे प्रभावित कर रहे हैं। चुनावी माहौल में सभी राजनीतिक दल अपनी-अपनी रणनीतियों के साथ मैदान में हैं। सत्ताधारी दल अपनी उपलब्धियों को गिनाकर जनता से पुनः विश्वास मांग रहा है, वहीं विपक्ष सरकार की नीतियों और कमियों को उजागर कर विकल्प प्रस्तुत करने की कोशिश कर रहा है। चुनावी भाषणों में वादों की भरमार है, लेकिन असली सवाल यह है कि इन वादों का जमीनी हकीकत से कितना संबंध है। महंगाई आज सबसे बड़ा मुद्दा बनकर उभरी है। रोजमर्रा की वस्तुओं के बढ़ते दाम ने आम आदमी की जेब पर भारी बोझ डाला है। ऐसे में मतदाता यह देख रहा है कि कौन-सी सरकार उसे राहत देने में सक्षम है। इसके साथ ही युवाओं के लिए रोजगार के अवसर, किसानों की आय और बुनियादी सुविधाओं का विकास भी निर्णायक भूमिका निभाएंगे। इन चुनावों का महत्व इसलिए भी अधिक है क्योंकि इनके परिणाम राष्ट्रीय राजनीति की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। यह चुनाव आगामी लोकसभा चुनावों के लिए एक संकेत भी होंगे कि जनता का रुझान किस ओर है। हालांकि, चुनाव केवल मुद्दों और वादों तक सीमित नहीं रहने चाहिए। लोकतंत्र की मजबूती के लिए आवश्यक है कि मतदाता जाति, धर्म और क्षेत्रीय भावनाओं से ऊपर उठकर अपने मताधिकार का प्रयोग करें। एक जागरूक और जिम्मेदार मतदाता ही देश के भविष्य को सही दिशा दे सकता है।

आप का नजरीया

जमात साधने की कोशिश

संगठन को दरिया बनाने के प्रयास और हिमाचल कांग्रेस के भीतरी आचरण में शहद घोलने की कवायद स्पष्ट करती है कि अब सत्तारूढ़ दल के मार्फत अलख जगाने की जरूरत है। पार्टी एक अध्यक्ष के नीचे 12 उपाध्यक्ष और 27 महासचिवों की वर्दी पहना रही है। यहां वरिष्ठता के ताज और युवा जोश के पैगाम स्पष्ट हैं। कागज पर लिखी यह इबारत बताती है कि माथापच्ची के दौर में डेढ़ साल गुजर चुका है। इस दौरान के खालीपन को समेटना और पार्टी के भीतर आत्मबल जागृत करना सबसे बड़ी चुनौती है, क्योंकि विपक्ष में भाजपा तो चौबीस घंटे चुनाव के रथ पर सवार रहती है। यहां विश्लेषण कांग्रेस बनाम भाजपा देखें, तो संघर्ष की तपती रेत विधानसभा तक पहुंची है। ऐसा लगता है कि भाजपा अपनी मशीनरी में हमेशा तेल डालती रहती है, जबकि कांग्रेस के सामने संतुष्ट रहने का तजुर्बा बढ़ता जा रहा है। उदाहरण के लिए हिमाचल की ओर से एंट्री टैक्स की मुखालफत अगर पंजाब के बार्डर एरिया में हो रही है, तो उसके समर्थन में भाजपा के विधायक भी उतर गए हैं। विधायक सतपाल सत्ती की ओर से इस आशय की घोषणा बताती है कि भाजपा कितने स्तर पर अपनी तैयारी जारी रखती है। भाजपा की संगठनात्मक चुनौती के सामने कांग्रेस को संगठनात्मक विस्तार में देखें, तो कुछ नए संतुलन पैदा किए जा रहे हैं। खास तौर पर युवा चेहरों की अहमियत को बढ़ावा देते हुए कांग्रेस ने विनोद जिंटा, यदोपति ठाकुर, उपेंद्र कांत, अमित भरमौरी, अमित नंदा, हरि कृष्ण हिमराल, मनमोहन कटोच, देवेन्द्र जग्गी, यशवंत व धर्मेन्द्र धामी जैसे नेजाओं पर दांव खेला है। पूर्व कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष कुलदीप सिंह राठौर के जिम्मे अनुशासन समिति का अध्यक्ष पद तथा इस कमेटी में हर्षवर्धन, भवानी सिंह पठानिया, नीरज नैय्यर, आशीष बुटेल, बावा हरदीप सिंह व अनुराधा जैसे विधायकों को जोड़ा गया है। कांग्रेस कार्यसमिति में 6 पूर्व अध्यक्षों की मौजूदगी से टीम सीएम दिखाई दे रही है। पंचायत चुनावों से ठीक पूर्व कांग्रेस ने अपने नेताओं की जमात को साधने का पूरा प्रयत्न किया है। हालांकि पार्टी ने अपनी टीम का गठन करने में अनावश्यक देरी तो की है, फिर भी अब इन निगाहों से अगली परीक्षाओं के लिए कदमताल शुरू होगा। कार्यकर्ताओं के बीच कांग्रेस की पैठ के लिए ये नेता कितने पैगंबर साबित होते हैं, देखना बाकी है। देखना यह भी होगा कि सत्ता और संगठन के बीच कितने फासले आसान होते हैं और सरकार के संदेश किस तरह आम जनता तक पहुंचते हैं। पार्टी की सक्रियता का मुकाबला सीधे भाजपा से होगा, जो अपने पूर्व निर्धारित कार्यक्रमों के तहत इंच-इंच जमीन माप कर चल रही है। कांग्रेस के प्रवक्ता अपनी बात कहने में शालीन हैं, जबकि विपक्ष के हर शब्द में तीर व लक्ष्य अति तीक्ष्ण और जिद्दी है। बेशक सचिवालय में सरकार का अपना वर्चस्व कायम है, लेकिन जनता के सामने मंच सजाने और उससे संबोधन का रास्ता फैलाने के लिए कड़ी टक्कर है। हिमाचल के आर्थिक संकट पर कांग्रेस पार्टी का आर्थिक प्रस्ताव क्या है। नई नीतियां और ठोस निर्णयों की जिस सेज पर मुख्यमंत्री अपनी सरकार के हाल बयां कर रहे हैं, क्या वहां से आगे पार्टी अपने कंधों पर यह उल्लेख कर पाएगी। क्या बात बताने, सरकार के निर्णय दिखाने और केंद्र सरकार की उदासीनता का सच दिखाने में विनय कुमार की टीम कुछ नया जोश दिखाएगी। देखना यह भी है कि सत्तारूढ़ दल अब चुनावी तैयारियों में खुद को कैसे पेश करता है। सरकार और संगठन के बीच तालमेल के नए संयोग और पार्टी की मूल अवधारणा के बीच आचरण किस तरह विश्वसनीयता और समर्थन अर्जित करता है। आखिर जहां पन्ना प्रमुख की सीमा तक सियासत की तैयारी हो, वहां कांग्रेस को फुट सोल्जर ही तो चाहिएं। क्या यह टीम ढर्रा बदलेगी और सरकार को मिशन रिपीट का साहस देगी। टीम सत्ता बनाम सत्ता के आने वाले सपने को कैसे लेती है, यह देखना होगा, लेकिन अब सरकार को अपनी खिड़कियों पर पार्टी के सारे कबूतर बुलाने पड़ेंगे। कांग्रेस अपने राष्ट्रीय संगठन से हिमाचल की कैसे पैरवी करती है और किस तरह सरकार को प्रदेश संगठन से मजबूती से जोड़ पाता है, इसका इंतजार रहेगा।

भाजपा की संगठनात्मक चुनौती के सामने कांग्रेस को संगठनात्मक विस्तार में देखें, तो कुछ नए संतुलन पैदा किए जा रहे हैं। खास तौर पर युवा चेहरों की अहमियत को बढ़ावा देते हुए कांग्रेस ने विनोद जिंटा, यदोपति ठाकुर, उपेंद्र कांत, अमित भरमौरी, अमित नंदा, हरि कृष्ण हिमराल, मनमोहन कटोच, देवेन्द्र जग्गी, यशवंत व धर्मेन्द्र धामी जैसे नेजाओं पर दांव खेला है। पूर्व कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष कुलदीप सिंह राठौर के जिम्मे अनुशासन समिति का अध्यक्ष पद तथा इस कमेटी में हर्षवर्धन, भवानी सिंह पठानिया, नीरज नैय्यर, आशीष बुटेल, बावा हरदीप सिंह व अनुराधा जैसे विधायकों को जोड़ा गया है। कांग्रेस कार्यसमिति में 6 पूर्व अध्यक्षों की मौजूदगी से टीम सीएम दिखाई दे रही है। पंचायत चुनावों से ठीक पूर्व कांग्रेस ने अपने नेताओं की जमात को साधने का पूरा प्रयत्न किया है। हालांकि पार्टी ने अपनी टीम का गठन करने में अनावश्यक देरी तो की है, फिर भी अब इन निगाहों से अगली परीक्षाओं के लिए कदमताल शुरू होगा। कार्यकर्ताओं के बीच कांग्रेस की पैठ के लिए ये नेता कितने पैगंबर साबित होते हैं, देखना बाकी है। देखना यह भी होगा कि सत्ता और संगठन के बीच कितने फासले आसान होते हैं और सरकार के संदेश किस तरह आम जनता तक पहुंचते हैं।

दृष्टि कोण

युद्ध की विभीषिका झेलता आम आदमी

पिछले दो सप्ताह से अधिक समय से अमरीका और इजराइल द्वारा ईरान पर हुए हमलों के बाद, जहां एक ओर इस युद्ध की आग 20 देशों तक फैल चुकी है, जिसकी वजह से हजारों जानें तो गई ही हैं, बड़ी मात्रा में तेल और गैस के भंडार भी नष्ट हुए हैं, भारी मात्रा में संपत्ति का भी नुकसान हुआ है, साथ ही पूरा विश्व ही समुद्री मार्गों के बाधित होने के कारण फिलहाल तो तेल और गैस की कीमतों में वृद्धि से भी जूझ रहा है। वैश्विक एजेंसियों की मानें तो युद्ध के कारण दुनिया में मुद्रास्फीति, गरीबी और खाद्य असुरक्षा भयंकर रूप से बढ़ सकती है। साथ ही आपूर्ति श्रृंखला में बाधा, जहाजरानी लागतों में वृद्धि और महत्वपूर्ण कम्पोनेंट्स की उपलब्धता में कमी के चलते वैश्विक आपूर्ति आघात, अर्थव्यवस्थाओं में अफरा-तफरी मचा सकते हैं। ऐसा माना जा रहा है कि यह युद्ध अमरीका की तेल भंडारों पर पकड़ बनाने की महत्वाकांक्षा के कारण हो रहा है, हालांकि पहले तो यह कहा गया कि ईरान आणविक हथियार बना रहा है और इसके कारण अमरीका और विश्व की शांति भंग हो सकती है, लेकिन अब अमरीकी प्रशासन के लोग भी यह कहने लगे हैं कि अमरीका ने बिना वजह इस युद्ध को छेड़ा है। वे इजरायल को युद्ध भड़काने के लिए दोषी ठहरा रहे हैं। लेकिन समझना होगा कि पहले तो वेनेजुएला के राष्ट्रपति की गिरफ्तारी कर उसे अमरीका लाया जाना, और अब ईरान पर हमला करना, विशेषज्ञ ऐसा मानते हैं कि यह सब दुनिया के तेल भंडारों पर अमरीका के काबिज होने की कोशिश का यह संकेत है। अंतरराष्ट्रीय न्यूज एजेंसी रायटर का यह कहना है कि इससे पहले इराक में सत्ता परिवर्तन के माध्यम से वहां के तेल भंडारों पर भी अमरीका का लगभग कब्जा हो चुका है। दुनिया में अपनी धौंस जमाने के लिए इस प्रकार से युद्ध थोपना अवांछनीय है। **महंगाई का खतरा :** यूं तो कोई भी जंग महंगाई को बढ़ाने का कारण बनती है, लेकिन दुनिया की अधिकांश कच्चे तेल और गैस की आवश्यकताओं को पूरा करने वाले खाड़ी के देशों के इस जंग में शामिल होने के कारण स्वाभाविक तौर पर तेल और गैस की

कीमतों में वृद्धि से महंगाई तो बढ़ती ही है, समुद्र के रास्ते सामान की आवाजाही में आने वाले अवरोधों के कारण साजोसामान की कमी के चलते भी महंगाई बढ़ती है। युद्ध जैसे-जैसे आगे बढ़ रहा है, यह समस्या भीषण रूप लेती जा रही है। महंगाई के कारण घटती क्रय शक्ति, आवश्यक वस्तुओं की कमी और सरकारों द्वारा उसे वहन करने की शक्ति कम होने पर सामाजिक अशांति का भी खतरा बढ़ सकता है। समझा जा सकता है कि युद्ध के कारण बढ़ती महंगाई आवश्यक वस्तुओं की कमी और यदि उसके कारण सामाजिक अशांति फैलती है तो उसका सीधा सीधा खामियाजा आम आदमी को ही भुगतना पड़ता है। **वित्तीय बाजारों में खलबली :** युद्ध के हालात में निवेशकों का रुझान सुरक्षित परिसंपत्तियों की ओर हो जाता है। व्यवसायों में विश्वास डगमगाता है और अनिश्चितता फैलती है। ऐसे में शेयरों और बांडों में निवेश की बजाय लोग ज्यादा सोना, चांदी खरीदने लगते हैं। स्वाभाविक तौर पर शेयर बाजार गिरने लगते हैं। भारत की बात करें तो युद्ध के समय से लेकर अभी तक मुंबई स्टॉक एक्सचेंज का सेंसेक्स 7 प्रतिशत से अधिक गिर चुका है। वैश्विक बाजारों की बात करें तो वहां भी यही स्थिति देखने को मिल रही है। शेयर बाजार में गिरावट का भी सीधा सीधा असर आम आदमी पर ही पड़ता है। एक तरफ उसके पोर्टफोलियो का मूल्य कम हो जाता है और साथ ही साथ पेंशन फंडों द्वारा शेयर बाजारों में निवेशित धन का मूल्य भी कम हो जाता है। **अर्थव्यवस्थाओं पर युद्ध का असर :** सामान्यतः भारत जैसे विकासशील देशों की अर्थव्यवस्थाओं पर युद्ध का असर नकारात्मक ही पड़ता है।

भारत-पाकिस्तान अटारी-बाघा सीमा पर रिट्रीट सेरेमनी का समय बदला

चंडीगढ़ (हिंस)। भारत-पाकिस्तान अटारी-बाघा सीमा पर रिट्रीट सेरेमनी के समय में बुधवार से बदलाव कर दिया गया। यहां रोजाना हजारों की संख्या में देश के विभिन्न हिस्सों से लोग पहुंचते हैं। इस बदलाव के बाद उम्मीद है कि लोग समय से पहुंचकर इस अद्भुत दृश्य का आनंद ले पाएंगे। बीटिंग रिट्रीट सेरेमनी भारत और पाकिस्तान के सैनिकों द्वारा की जाने वाली एक विशेष परंपरा है, जिसमें जोश, अनुशासन और देशभक्ति की झलक देखने को मिलती है। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने लोगों से अपील की है कि वे समय का विशेष ध्यान रखें और निर्धारित समय से पहले ही पहुंचकर अपनी सीट सुनिश्चित करें, ताकि किसी प्रकार की असुविधा न हो। नए नियम के अनुसार अब रिट्रीट सेरेमनी शाम 5-30 बजे से शुरू होकर 6 बजे तक चलेगी। इससे पहले रिट्रीट सेरेमनी 5 बजे शुरू होकर साढ़े 5 बजे खत्म होती थी। मौसम और दिन की घटती-बढ़ती रोशनी को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने यह फैसला लिया है।

धार्मिक शिक्षा के मसले पर हिंदुओं के संचालित शिक्षण संस्थानों को मिले अल्पसंख्यक संस्थानों की तरह अधिकार : डॉ. दिनेश शर्मा

शिक्षा का अधिकार अधिनियम हिंदू शैक्षिक संस्थाओं पर प्रशासनिक व आर्थिक बोझ

लखनऊ (हिंस)। राज्यसभा सांसद एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा ने आज राज्यसभा के शून्य काल में सदन में कहा कि धार्मिक शिक्षा के मसले पर हिंदुओं द्वारा संचालित शिक्षण संस्थानों को अल्पसंख्यक संस्थानों की तरह ही संचालित करने का अधिकार दिया जाना चाहिए। उनका कहना था कि संविधान ने सभी नागरिकों को समानता का अधिकार दिया है पर धार्मिक ग्रंथों के विषय में जहां एक ओर अल्पसंख्यक संस्थान सरकारी सहायता लेने के बाद भी अपने संस्थानों में धार्मिक शिक्षा दे सकते हैं, वहीं दूसरी ओर हिंदू शैक्षिक संस्थानों को ऐसा करने से रोका जाता है। इस अंतर को खत्म करने के लिए सभी को एक समान संस्थागत स्वायत्तता सुनिश्चित की जानी चाहिए। सांसद ने आज राज्यसभा के शून्य काल में सदन में कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में अनुच्छेद 29-30 के कारण व्यावहारिक असमानता पैदा हो गई है। अल्पसंख्यको को अनुच्छेद 30(1) के तहत अपनी पसंद के संस्थान चलाने एवं धार्मिक शिक्षा देने का अधिकार है, लेकिन हिंदू संस्थान इस मौलिक अधिकार से व्यावहारिक रूप से वंचित है। इस कड़ी में शिक्षा का अधिकार अधिनियम से जहां अल्पसंख्यक संस्थानों को छूट मिल रही है वहीं हिंदू संस्थानों पर ये नियम प्रशासनिक और आर्थिक बोझ के रूप में लागू होता है। उनका कहना था कि सरकारी हस्तक्षेप से बचने के लिए ही राम कृष्ण मिशन ने अपने स्कूलों को अल्पसंख्यक दर्जा दिलाने का असफल प्रयास किया था। आर्य समाज द्वारा संचालित डीएवी एवं कर्नाटक के लिंगायत समुदाय द्वारा संचालित संस्थानों ने भी सरकारी हस्तक्षेप से बचने के लिए ऐसा ही असफल प्रयास किया था। डॉ. शर्मा ने कहा कि धार्मिक ग्रंथों के मामले में भी गहरा असंतुलन है। अल्पसंख्यक संस्थान के तहत आने वाले सरकारी सहायता प्राप्त मदरसे कुरान की और मिशनरी संस्था बाइबिल की शिक्षा दे सकते हैं पर हिंदू संस्थानों को वेद अथवा गीता पढ़ाने पर धर्मनिरपेक्षता की चुनौती का सामना करना पड़ता है। सरकारी सहायता प्राप्त करने वाले हिंदू संस्थानों को तो ऐसा करने से रोका जाता है। यह किसी के विरोध का विषय नहीं है बल्कि यह हिंदू शैक्षिक संस्थाओं को भी समान अधिकार देने का है। डॉ. शर्मा के लखनऊ स्थित कार्यालय से जारी इस बयान में आगे कहा गया है कि सांसद डॉ. शर्मा का राज्यसभा में कहना था कि अब एक देश एक विधान के तहत संस्थागत स्वायत्तता सबके लिए हो। अनुच्छेद 29,30 में संशोधन कर अल्पसंख्यक के स्थान पर सभी नागरिकों को शामिल करते हुए धार्मिक शिक्षा पर सभी नागरिकों को समान अधिकार प्रदान किया जाए। सांसद डॉ. दिनेश शर्मा ने कहा कि उनका यह वक्तव्य अथवा मांग को हिंदू, मुस्लिम धर्म या संप्रदाय की दृष्टि से ना देखा जाए। इसमें किसी के अधिकार लेने की बात नहीं है। बल्कि हिंदू शैक्षिक संस्थाओं को भी वही अधिकार दिए जाने की मांग है। राज्यसभा में प्रश्न उठाए जाने पर 17 अन्य सांसदों ने उपरोक्त वक्तव्य के साथ अपने को एसोसिएट किया और भारी करतल ध्वनि से विचारों का स्वागत किया।

कांग्रेस के युवराज विदेशों में देश को और राजद के युवराज अन्य राज्यों में बिहार को अपमानित करते हैं : प्रेम रंजन पटेल

पटना (हिंस)। बिहार भाजपा के प्रवक्ता प्रेम रंजन पटेल ने विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव के बयान की तीखी निंदा करते हुए कहा कि वे केरल की तारीफ करते हुए बिहार को फिसड्डी राज्य बताकर बिहार ही नहीं यहां की जनता का अपमान कर रहे है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस के युवराज और राजद के युवराज में काफी समानता है। कांग्रेस के युवराज विदेशों में जाकर देश को अपमानित कर कमजोर बताते है तो राजद के युवराज अअन्य प्रदेशों मे जाकर बिहार को अपमानित करते हैं जबकि भारत और बिहार तेजी से विकास के क्षेत्र में आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि दोनों नेता हताशा में देश और प्रदेश की प्रगति को नकार रहे हैं। भाजपा के प्रवक्ता प्रेम रंजन पटेल ने तेजस्वी यादव को हकीकत से रूबरू कराते हुए कहा कि बिहार आर्थिक सर्वेक्षण 2025-2026 के अनुसार वित्तीय वर्ष 2024 -25 में बिहार का जीएसडीपी वर्तमान मूल्यों पर 13.1 प्रतिशत की दर से बढ़ा, जो राष्ट्रीय औसत से भी अधिक है। इस प्रकार बिहार का विकास दर राष्ट्रीय औसत से 3.3 प्रतिशत अधिक है। स्थिर मूल्यों पर भी बिहार की वृद्धि 8.6 प्रतिशत रही। उन्होंने कहा कि बिहार का प्रति व्यक्ति जीएसडीपी वर्तमान मूल्यों पर 2020-21 के 46, 412 रुपए से बढ़कर 2024-25 में 76,490 रुपए हो गया है। सड़क, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्र में अभूतपूर्व काम हुआ है। पूंजीगत व्यय में भारी वृद्धि के साथ बिहार अब विनिर्माण और निर्माण क्षेत्र में भी मजबूत हो रहा है। प्रधानमन्त्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कुशल नेतृत्व में बिहार विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। उन्होंने तेजस्वी यादव को चुनौती देते हुए कहा कि तेजस्वी यादव में अगर हिम्मत है तो राजद के 15 साल के शासनकाल की तुलना एनडीए के शासनकाल से कर लें तब उनको पता चल जाएगा कि बिहार किस गति से विकास के पथ पर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव को अपने बयान के लिए बिहार के लोगों से माफी मांगनी चाहिए।

राजस्थान हाईकोर्ट : ग्रुप मेडिक्लेम बीमा पॉलिसी प्रीमियम पर 18 फीसदी जीएसटी वसूलने पर सरकार को नोटिस

हाईकोर्ट ने 24 अप्रैल तक जवाब तलब किया

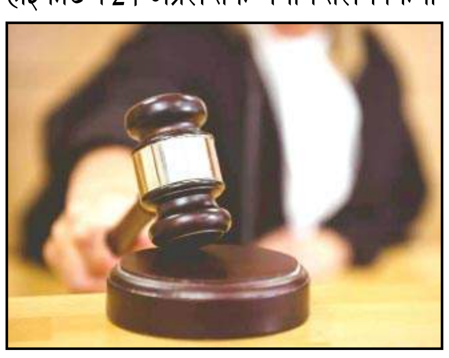

जोधपुर (हिंस)। राजस्थान उच्च न्यायालय के वरिष्ठ न्यायाधीश अरुण मोंगा और न्यायाधीश सुनील बेनीवाल की खंडपीठ ने ग्रुप मेडिक्लेम बीमा पॉलिसी प्रीमियम पर 18 फीसदी जीएसटी वसूलने को चुनौती दिए जाने पर भारत सरकार, केंद्रीय वित्त सचिव, जीएसटी काउंसिल, राज्य सरकार तथा यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी को नोटिस जारी कर 24 अप्रैल तक जवाब तलब किया है और आदेश दिया कि जमा जीएसटी रिट याचिका के निर्णयधीन रहेगी। अनिल भंडारी ने अधिवक्ता अनिल भंसाली और सुनील भंडारी के माध्यम से रिट याचिका दायर कर कहा कि जीएसटी काउंसिल ने देश के आम नागरिकों के हितार्थ स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी प्रीमियम पर जीएसटी को समाप्त करने की सिफारिश गत वर्ष तीन सितंबर को की और उसी अनुरूप केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने 17 सितंबर को जारी अधिसूचना में स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम पर जीएसटी हटाने का प्रावधान किया और अंकित किया कि बीमा प्राप्त करने वास्ते ग्रुप के अलावा अन्य प्रकार के ग्रुप पर यह राहत नहीं होगी। प्रार्थी के अधिवक्ता ने बहस करते हुए कहा कि वे अपना और परिवार का मेडिक्लेम बीमा पिछले चार दशक से स्वयं प्रीमियम भर कर करवाते आ रहे हैं और उनकी पॉलिसी सिर्फ नाम से ग्रुप मेडिक्लेम पॉलिसी है, जबकि वास्तव में यह व्यक्तिगत पारिवारिक मेडिक्लेम बीमा पॉलिसी है और यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस के जरिए ली जाने वाली बीमा का जो ग्रुप बनाया गया है,उसके आधार पर प्रार्थी जीएसटी छूट का हकदार है इसलिए एक अप्रैल से जारी होने वाली बीमा पॉलिसी प्रीमियम पर 18 फीसदी जीएसटी लगाया जाना गलत है। इस पर राजस्थान हाइकोर्ट की खंडपीठ ने भारत सरकार, केंद्रीय वित्त सचिव, जीएसटी काउंसिल, राज्य सरकार और यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी को नोटिस जारी किया है।

लोकतंत्र के हत्यारे अब लोकतंत्र बचाने की बात कर रहे : शिक्षा मंत्री

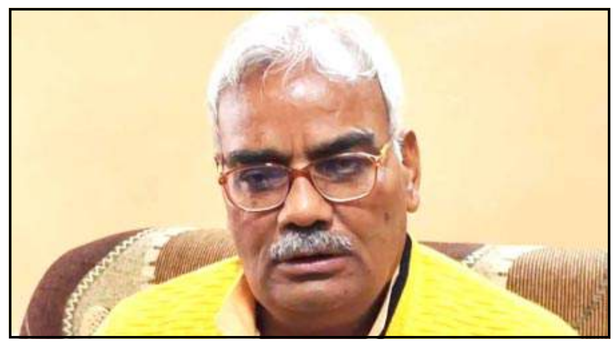

जयपुर (हिंस)। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने विपक्ष पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि जो लोग कभी लोकतंत्र के हत्यारे रहे हैं, वही आज लोकतंत्र बचाने की बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह विडंबना है कि जिन लोगों ने 1975 में आपातकाल लगाकर लोकतंत्र का गला घोंटा, आज वही लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं पर सवाल उठा रहे हैं। शिक्षा मंत्री ने कहा कि आपातकाल के दौरान बड़े-बड़े नेताओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं को जेल में डाला गया और लंबे समय तक पंचायत चुनाव भी नहीं कराए गए। ऐसे में आज लोकतंत्र की दुहाई देना पूरी तरह से अनुचित है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में भाजपा सरकार नियमों और विधिक सलाह के अनुसार समय पर चुनाव कराएगी। मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध है और पारदर्शिता के साथ चुनाव प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

राजस्थान में आज से बड़े बदलाव : गैस, टोल, शराब महंगी; स्कूल-हॉस्पिटल टाइमिंग बदली

जयपुर (हिंस)। नए वित्तीय वर्ष की शुरुआत के साथ राजस्थान में एक अप्रैल से कई अहम बदलाव लागू हो गए हैं, जिनका सीधा असर आम लोगों की जेब और दिनचर्या पर पड़ेगा। जहां एक ओर कमर्शियल गैस सिलेंडर, हाईवे टोल, शराब और पर्यटन गतिविधियां महंगी हो गई हैं, वहीं स्कूल, आंगनबाड़ी और सरकारी अस्पतालों के समय में भी बदलाव किया गया है। राज्य में 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत में करीब 195 रुपए तक की बढ़ोतरी हुई है। जयपुर में इसकी कीमत 1911 रुपए से बढ़कर 2106 रुपए हो गई है। इस बढ़ोतरी का असर होटल, ढाबों और रेस्टोरेंट के साथ-साथ शादी-ब्याह की कैटरिंग पर भी पड़ सकता है। प्रदेश के 170 से अधिक टोल प्लाजाओं पर टोल दरों में वृद्धि की गई है। निजी वाहनों पर असर सीमित है, लेकिन कमर्शियल और भारी वाहनों के लिए 5 से 30 रुपए तक टोल बढ़ाया गया है। रिंग रोड पर हल्के वाहनों की दरें यथावत रखी गई हैं। वाहन चालकों के लिए वार्षिक फास्टैग पास की कीमत 3000 रुपए से बढ़ाकर 3075 रुपए कर दी गई है। इस पास से एक वर्ष में 200 बार टोल पार करने की सुविधा मिलती है। नई आबकारी नीति के तहत प्रदेश में शराब की कीमतों में 5 से 20 प्रतिशत तक इजाफा किया गया है। इससे उपभोक्ताओं की जेब पर असर पड़ेगा, हालांकि सरकार को इससे अतिरिक्त राजस्व मिलेगा। रणथंभौर नेशनल पार्क और सरिस्का टाइगर रिजर्व में बाघों के दीदार के लिए अब ज्यादा शुल्क देना होगा। वन विभाग ने प्रवेश शुल्क, वाहन शुल्क और कैमरा फीस में 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है, जो अगले दो वर्षों तक लागू रहेगी। टाइगर रिजर्व में सफारी का समय भी बदला गया है। अब सुबह की पारी 6 बजे से 9-30 बजे तक और शाम की पारी 3 बजे से 6-30 बजे तक चलेगी। वहीं आमेर किला में हाथी सवारी का समय सुबह 7 से 10-30 बजे तक निर्धारित किया गया है। नए शिक्षण सत्र की शुरुआत के साथ प्रदेश में स्कूलों का समय ग्रीष्मकालीन कर दिया गया है। एक पारी स्कूल सुबह 7-30 से दोपहर 1 बजे तक और दो पारी स्कूल सुबह 7 से शाम 6 बजे तक संचालित होंगे। आंगनबाड़ी केंद्र अब सुबह 8 से दोपहर 2 बजे तक खुलेंगे, जिससे छोटे बच्चों को गर्मी से राहत मिल सके। प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में भी नई समय सारिणी लागू कर दी गई है। अब ओपीडी सुबह 8 से दोपहर 2 बजे तक चलेगी। राजकीय अवकाश के दिन सुबह 9 से 11 बजे तक ओपीडी रहेगी, जबकि इमरजेंसी सेवाएं 24 घंटे जारी रहेंगी।

लेफ्टिनेंट जनरल संदीप जैन ने दक्षिणी कमान का कार्यभार किया ग्रहण

जयपुर (हिंस)। लेफ्टिनेंट जनरल संदीप जैन ने बुधवार एक अप्रैल को जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, दक्षिणी कमान के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। उन्होंने लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ का स्थान लिया है, जिन्होंने आज उप सेना प्रमुख का पदभार संभाला है। डिफेंस पीआरओ लेफ्टिनेंट कर्नल निखिल धवन ने जानकारी दी कि नेशनल डिफेंस एकेडमी के पूर्व कैडेट लेफ्टिनेंट जनरल संदीप जैन ने जून 1988 में महार रेजिमेंट में कमीशन लिया। लगभग चार दशकों के विशिष्ट सैन्य करियर में उन्होंने विविध संचालनात्मक परिदृश्यों में व्यापक कमांड एवं स्टाफ नियुक्तियों का दायित्व संभाला है। जनरल अधिकारी ने अर्द्ध-विकसित क्षेत्र तथा दक्षिण सूडान में संयुक्त राष्ट्र मिशन में एक इंफैंट्री बटालियन को कमान किया है, साथ ही स्ट्राइक कोर में इंफैंट्री ब्रिगेड, काउंटर इंसर्जेंसी फोर्स तथा उत्तरी कमान में पिवट कोर की कमान भी की है। उनके संचालनात्मक अनुभव में ऑपरेशन पवन में भागीदारी, इथियोपिया में संयुक्त राष्ट्र मिशन में सैन्य पर्यवेक्षक के रूप में सेवा तथा नियंत्रण रेखा और पूर्वोत्तर क्षेत्र में उच्च ऊंचाई वाले क्षेत्रों एवं काउंटर इंसर्जेंसी अभियानों में अनेक कार्यकाल शामिल हैं। वह कर्नल ऑफ महार रेजिमेंट भी हैं। उन्होंने बताया कि दक्षिणी कमान का कार्यभार ग्रहण करने से पूर्व, उन्होंने मुख्यालय दक्षिणी कमान में चीफ ऑफ स्टाफ के रूप में कार्य किया, जहां उन्होंने क्षमता विकास, बल संरचना पुनर्गठन तथा समग्र संचालनात्मक तत्परता में महत्वपूर्ण योगदान दिया। जनरल अधिकारी ने आर्मी वार कॉलेज में हायर कमांड कोर्स तथा केन्या में नेशनल डिफेंस कोर्स किया है। उनकी विशिष्ट सेवाओं के लिए उन्हें अति विशिष्ट सेवा मेडल एवं सेना मेडल से सम्मानित किया गया है। कार्यभार ग्रहण करने के उपरांत लेफ्टिनेंट जनरल संदीप जैन ने दक्षिणी कमान युद्ध स्मारक पर वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा मुख्यालय दक्षिणी कमान में गार्ड ऑफ ऑनर प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि कमान अपने विविध उत्तरदायित्व क्षेत्रों-जिनमें रेगिस्तान, रण एवं क्रीक क्षेत्र, तटीय क्षेत्र, द्वीपीय क्षेत्र तथा भीतरी भूभाग शामिल हैं-में संचालनात्मक तत्परता पर निरंतर ध्यान केंद्रित करती रहेगी। उन्होंने जय(संयुक्तता, आत्मनिर्भरता और नवाचार) ढांचे के अंतर्गत संयुक्तता को सुदृढ़ करने, स्वदेशी क्षमता विकास तथा प्रौद्योगिकी के समावेशन पर बल दिया तथा सभी रैंकों को बदलती संचालनात्मक चुनौतियों के अनुरूप उच्च स्तर की तैयारी, व्यावसायिकता एवं युद्धक तत्परता बनाए रखने के लिए निर्देशित किया।

राजस्थान में 65 आईएएस अफसरों के तबादले, 25 जिलों में नए कलेक्टर

जयपुर (हिंस)। राजस्थान में मंगलवार देर रात बड़ा प्रशासनिक फेरबदल हुआ। भजनलाल सरकार ने 65 आईएएस अधिकारियों के तबादले किए हैं। इस बदलाव में 25 जिलों के कलक्टर भी बदले गए हैं। इसके अलावा मुख्यमंत्री के सचिव और विशिष्ट सचिव भी बदले गए हैं। कार्मिक विभाग ने देर रात तबादलों की सूची जारी की। सूची के मुताबिक जयपुर कलक्टर रहे जितेंद्र कुमार सोनी को मुख्यमंत्री का सचिव नियुक्त किया गया है। साथ ही उन्हें सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के सचिव की अतिरिक्त जिम्मेदारी भी सौंपी गई है। वहीं, मुख्यमंत्री के विशिष्ट सचिव संदेश नायक को अब जयपुर का नया कलक्टर बनाया गया है। उत्सव कौशल और अमित शर्मा मुख्यमंत्री के संयुक्त सचिव नियुक्त किए गए हैं। टीना डाबी का बाड़मेर से टोंक कलक्टर के पद पर तबादला किया गया है। सीकर में अब नए कलक्टर आशीष मोदी होंगे। सीकर से मुकुल शर्मा का ट्रांसफर सीएम के विशिष्ट सचिव पद पर कर दिया गया है। करीब डेढ़ साल बाद सीकर को नया कलेक्टर मिला है। सूची में डॉ. जोगाराम को सचिव आयुक्त पंचायती राज विभाग व निदेशक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, राजन विशाल को निदेशक जल जीवन मिशन जयपुर, जितेंद्र कुमार सोनी को सचिव मुख्यमंत्री व सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, ओमप्रकाश कसेरा को आयुक्त नगर निगम जयपुर, नमित मेहता को आयुक्त आबकारी विभाग उदयपुर, नम्रता वर्षणी को विशिष्ट सचिव खान व पेट्रोलियम विभाग, अरविंद पोसवाल को आयुक्त राजस्थान आवासन मंडल, डॉ. रश्मि शर्मा को निदेशक समग्र शिक्षा अभियान व विशिष्ट सचिव सांख्यिकी विभाग, लक्ष्मी नारायण मंत्री को आयुक्त उदयपुर व देवस्थान विभाग, कल्पना अग्रवाल को विशिष्ट सचिव जलग्रहण विकास व भू-संरक्षण विभाग, सुरेश ओला को प्रबंध निदेशक रीको व आयुक्त दिल्ली-मुंबई इंडस्ट्रियल कॉरिडोर, प्रियंका गोस्वामी को आजीविका परियोजनाएं व स्वयं सहायता समूह जयपुर, अल्पा चौधरी को भू-प्रबंधन आयुक्त व पदेन निदेशक बंदोबस्त, बाबूलाल गोयल को आयुक्त चिकित्सा शिक्षा विभाग जयपुर के पद पर तैनात किया गया है। वहीं, नीलाभ सक्सेना को आयुक्त उद्योग व वाणिज्य सीएसआर, ललित कुमार को निदेशक सामाजिक न्याय व अधिकारिता विभाग, महेंद्र खड़गावत को संयुक्त सचिव श्रम व कारखाना (बॉयलर निरीक्षण) विभाग, रजत यादव को ओएसडी मुख्यमंत्री जयपुर, अक्षत सिंह को ओएसडी मुख्यमंत्री और गरिमा नरूला को ओएसडी मुख्यमंत्री कार्यालय जयपुर की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सूची में कई जिलों के कलक्टर भी बदले आदि गए हैं।

चार अप्रैल को सीएम नायब सैनी की धन्यवाद रैली खोलेगी विकास के द्वार : विधायक रामकुमार

जींद (हिंस)। सफीदों विधायक रामकुमार गौतम ने कहा है कि चार अप्रैल को सीएम नायब सैनी की धन्यवाद रैली क्षेत्र के विकास की दृष्टि से ऐतिहासिक साबित होगी। क्योंकि इसमें करोड़ों रुपए की विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया जाएगा। साथ ही कई नई योजनाओं की घोषणाएं भी की जाएंगी। जिनसे क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी और जनता को सीधा लाभ पहुंचेगा। विधानसभा क्षेत्र सफीदों के विधायक रामकुमार गौतम ने बुधवार को पिल्लूखेड़ा अनाज मंडी में जनसंपर्क अभियान चलाते हुए आमजन की समस्याएं सुनीं और मौके पर ही कई समस्याओं का समाधान किया। इस दौरान क्षेत्र के लोगों ने अपनी विभिन्न मांगों और समस्याओं से संबंधित मांग पत्र विधायक को सौंपे। जिन्हें उन्होंने गंभीरता से स्वीकार करते हुए आश्वासन दिया कि सभी मांगों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाएगा।

गैस आपूर्ति व आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता पर सचिव ने की समीक्षा, प्रशासन को दिए आवश्यक निर्देश

किशनगंज (हिंस)। समाहरणालय स्थित महानंदा सभागार में बुधवार को नागरिक उड्डयन-सह-पर्यटन विभाग के सचिव निलेश रामचन्द्र देवरे की अध्यक्षता में गैस आपूर्ति एवं आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता को लेकर जिलास्तरीय समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में एलपीजी गैस की आपूर्ति, वितरण व्यवस्था तथा आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक के दौरान आईओसीएल, बीपीसीएल एवं एचपीसीएल की गैस आपूर्ति व्यवस्था की समीक्षा की गई। जिला नोडल पदाधिकारी ने बताया कि जिले में कुल 33 गैस एजेंसियां कार्यरत हैं, जिनमें आईओसीएल की एजेंसियों की संख्या सर्वाधिक है। बांका एवं पूर्णिया से आने वाली गैस आपूर्ति तथा सड़क परिवहन व्यवस्था पर भी चर्चा की गई। कंट्रोल रूम में प्राप्त शिकायतों के संधारण की व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने का निर्देश दिया गया। वाणिज्यिक गैस सिलेंडरों की उपलब्धता को लेकर सचिव ने जिला आपूर्ति पदाधिकारी को निर्देश दिया कि हॉस्टल, अस्पताल और सरकारी विद्यालयों में गैस की कमी से किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न नहीं होनी चाहिए। जिलाधिकारी विशाल राज ने बताया कि आवश्यक वस्तुओं की कालाबाजारी रोकने के लिए 31 मार्च को जिले के 46 प्रतिष्ठानों पर छापेमारी की गई। इसके अलावा कृषि विभाग की समीक्षा के दौरान यूरिया, डीएपी समेत खाद्य उर्वरकों की उपलब्धता एवं वितरण की स्थिति पर चर्चा की गई। जिला कृषि पदाधिकारी ने बताया कि जिले में लगभग 7000 हेक्टेयर में चाय तथा 3000 हेक्टेयर में पाइनएप्पल की खेती की जाती है। इसके अलावा एक लाख हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में कृषि कार्य होता है तथा जिले में तीन कोल्ड स्टोरेज संचालित हैं। बैठक में ठाकुरगंज ग्रिड की स्थिति पर भी चर्चा हुई। डीएम ने बताया कि जिले में खाद्यान्न, आटा, उर्वरक एवं गैस सहित आवश्यक वस्तुओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। सचिव ने अन्य राज्यों में गैस आधारित उद्योग प्रभावित होने के कारण प्रवासी श्रमिकों के संभावित आगमन को लेकर प्रशासन को सतर्क रहने का निर्देश दिया। साथ ही जीविका समूहों की *दीदी की रसोई* में शत-प्रतिशत गैस उपलब्धता की जानकारी दी गई। बैठक में किशनगंज जिले के ठाकुरगंज, बहादुरगंज एवं पोआखली नगर पंचायत को शहरी क्षेत्र के रूप में शामिल करने का मुद्दा भी उठाया गया। सचिव ने कमर्शियल गैस सिलेंडर की समस्या के समाधान हेतु एरिया मैनेजर से समन्वय स्थापित करने का निर्देश दिया। बैठक के उपरांत सचिव ने समाहरणालय परिसर स्थित आपदा प्रबंधन कार्यालय में संचालित कंट्रोल रूम का निरीक्षण भी किया।

हनुमान जन्मोत्सव : आज गूंजेगी हनुमान चालीसा की चौपाइयां

जोधपुर (हिंस)। चैत्र शुक्ल पूर्णिमा पर गुरुवार को हनुमान जन्मोत्सव धूमधाम से श्रद्धापूर्वक मनाया जाएगा। इस दौरान शहर के सभी हनुमान मंदिरों में विशेष धार्मिक आयोजन होंगे। हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर पाल बालाजी मंदिर में सुंदरकांड सहित विभिन्न धार्मिक आयोजन होंगे। मंदिर के पुजारी ने बताया कि हनुमान जन्मोत्सव पर सुबह ध्वजारोहण किया जाएगा। इसके बाद हनुमानजी का पंचामृत से स्नान व विशेष श्रृंगार किया जाएगा। सुबह 11 बजे सुंदरकांड व सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ होगा। इसके साथ ही हनुमानजी को 51 सवामणी का भोग लगाया जाएगा व फिर सभी भक्तों को प्रसाद वितरण किया जाएगा। इस दौरान मंदिर को रंग-बिरंगे फूलों से सजाया जाएगा और आकर्षक रोशनी की जाएगी। वहीं ज्वाला विहार स्थित बालाजी मंदिर में सुबह शिखर पर ध्वजा चढ़ाई चढ़ाई जाएगी। माल्यार्पण के बाद भोग अर्पित किया जाएगा। शाम को बालाजी के नाम एक शाम का आयोजन और सुंदरकांड पाठ किया जाएगा। माया देवी के सान्निध्य में आरती होगी। इस अवसर पर उल्लेखनीय सेवाएं देने वाले सेवादारों का सम्मान किया जाएगा। रातानाडा शिव मंदिर रोड श्रीराम चौराहा स्थित श्री इच्छापूर्ण बालाजी मंदिर को आकर्षक फूलमंडली व विशेष रोशनी से सजाया जाएगा और बालाजी की प्रतिमा का अलौकिक श्रृंगार किया जाएगा। शाम पांच बजे सुंदरकांड पाठ का आयोजन होगा व 21 किलो लड्डू का भोग लगाकर संध्या आरती के पश्चात प्रसाद वितरण किया जाएगा। रातानाडा पुरानी लोको स्थित श्री हनुमान मंदिर में श्री हनुमान मंदिर प्रबंधन समिति की ओर से मंदिर सेवक पंडित ओमप्रकाश श्रीमाली महाराज के सान्निध्य में हनुमान जन्मोत्सव मनाया जाएगा। मंदिर को आकर्षक फूलमंडली व विशेष रोशनी से सजाया जाएगा और श्री हनुमान व देव प्रतिमाओं का मनोरम श्रृंगार किया जाएगा। पंचमुखी बालाजी मंदिर सिटी पुलिस क्षेत्र में श्रद्धालुओं के लिए विशेष रूप से अखंड रामायण पाठ एवं संकीर्तन मंडल द्वारा भक्ति रस से भरपूर आयोजन रखा गया है। कार्यक्रम की शुरुआत आरती के साथ होगी। सुबह आइ बजे अखंड पाठ प्रारंभ किया जाएगा, जिसका समापन तीन अप्रैल को सुबह नौ बजे पूर्ण आरती के साथ होगा। शास्त्री नगर सेक्टर ए स्थित शनिधाम में श्री हनुमान जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। इस दिन चमत्कारी दक्षिण मुखी वीर हनुमान का महाभिषेक, बागा, चोला, पोशाक धारण करवाई

जाएगी। शाम 5 बजे सामूहिक सुन्दरकांड पाठ होगा। पृथ्वीराज नगर विकास समिति द्वारा संचालित श्री संकट मोचन बालाजी मंदिर में हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर शाम को संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया जाएगा। सिवांची गेट सोहमगढ़ स्थित सतगुरु देव भगवान सोहम आश्रम में हनुमान जन्मोत्सव पर सुबह ध्वजारोहण, सोहम बाबा और रामभक्त हनुमान की तस्वीर पर माल्यार्पण और विधिवत पूजा अर्चना के बाद प्रसादी एवं सोहम भजन मंडली द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी। जागरूक युवा फोर्स समिति की ओर से श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर हनुमान चौक जालप मोहल्ला में हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर सायंकाल महाआरती के पश्चात महाप्रसादी का आयोजन किया जाएगा। चांदपोल गोवर्धन तालाब स्थित श्री हनुमानगढ़ मंदिर में सुबह श्रृंगार, फूलमंडली तथा शाम को आरती के बाद महाप्रसादी का आयोजन किया जाएगा। इसी प्रकार चांदपोल के बाहर स्थित संकट हरण बालाजी मंदिर में निशुल्क पाठ के 26 वर्ष पूर्ण होने पर गुरुवार को सायं 5 बजे से सुन्दरकांड पाठ के बाद महाप्रसादी का आयोजन किया जाएगा। रसाला रोड शेखावतजी का तालाब स्थित श्री बालाजी मंदिर में मारुति नंदन को चूरमे के लड्डू और रोट का विशेष भोग अर्पित किया जाएगा। साथ ही हर वर्ष की भांति इस बार भी सुंदरकांड पाठ का आयोजन होगा। घोड़ों का चौक सोजतियां घाचियों का बास स्थित श्री सिद्ध मनोकामना पूर्ण बालाजी मंदिर मेंदोपहर दो बजे से विजय भारती महाराज के सान्निध्य में संगीतमय रामचरित मानस एवं सुंदरकांड पाठ किया जाएगा। रात्रि आठ बजे बालाजी आरती के पश्चात भक्तों में प्रसाद का वितरण किया जाएगा।

जेट फ्यूल की कीमत में दोगुनी से ज्यादा की बढ़ोतरी, और महंगा हो सकता है हवाई सफर

नई दिल्ली

सरकारी आयल मार्केटिंग कंपनियों (ओएमसी) ने नए वित्त वर्ष 2026-27 के पहले दिन ही एटीएफ यानी एविएशन टर्बाइन फ्यूल या जेट फ्यूल के दाम में जबरदस्त बढ़ोतरी कर दी है। इस बढ़ोतरी के बाद पहली बार जेट फ्यूल की कीमत दो लाख रुपये प्रति किलो लीटर के स्तर को पार कर गई है। पश्चिम एशिया में जारी संकट के कारण देश में पहली बार जेट फ्यूल की कीमत में दोगुनी से भी अधिक बढ़ोतरी की गई है।

उल्लेखनीय है कि ये लगातार दूसरा महीना है, जब सरकारी आयल मार्केटिंग कंपनियों ने जेट फ्यूल की कीमत मे इजाफा किया है। इसकी कीमत में दोगुनी से भी ज्यादा बढ़ोतरी होने के कारण तमाम एयरलाइंस समेत सिविल एविएशन सेक्टर में काम करने वाली सभी कंपनियों के आपरेटिंग कास्ट में जबरदस्त बढ़ोतरी होना तय हो गया है। ऐसी स्थिति में अब हवाई सफर के और महंगा हो जाने की आशंका भी बन गई है।

इस संबंध में उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार दिल्ली में जेट फ्यूल की कीमत 1,10,703.08 रुपये प्रति किलो लीटर यानी 114.5 प्रतिशत बढ़ा दी गई है। इस बढ़ोतरी के बाद इसकी कीमत 2,07,341.22 रुपये प्रति किलो लीटर हो गई है। पहले पिछले महीने एक मार्च को एटीएफ की कीमत में 5,244.75 रुपये प्रति किलो लीटर यानी 5.70 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई थी। आयल मार्केटिंग कंपनियों द्वारा की गई बढ़ोतरी के बाद पहली बार जेटफ्यूल (एटीएफ) की कीमत दो लाख रुपये प्रति किलो लीटर के आंकड़े को पार कर गई है। इससे पहले 2022 में एटीएफ की कीमत अपने आल टाइम हाई पर पहुंची थी। उस समय जब रूस द्वारा यूक्रेन पर हमला करने के बाद तेल की कीमतों में भारी उछाल आया था, जिसकी वजह से जेट फ्यूल की कीमत उछल कर 1.10 लाख रुपये प्रति किलोलीटर हो गई थी। हालांकि बाद में इसका कीमत में गिरावट आ गई थी, जिससे जेट फ्यूल एक लाख रुपये के स्तर से नीचे आ गया था।

मौजूदा समय में अमेरिका और इजराइल तथा ईरान के बीच जारी जंग की वजह से पूरी दुनिया के सामने ऊर्जा के संकट की स्थिति बन गई है। इस जंग के कारण कच्चे तेल की आवाजाही में इस्तेमाल होने वाला महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग होर्मुज स्ट्रेट लगभग बंद जैसी स्थिति में आ गया है। इसकी वजह से दुनिया के कई देशों को इस रास्ते से होने वाली गैस और कच्चे तेल लगभग ठप हो गई है। इसके साथ ही इस जंग और हार्मुज स्ट्रेट के ठप होने के कारण कच्चे तेल के दाम भी आसमान पर पहुंच गए हैं।

न्यूज ब्रीफ

कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 195.50 रुपये की बढ़ोतरी, नई दरें लागू

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी संकट के कारण दुनियाभर में क्रूड आयल की कीमतों में उछाल के बीच सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दाम में बुधवार को 195.50 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। हालांकि, घरेलू रसोई गैस की कीमत में कोई बदलाव नही किया गया है। नई दरें बुधवार से लागू हो गई है। इंडियन आयल के वेबसाइट के मुताबिक, कमर्शियल एलपीजी के दाम में 195.50 रुपये की बढ़ोतरी के बाद राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 19 किलोग्राम के वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की कीमत 2,078.50 रुपये हो गई है। इससे पहले 1 मार्च को 19 किलोग्राम के वाणिज्यिक सिलेंडर की कीमत में 114.5 रुपये की बढ़ोतरी की गई थी। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार घरेलू रसोई गैस यानी एलपीजी की दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। दिल्ली में 14.2 किलोग्राम के घरेलू सिलेंडर की कीमत अभी 913 रुपये है। इससे पहले, सात मार्च को 14.2 किलोग्राम के घरलू एलपीजी के सिलेंडर की कीमत 60 रुपये बढ़ाई गई थी। उल्लेखनीय है कि सरकारी स्वामित्व वाली इंडियन आयल कार्पोरेशन, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम अंतरराष्ट्रीय मानकों और विनिमय दर के आधार पर हर महीने की पहली तारीख को एटीएफ और एलपीजी की कीमतों की समीक्षा करती हैं। पिछले साल मार्च में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 2 रुपये प्रति लीटर की कमी के बाद से इसकी कीमतें स्थिर बनी हुई हैं। दिल्ली में फिलहाल पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 87.62 रुपये प्रति लीटर है।

एसयूवी स्कोडा कियाक की सीमित यूनिट्स को किया रिकाल

नई दिल्ली। कार निर्माता कंपनी स्कोडा आटो ने अपनी प्रीमियम एसयूवी स्कोडा कियाक की सीमित यूनिट्स को रिकाल किया है। इस एसयूवी की फ्रंट सीट्स के इनर फ्रेम के किनारों में गड़बड़ी है। कंपनी के अनुसार, 10 मार्च से 8 दिसंबर 2025 के बीच मैन्युफैक्चर हुई कुल 221 गाड़ियों में तकनीकी खामी पाई गई है, जिसके चलते यह फैसला लिया गया है। यह खामी खासतौर पर साइड एयरबैग की कार्यक्षमता को प्रभावित कर सकती है। दुर्घटना की स्थिति में एयरबैग पूरी क्षमता से काम नहीं कर पाएंगे, जिससे यात्रियों की सुरक्षा पर असर पड़ सकता है और चोट लगने का खतरा बढ़ जाता है। गौरतलब है कि सेकेंड जेनरेशन कोडियाक को भारत में पिछले साल अप्रैल में लान्च किया गया था और यह कंपनी की सबसे प्रीमियम पेशकशों में से एक है। इसमें 2.0 लीटर, 4-सिलेंडर टीएसआई टर्बो-पेट्रोल इंजन दिया गया है, जो 7-स्पीड डीएसजी आटोमैटिक ट्रांसमिशन और आल-व्हील ड्राइव सिस्टम के साथ आता है। यह एसयूवी 201 बीएचपी की पावर और 320 एनएम का टार्क जनरेट करती है। शुरुआत में इसे थ्री-रो सीटिंग लेआउट के साथ पेश किया गया था और यह स्पोर्टलाइन व सिलेक्शन एल एंड केजैसे वेरिएंट्स में उपलब्ध रही।

इंडिगोः एयरलाइन के सह-संस्थापक राहुल भाटिया बोले- मैं कुछ ही दिनों का मेहमान;

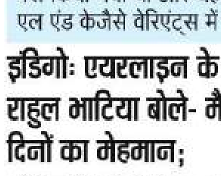

नई दिल्ली। इंडिगो के सह-संस्थापक और प्रबंध निदेशक राहुल भाटिया ने मंगलवार को खुद को कुछ ही दिनों का मेहमान बताया। भाटिया फिलहाल एयरलाइन के कामकाज को संभाल रहे हैं। कंपनी नए मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के रूप में विलियम वाल्श का स्वागत करने जा रही है। 10 मार्च को तत्कालीन सीईओ पीटर एल्बर्स के अचानक पद से इस्तीफा दिया था। इसके तीन हफ्ते से भी कम समय बाद इंडिगो ने मंगलवार को घोषणा की कि विमानन क्षेत्र के अनुभवी वाल्श उनकी जगह लेंगे और इस साल 3 अगस्त तक या उससे पहले कार्यभार संभाल सकते हैं। कर्मचारियों को भेजे संदेश में राहुल भाटिया ने क्या कहा कर्मचारियों को भेजे गए एक आंतरिक संदेश में भाटिया ने कहा कि उनके अनुसार इंडिगो खुद को भाग्यशाली मानती है कि वाल्श जैसे अनुभवी व्यक्ति उसका नेतृत्व करेंगे। इतना ही नहीं, मुझे इस बात पर भी गर्व है कि निदेशक बोर्ड के निमंत्रण को स्वीकार करके उन्होंने यह भरोसा जताया है कि आप सभी ने वर्षों में जो मेहनत से बनाया है, उस पर उनका भरोसा है।

पश्चिम एशिया तनाव के कम होने के संकेतों के बीच सोने-चांदी में तेजी की उम्मीद

नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में तनाव कम होने की उम्मीदों के बीच वैश्विक संकेतों के आधार पर सोने की कीमतों में उछाल आया है। स्पाट गोल्ड करीब 2.39 प्रतिशत बढ़कर 4,619.14 डालर प्रति औंस तक पहुंच गया, जबकि जून डिलीवरी के लिए अमेरिकी गोल्ड फ्यूचर्स 2 प्रतिशत बढ़कर 4,649.26 डालर पर ट्रेड कर रहे थे। इसी तरह चांदी की कीमतों में भी तेज बढ़त दर्ज की गई। स्पाट सिल्वर 4.82 प्रतिशत बढ़कर 73.48 डालर प्रति औंस पर पहुंच गया, जबकि कामेक्स सिल्वर 4.44 प्रतिशत बढ़कर 73.705 डालर पर ट्रेड कर रहा था।

घरेलू बाजार में मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज आफ इंडिया (एमसीएक्स) पर सोने का जून वायदा 0.15 प्रतिशत गिरकर 1,47,450 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था, जबकि चांदी का मई वायदा मामूली बढ़त के साथ 2,29,033 रुपए प्रति किलो पर बंद हुआ। हालांकि, सोना इस महीने 17 साल की सबसे बड़ी गिरावट की ओर बढ़ रहा है। ऊर्जा कीमतों में तेजी के कारण अमेरिकी ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद कमजोर हुई है, जिससे सोने पर दबाव बना हुआ है। बाजार का माहौल उस समय बेहतर हुआ जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बारे में खबर आई कि वे ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई खत्म करने के संकेत दे रहे हैं। इससे वैश्विक बाजारों में जोखिम लेने की भावना बढ़ सकती है। रिपोर्ट्स में बताया गया हैं कि भले ही होर्मुज जलडमरूमध्य पूरी तरह से नहीं खुला हो, फिर भी अमेरिका फिलहाल सैन्य कार्रवाई रोक सकता है और इस महत्वपूर्ण तेल मार्ग को बाद में खोलने की कोशिश की जा सकती है। हालिया तेजी के बावजूद, इस महीने अब तक सोने की कीमतों में 13 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट आ चुकी है, जो अक्टूबर 2008 के बाद सबसे बड़ी मासिक गिरावट हो सकती है।

अब देश में बिकेंगे सिर्फ मेड इन इंडिया सीसीटीवी, सरकार का बड़ा फैसला; चीन की कंपनियों को फिर लगा झटका

नई दिल्ली । देश में सुरक्षा उपकरणों को लेकर बड़ा बदलाव होने जा रहा है। सरकार ने फैसला किया है कि अब भारत में सिर्फ मेड इन इंडिया सीसीटीवी कैमरे ही बेचे जाएंगे। एक अप्रैल से बिना प्रमाणित विदेशी सीसीटीवी उत्पादों की बिक्री पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है। इस फैसले को देश की सुरक्षा और आत्मनिर्भरता की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। सरकार ने पहले ही स्पष्ट कर दिया था कि जिन सीसीटीवी कैमरों के पास एसटीक्यूसी प्रमाणन नहीं होगा, उन्हें बाजार में बेचने की अनुमति नहीं दी जाएगी। आयातित उत्पादों के पुराने स्टाक को खत्म करने के लिए 31 मार्च 2026 तक का समय दिया गया था। अब इस अवधि के खत्म होते ही नया नियम लागू हो गया है। क्या है एसटीक्यूसी और यह क्यों जरूरी है एसटीक्यूसी यानी स्टैंडर्डाइजेशन टेस्टिंग एंड क्वालिटी सर्टिफिकेशन एक सरकारी मानक है, जो किसी भी इलेक्ट्रानिक उत्पाद की गुणवत्ता और सुरक्षा को जांचता है। सरकार का कहना है कि इससे यह सुनिश्चित होगा कि बाजार में बिकने वाले सीसीटीवी सुरक्षित और भरोसेमंद हों। क्या विदेशी कंपनियों पर पड़ेगा असर इस फैसले का सबसे ज्यादा असर चीन की कंपनियों पर पड़ा है। रिपोर्ट के मुताबिक हिकविजन और टीपी-लिंक जैसी कंपनियों को एसटीक्यूसी प्रमाणन नहीं मिला है। ऐसे में उनके उत्पाद अब भारतीय बाजार में नहीं बिक सकेंगे। इससे विदेशी कंपनियों की पकड़ कमजोर होने की संभावना है। क्या कीमतों में बढ़ोतरी होगी ट्रेडर्स का कहना है कि इस फैसले के बाद सीसीटीवी कैमरों की कीमत में 15 से 20 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हुई है। इसका कारण यह है कि अब घरेलू कंपनियों को खुद तकनीक विकसित करनी होगी। खासकर चिप और मदरबोर्ड जैसे हिस्सों पर ज्यादा काम करना पड़ेगा, जिससे लागत बढ़ सकती है। क्या भारतीय कंपनियों को मिलेगा फायदा घरेलू कंपनियों के लिए यह बड़ा अवसर माना जा रहा है।

वुलिंग मिनी ईवी का 2026 माडल लान्च, स्मार्ट फीचर्स से है लैस

नई दिल्ली

वुलिंग मिनी ईवी का 2026 माडल चीन में लान्च हो गया है। यह काम्पैक्ट इलेक्ट्रिक कार दुनिया की सबसे ज्यादा बिकने वाली एंट्री-लेवल ईवीज में से एक रही है। इस कार की कीमत करीब 6.15 लाख रुपये से शुरू होकर 7.5 लाख रुपये तक जाती है। इसका कनेक्शन भारत में उपलब्ध एमजी कामेट ईवी से भी जोड़ा जाता है। ऐसे में उम्मीद है कि इसके कुछ फीचर्स भारतीय बाजार में भी देखने को मिल सकते हैं।

नई वुलिंग मिनी ईवी को पहले से ज्यादा माडर्न और प्रैक्टिकल बनाया गया है। इसका डिजाइन काम्पैक्ट होने के बावजूद आकर्षक है, जिसमें गोल एलईडी हेडलैंप, क्लोज्ड ग्रिल और बाक्सी स्टाइल दिया गया है, जो इसे शहर के इस्तेमाल के लिए उपयुक्त बनाता है। इंटीरियर में इस बार बड़ा अपग्रेड देखने को मिला है। इसमें 10.1 इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम दिया गया है, जो एप्पल कारप्ले और हुआवे हायकार को सपोर्ट करता है। इसके अलावा पेट मोड, कैंपिंग मोड और रैन मोड जैसे फीचर्स इसे और ज्यादा यूजर-फ्रेंडली बनाते हैं। परफार्मेंस की बात करें तो इसमें 30किलोवाट की इलेक्ट्रिक मोटर दी गई है, जो शहर में रोजाना इस्तेमाल के लिए पर्याप्त है।

कार दो बैटरी आप्शन के साथ आती है एक 205 किमी और दूसरा 301 किमी की रेंज देता है। फास्ट चार्जिंग सपोर्ट के साथ यह कार मात्र 35 मिनट में 30 प्रतिशत से 80 प्रतिशत तक चार्ज हो सकती है। छोटे आकार के बावजूद इसमें चार लोग आराम से बैठ सकते हैं और पीछे की सीट फोल्ड करने पर अच्छा बूट स्पेस भी मिल जाता है। सुरक्षा के लिए इसमें एयरबैग, ईएससी और मजबूत बाडी स्ट्रक्चर दिया गया है।

अप्रैल महिने में लांच होगी 5 बड़ी कारें

नई दिल्ली। कई बड़ी कार निर्माता कंपनियां अप्रैल महीने अपने नए माडल्स लान्च करने की तैयारी में हैं। सबसे पहले फाक्सवैगन अपनी मिड-साइज एसयूवी फाक्सवैगन टाइगुन का फेसलिफ्ट वर्जन 9 अप्रैल को पेश करेगी। इसमें नया आक्रामक डिजाइन, कनेक्टेड हेडलैंप्स, 10.25-इंच डिजिटल क्लस्टर और बेहतर आटोमैटिक ट्रांसमिशन जैसे फीचर्स मिलेंगे। वहीं एमजी मोटर अपनी नई एसयूवी मेजेस्टर को लान्च करने जा रही है, जो टोयोटा फार्च्यूनर को कड़ी टक्कर दे सकती है। यह एमजी ग्लोस्टेर का अपडेटेड वर्जन होगा, जिसमें 12.3-इंच डिजिटल क्लस्टर, मसाज सीट्स और एडवांस अडास फीचर्स दिए जाएंगे। इलेक्ट्रिक सेगमेंट में टोयोटा अपनी नई टोयोटा अर्बन क्रूजर ईवी (एबेला) लान्च करेगी। यह कार 440 किमी से 543 किमी तक की रेंज के साथ आएगी और प्रीमियम डिजाइन के साथ पेश की जाएगी। निसान भी टेक्टान नाम से नई मिड-साइज एसयूवी लाने की तैयारी में है, जो रेना डस्टर के प्लेटफार्म पर आधारित होगी। इसमें 1.0 और 1.3 लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन मिलेंगे और भविष्य में इसका हाइब्रिड वर्जन भी आ सकता है। लग्जरी सेगमेंट में मर्सडिज बेंझ अपनी नई मर्सडिज ए-क्लास बेंझ ईवी लान्च करेगी।

जल्द लांच होगा वीवो एक्स300 एस, मिलेगा 200एमपी कैमरा

नई दिल्ली

वीवो कंपनी जल्द ही वीवो एक्स300एस को लान्च करने की तैयारी में है। इस स्मार्टफोन के साथ वीवो एक्स300 अल्ट्रा और वीवो पेड 6 प्रो को भी पेश किया जा सकता है। रिपोर्ट्स के अनुसार, वीवो एक्स300एस में लेटेस्ट मीडियाटेक डायमेंसिटी 9500 चिपसेट दिया जाएगा, जो हाई-परफार्मेंस के लिए जाना जाता है।

इसके साथ कंपनी की वी3प्लस इमेजिंग चिप भी मिलेगी, जिससे कैमरा क्वालिटी और बेहतर हो सकेगी। फोन में 6.78 इंच का फ्लैट डिस्प्ले मिलने की उम्मीद है, जिसे झेसिस कलर कैलिब्रेशन के साथ ट्यून किया गया है। साथ ही इसमें 144एचझेड रिफ्रेश रेट दिया जाएगा, जो गेमिंग और वीडियो एक्सपीरियंस को स्मूद बनाएगा। इस डिवाइस की सबसे बड़ी खासियत इसकी 7,100एमएएच की बड़ी बैटरी हो सकती है, जो लंबे समय तक इस्तेमाल के लिए उपयुक्त है। इसके अलावा, फोन में एडवांस वीसी लिक्विड कूलिंग सिस्टम दिया जाएगा, जिससे लंबे समय तक उपयोग के दौरान भी डिवाइस की परफार्मेंस स्थिर बनी रहेगी। बेहतर नेटवर्क के लिए इसमें नया सिग्नल एम्प्लीफिकेशन सिस्टम भी जोड़ा जा सकता है।

चार्जिंग के मामले में यह फोन 90वाट वायर्ड और 40वाट वायरलेस चार्जिंग को सपोर्ट कर सकता है। साथ ही इसमें अल्ट्रासोनिक इन-डिस्प्ले फिंगरप्रिंट सेंसर, यूएसबी टाइप-सी 3.2 पोर्ट और आईपी 68/आईपी69 रेटिंग जैसी सुविधाएं भी मिलने की उम्मीद है। फोटोग्राफी के लिहाज से भी यह स्मार्टफोन काफी दमदार होगा। इसमें 50 मेगापिक्सल का फ्रंट कैमरा दिया जा सकता है। वहीं, रियर साइड पर ट्रिपल कैमरा सेटअप मिलेगा, जिसमें 200 मेगापिक्सल का मेन सेंसर, 50 मेगापिक्सल का अल्ट्रा-वाइड लेंस और 50 मेगापिक्सल का पेरिस्कोप टेलीफोटो कैमरा शामिल हो सकता है।

ग्लोबल मार्केट से पाजिटिव संकेत, एशिया में भी चौतरफा तेजी का रुख

नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के खत्म होने की संभावना के कारण ग्लोबल मार्केट से पाजिटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका अगले एक से दो सप्ताह में ईरान के युद्ध से बाहर हो सकता है। ट्रंप के इस बयान के बाद ईरान युद्ध खत्म होने की संभावना बढ़ी है, जिसके कारण ग्लोबल मार्केट से मजबूती के संकेत मिल रहे हैं।

अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान शानदार मजबूती के साथ कारोबार करने के बाद बंद हुए। डाउ जान्स फ्यूचर्स भी बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह एशियाई बाजार में भी चौतरफा तेजी का माहौल बना हुआ है।

ईरान युद्ध से जल्दी ही बाहर निकलने का संकेत देकर डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले सत्र के दौरान अमेरिकी बाजार में उत्साह का माहौल बना दिया, जिसकी वजह से वाल स्ट्रीट के सूचकांक जोरदार बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। एस एंड पी 500 इंडेक्स 184.80 अंक यानी 2.91 प्रतिशत उछल कर 6,528.52 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 795.99 अंक यानी 3.83 प्रतिशत की मजबूती के साथ 21,590.63 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.17 प्रतिशत की तेजी के साथ 46,421.02 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान तेजी का माहौल बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.48 प्रतिशत की छलांग लगा कर 10,176.45 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.57 प्रतिशत उछल कर 7,816.94 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 117.16 अंक यानी 0.52 प्रतिशत की तेजी के साथ 22,680.04 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में भी चौतरफा तेजी का रुख बना हुआ है। एशिया के सभी नौ बाजार के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं। गिफ्ट निफ्टी 541 अंक यानी 2.41 प्रतिशत की बढ़त के साथ 22,973.50 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 520.86 अंक यानी 2.06 प्रतिशत उछल कर 25,309 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। कोस्पी इंडेक्स ने जोरदार छलांग लगाई है। फिलहाल यह सूचकांक 378.24 अंक यानी 7.49 प्रतिशत उछल कर 5,430.70 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। निक्केई इंडेक्स और ताइवान वेटेड इंडेक्स में भी चार प्रतिशत से अधिक की छलांग लगाई है। निक्केई इंडेक्स 2,327.28 अंक यानी 4.56 प्रतिशत की तेजी के साथ 53,391 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 1,356.81 अंक यानी 4.28 प्रतिशत की मजबूती के साथ 33,079.80 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 1.83 प्रतिशत की बढ़त के साथ 4,974.88 अंक के स्तर पर, जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 112.50 अंक यानी 1.60 प्रतिशत उछल कर 7,160.72 अंक के स्तर पर, सेट कंपोजिट इंडेक्स 1.50 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,469.80 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 1.36 प्रतिशत की मजबूती के साथ 3,944.80 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

गुवाहाटी और रांची जैसे नये केन्द्रों पर टेस्ट मैचों का आयोजन खुशी की बात : सौरव गांगुली

कोलकाता

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली के अनुसार आस्ट्रेलिया के खिलाफ बार्डर गावस्कर ट्राफी के टेस्ट मुकाबले नागपुर, गुवाहाटी, रांची और अहमदाबाद, चेन्नई में आयोजित किया जाना एक अच्छा संकेत है। गांगुली ने कहा कि देश में हर जगह मैचों का आयोजन होना अच्छा कदम है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इस बार कोलकाता और मुंबई जैसे पारंपरिक केंद्रों की जगह पर अन्य स्थानों पर मुकाबले आयोजित किये हैं जिससे इन जगहों पर भी खेल ढ़ांचा बेहतर हो सके। ये मैच 21 जनवरी से 25 फरवरी तक नागपुर, चेन्नई, गुवाहाटी, रांची और अहमदाबाद में खेले जाएंगे। गांगुली बंगाल क्रिकेट बोर्ड (कैब) के प्रमुख भी हैं। उनका कहना है कि कैब प्रमुख होने के कारण ईडन गार्डंस पर ज्यादा से ज्यादा टेस्ट होना उनके लिए खुशी की बात होती है पर उन्हें यह देखकर भी खुशी होती है कि पारंपरिक प्रारूप के मैच गुवाहाटी और रांची जैसे नये केंद्रों पर रखे गये हैं। बीसीसीआई ने पिछले सप्ताह ही भारतीय क्रिकेट टीम के घरेलू सत्र की घोषणा करते हुए कहा कि इस बार कोलकाता और मुंबई में टेस्ट मुकाबले नहीं रखे जाएंगे। गांगुली ने कहा, ईडन गार्डंस पर बड़े टेस्ट मैच होते देखना हमेशा अच्छा लगता है। कैब अध्यक्ष होने के कारण मैं चाहता हूं कि यहां टेस्ट मैच हों। उन्होंने कहा, हम सभी चाहते हैं कि कोलकाता में ज्यादा मैच हो पर हमें यह समझना भी जरूरी है कि दूसरे मैदानों पर भी मैच होने चाहिए। गुवाहाटी नवंबर 2025 में ही टेस्ट केंद्र बना और वहां एक साल के भीतर दूसरा टेस्ट होने जा रहा हैं। वहीं अहमदाबाद के स्टेडियम पर पिछले साल अक्टूबर में ही टेस्ट हुआ था। वहीं मुम्बई के वानखेड़े स्टेडियम पर आखिरी टेस्ट नवंबर 2024 में खेला गया था। बोर्ड के कैलेंडर के अनुसार कोलकाता में तीन जनवरी , 2027 और मुंबई में (9 जनवरी, 2027 में जिम्बाब्वे के खिलाफ एकदिवसीय रखे गये हैं। दिल्ली में इस साल 13 दिसंबर को श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय मैच भी होगा। उन्होंने कहा, पूरे भारत में अच्छे स्टेडियम है। इसलिए मुझे चेन्नई, गुवाहाटी और रांची में टेस्ट होते देखकर अच्छा लगता है। वहां सुविधायें काफी अच्छी है। वहीं पूर्व स्पिनर वेंकटपति राजू ने कहा, हमारे समय में कोलकाता, कानपुर, चेन्नई , दिल्ली और मुंबई में ही टेस्ट होते थे। उसका अपना आकर्षण था। इसलिए मुझे लगता है कि अब भी ऐसा ही होना चाहिए।

न्यूज ब्रीफ

मेसी के गोल और असिस्ट से अर्जेंटीना की शानदार जीत, मैत्री मैच में जाम्बिया को 5-0 से हराया

ब्यूनस आयर्स। लियोनेल मेसी के शानदार प्रदर्शन की बदौलत अर्जेंटीना राष्ट्रीय फुटबॉल टीम ने अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच में मंगलवार को जाम्बिया को 5-0 से करारी शिकस्त दी। यह मुकाबला ब्यूनस आयर्स के मशहूर ला बोम्बोनेरा स्टेडियम में खेला गया। कोच लियोनेल स्कालोनी ने पिछले मैच में औसत प्रदर्शन के बाद मेसी को दोबारा प्लेइंग इलेवन में शामिल किया, और उन्होंने तुरंत असर दिखाया। मैच के चौथे मिनट में ही मेसी ने शानदार पास देकर जूलियन अल्वारेज से पहला गोल करवाया। पहले हाफ के अंत से ठीक पहले मेसी ने खुद भी गोल दागते हुए अंतरराष्ट्रीय करियर का 116वां गोल पूरा किया। उन्होंने एलेक्सिस मैक एलिस्टर के साथ बेहतरीन तालमेल दिखाते हुए गेंद को जाल में पहुंचाया। दूसरे हाफ में अर्जेंटीना को पेनल्टी मिली, लेकिन मेसी ने खुद शॉट लेने के बजाय गेंद निकोलस ओटामेंडी को सौंप दी, जिन्होंने इसे गोल में बदलकर स्कोर 3-0 कर दिया। इसके बाद जाम्बिया के डोमिनिक चांदा के आत्मघाती गोल से बढ़त 4-0 हो गई। अंत में युवा खिलाड़ी वैलेन्टिन बार्को ने इंजरी टाइम में गोल कर स्कोर 5-0 कर दिया। यह मुकाबला मौजूदा विश्व चैंपियन अर्जेंटीना के लिए वर्ल्ड कप से पहले घरेलू मैदान पर आखिरी मैच था। टीम जून में होने वाले टूर्नामेंट में अपने खिताब का बचाव करेगी, जहां उसका सामना अल्जीरिया, ऑस्ट्रिया और जॉर्डन से होगा। कप्तान मेसी से एक बार फिर टीम को खिताब दिलाने की उम्मीदें होंगी।

आरसीबी में सभी को अपनी भूमिका पता है : कुणाल

बेंगलुरू। रायल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) ने आईपीएल में 19 वें सत्र की शुरुआत शानदार जीत से की है। जिसके बाद से ही टीम में उत्साह का माहौल है। इस प्रकार टीम अपना खिताब बरकरार रखने के लिए तैयार नजर आती है।

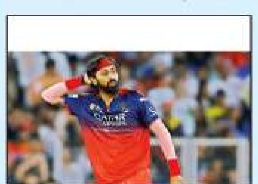

पहले मैच में टीम की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले स्पिन आलाउंडर कुणाल पंड्या का कहना है कि टीम पिछले साल की तुलना में काफी बेहतर हुई है। कुणाल के अनुसार पिछले साथ पिछले साल टीम नई थी पर इस बार खिलाड़ी एकदूसरे से घुल मिल गये हैं और सभी को अपनी भूमिका पता है। इससे किसी प्रकार का संशय नहीं रहता है। आरसीबी ने पिछले सत्र में पहली बार । खिताबी जीत दर्ज की थी। कृणाल ने कहा, इस साल टीम में बदलाव नहीं हुए है। सभी पहले से खेल रहे हैं, ऐसे में टीम संतुलन भी बेहतर हुआ है। इस साल खिलाड़ियों को अपनी भूमिका के साथ ही ताकत और कमजोरी पता है। उन्होंने कहा, जब मैं बड़े अवसरों पर खेलता हूं तो मुझे लगता है कि अगर भगवान आपको यहां तक लाए है तो कोई कारण होगा और मुझे लगता है कि ये बड़े मौके मेरे लिए ही बने हैं। मुझे पहले दबाव महसूस होता था पर अब में शांत रहने का प्रयास करता हूं। जिससे की बेहतर प्रदर्शन किया जा सके। उन्होंने कहा कि टीम में अनुभवी खिलाड़ी विराट कोहली से सभी प्रेरित रहते हैं। उनका खेल के प्रति जो जुनून है उसकी कोई बराबरी नहीं सकता है।

माल्टा और गोजो में खेले जाएंगे राष्ट्रमंडल युवा खेल : सैडलियर

नई दिल्ली। राष्ट्रमंडल युवा खेल अगले साल 29 अक्टूबर से चार नवंबर तक माल्टा और गोजो में खेले

जाएंगे। इन खेलों का उद्घाटन समारोह 29 अक्टूबर को होगा जिसके बाद 30 अक्टूबर से चार नवंबर तक खेल स्पर्धायें होंगी। इससे युवाओं को अभी प्रतिभा दिखाने का अच्छा अवसर मिलेगा। इन खेलों में आठ स्पर्धाएं तैराकी और पैरा तैराकी, एथलेटिक्स और पैरा एथलेटिक्स, नेटबाल, सेलिंग, स्क्वाश, ट्रायथलान, वाटर पोलो और भारोत्तोलन शामिल रहेंगी। राष्ट्रमंडल खेलों की मुख्य कार्यकारी केटी सैडलियर ने कहा, माल्टा 2027 एक रोमांचक और अच्छे खेलों का वादा करता है। साथ ही कहा विश्व स्तर की सुविधाएं भी इसमें युवाओं को मिलेंगी जिससे भविष्य के सितारे निकलेंगे। इसके अलावा युवा खिलाड़ियों को अच्छा अनुभव और आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। इन खेलों में नौकायन और वाटर पोलो का भी पहली बार आयोजन होगा। माल्टा में राष्ट्रमंडल के 74 देशों और क्षेत्रों से लगभग 1,200 एथलीटों के 14 से 18 वर्ष की आयु वर्ग में भाग लेने की उम्मीद है।

इंदौर ओपन टेनिस : म.प्र. की वैदेही शिंदे का विजय रथ बरकरार, अंतिम-8 में बनाई जगह

एशियन जूनियर अंडर-14 टूर्नामेंट : संरचना, सारा, रिया, देवांश, आरीष और शिवराज भी क्वार्टर फाइनल में; तीसरी वरीयता प्राप्त अर्जुन दुआ बाहर

इंदौर

म.प्र. टेनिस संघ के तत्वावधान में इंदौर टेनिस क्लब में आयोजित इंदौर ओपन एशियन जूनियर अंडर-14 टेनिस टूर्नामेंट के रोमांचक मुकाबलों के बीच क्वार्टर फाइनल की तस्वीर साफ हो गई है। बालिका वर्ग में मध्य प्रदेश की वैदेही शिंदे ने अपना दमदार खेल जारी रखते हुए अंतिम आठ में प्रवेश कर लिया है। वैदेही के साथ ही बालिका वर्ग में छठीं वरीयता प्राप्त सारा फेंगसे, पांचवीं वरीयता प्राप्त रिया जोदभावी, चौथी वरीयता प्राप्त संरचना दास और दूसरी वरीयता प्राप्त एस. सूर्यवंशी ने भी क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की की। वहीं बालक वर्ग में शीर्ष वरीयता प्राप्त देवांश कंबोज, दूसरी वरीयता प्राप्त मानव पटेल, चौथी वरीयता प्राप्त एस. शिवराज, आरीष दलवी और प्रणय गायकवाड़ ने जीत हासिल कर अंतिम आठ में अपना स्थान सुनिश्चित किया है।

वैदेही ने सीधे सेटों में दर्ज की जीत

बालिका एकल के प्री-क्वार्टर फाइनल में स्थानीय उम्मीद वैदेही शिंदे ने श्रावी गेहलोत के खिलाफ आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया। वैदेही ने यह मुकाबला सीधे सेटों में 6-2, 6-2 से जीतकर अपनी लय बरकरार रखी है।

बालिका वर्ग के अन्य प्रमुख मुकाबलों में रिया जोदभावी ने आशी किरण को 6-1, 6-3 से, संरचना दास ने समाइरा जैन को 6-1, 6-0 से और सान्वी मोहन ने श्ररण्या सावंत को कड़े संघर्ष के बाद 4-6, 6-2, 6-2 से मात दी। इसके अलावा सारा फेंगसे ने हर्षा देशपांडे को 6-4, 6-0 से और एस. सूर्यवंशी ने कुशी बुधया को 6-2, 6-3 से हराकर अंतिम आठ का टिकट कटाया।

बालक वर्ग में प्रयाग पटेल का बड़ा उलटफेर

बालक एकल के मुकाबलों में मंगलवार को बड़ा उलटफेर देखने को मिला, जहाँ गैरवरीयता प्राप्त प्रयाग पटेल ने तीसरी वरीयता प्राप्त अर्जुन दुआ को सीधे सेटों में 6-1, 6-3 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर का रास्ता दिखा दिया। शीर्ष वरीयता प्राप्त देवांश कंबोज ने स्थानीय खिलाड़ी हितार्थ सुराणा को 6-3, 6-0 से आसानी से मात दी। दूसरी वरीयता प्राप्त मानव पटेल को जीत के लिए कड़ा पसीना बहाना पड़ा; उन्होंने नीवी सेठ को रोमांचक टाइब्रेकर में 7-6(0), 6-1 से हराया। अन्य मैचों में एस. शिवराज ने जायन मोहम्मद को 0-6, 6-1, 6-1 से, प्रणय गायकवाड़ ने मुथु जयंथ को 6-2, 6-2 से और आरीष दलवी ने समन्यू जैन को 6-2, 6-3 से शिकस्त देकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। लोकेश एपीएस ने भी अयान दहिया को 6-0, 6-0 से हराकर अपना दबदबा साबित किया।

स्थानीय खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन इंदौर को टेनिस हब के रूप में स्थापित कर रहा है। वैदेही और देवांश की वर्तमान फार्म को देखते हुए इस बार खिताब की प्रबल उम्मीदें जग गई हैं।

एशियाई टेनिस का साझा मिशन: 6 देशों के खिलाड़ी, एक ही जर्सी

कोलंबो। कोलंबो में जारी आईटीएफ एशिया अंडर-14 डेवलपमेंट चैंपियनशिप में एक ऐसी टीम सबका ध्यान खींच रही है, जो किसी एक देश की नहीं बल्कि पूरे एशिया की साझा प्रतिभा का चेहरा है। जीएसपीडीपी/आईटीएफ अंडर-14 टीम में एशिया के विभिन्न कोनों से आए 6 होनहार जूनियर खिलाड़ी शामिल हैं। इन्हें अंतरराष्ट्रीय मंच और अनुभव प्रदान करने के लिए ग्रैंड स्लैम प्लेयर डेवलपमेंट प्रोग्राम के तहत एक साथ जोड़ा गया है। इस विशेष टीम में लड़कों के वर्ग में सऊदी अरब के हमजा अल मंसूरी, वियतनाम के फु गिया ले और तुआन फोंग वु शामिल हैं। वहीं लड़कियो के वर्ग में तुर्कमेनिस्तान की नाजिल हुदायकुलीयेवा, फिलीपींस की मारिस्टेला टोरेकैम्पो और सिंगापुर की जिक्सी वांग अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रही हैं। कोलंबो में दो सप्ताह तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में पाकिस्तान की सारा मंसूर और श्रीलंका की रानी हर्षणा बतौर कप्तान इन युवा सितारों का मार्गदर्शन कर रही हैं। यहाँ मुख्य उद्देश्य केवल जीत हासिल करना नहीं, बल्कि खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय टीम वर्क और कड़े मुकाबलों के लिए तैयार करना है। एशियाई टेनिस के लिए यह डेवलपमेंट पाथवे एक बड़ी उम्मीद है, जो प्रतिभाशाली बच्चों को यूरोप जैसे बड़े टेनिस केंद्रों तक पहुँचने का अवसर देता है। कोलंबो का यह सफर इन छह खिलाड़ियों के लिए बड़े सपनों की ओर बढ़ने वाला एक मजबूत कदम साबित हो रहा है। सरहदों से परे यह साझा टीम माडल उन छोटे देशों के लिए वरदान है, जहाँ से भविष्य के ग्रैंड स्लैम चैंपियन निकल सकते हैं।

वर्ल्ड कप से पहले ब्राज़ील की दमदार तैयारी, क्रोएशिया को 3-1 से हराया

आरलैंडो

ब्राजील राष्ट्रीय फुटबाल टीम ने वर्ल्ड कप की तैयारियों के तहत खेले गए मैत्री मुकाबले में क्रोएशिया राष्ट्रीय फुटबाल टीम को 3-1 से हराकर शानदार जीत दर्ज की। मुकाबला मंगलवार को कैम्पिंग वर्ल्ड स्टेडियम में खेला गया। मैच के पहले हाफ में ब्राज़ील ने गेंद पर पूरी तरह नियंत्रण बनाए रखा और कई मौके बनाए। 20वें मिनट में दानिलो का प्रयास क्रोएशियाई गोलकीपर डोमिनिक लिवाकोविच ने रोक दिया। इसके बाद भी ब्राज़ील लगातार आक्रामक खेल दिखाता रहा।

आखिरकार पहले हाफ के अंत में ब्राज़ील को सफलता मिली, जब माथियस कुन्हा के पास पर विनीसियस जूनियर ने बेहतरीन रन बनाते हुए दानिलो को पास दिया, जिन्होंने शानदार फिनिश के साथ टीम को बढ़त दिलाई।

दूसरे हाफ में क्रोएशिया ने वापसी की कोशिश की और 84वें मिनट में लोवरो माजेर ने टोनी फ्रुक के क्रास पर गोल कर स्कोर 1-1 कर दिया।

हालांकि, इसके बाद ब्राज़ील ने तेजी से जवाब दिया। 88वें मिनट में इगोर थियागो ने पेनल्टी को गोल में बदलकर टीम को फिर से बढ़त दिलाई। इंजरी टाइम में गेब्रियल मार्टिनेली ने गोल कर जीत 3-1 से पक्की कर दी।

मैच के बाद कैसेमिरो ने कहा कि टीम को अभी और सुधार की जरूरत है, लेकिन वे वर्ल्ड कप में पूरी ताकत के साथ उतरेंगे।

अब ब्राज़ील जून में मिस्र राष्ट्रीय फुटबाल टीम के खिलाफ एक और अभ्यास मैच खेलेगा, जबकि वर्ल्ड कप में उसका पहला मुकाबला मोरक्को से होगा। वहीं, क्रोएशिया टूर्नामेंट से पहले बेल्जियम और स्लोवेनिया के खिलाफ अभ्यास मैच खेलेगा।

मलेशिया और वियतनाम ने जीता जूनियर डेविस कप का टिकट

कोलंबो। जूनियर टेनिस के क्षेत्र में एशिया-ओशिनिया क्षेत्र के उभरते सितारों ने श्रीलंका की राजधानी कोलंबो में अपना दमखम दिखाया। 23 से 28 मार्च तक चले जूनियर डेविस कप प्री-क्वालिफाइंग इवेंट में मलेशिया और वियतनाम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अगले दौर के लिए क्वालीफाई कर लिया है। पूरे सप्ताह चले इस कड़े मुकाबले में श्रीलंका और तुर्कमेनिस्तान की टीमें क्रमशः तीसरे और चौथे स्थान पर रहीं, लेकिन क्वालीफाइंग का टिकट केवल शीर्ष दो टीमों के हाथ लगा। कोलंबो में मिली इस जीत के बाद अब मलेशिया और वियतनाम की टीमें मई 2026 में शिमकेंट, कजाकिस्तान में होने वाले एशिया/ओशिनिया फाइनल क्वालीफाइंग इवेंट में हिस्सा लेंगी। प्री-क्वालिफाइंग के मुकाबले इस अगले चरण की चुनौती काफी कठिन होने वाली है। यहाँ इन दोनों टीमों का सामना भारत, जापान, कोरिया, कजाकिस्तान, थाईलैंड और उज्बेकिस्तान जैसे टेनिस के दिग्गज देशों की टीमों से होगा। यह चरण जूनियर खिलाड़ियों के लिए एशिया के सबसे बड़े परीक्षणों में से एक माना जा रहा है। भले ही शीर्ष दो टीमें आगे बढ़ी हों, लेकिन कोलंबो में प्रदर्शन करने वाली सभी शीर्ष चार टीमों (मलेशिया, वियतनाम, श्रीलंका और तुर्कमेनिस्तान) ने अपने खेल से प्रभावित किया।

इटली लगातार तीसरी बार फीफा वर्ल्ड कप से बाहर, प्लेआफ में बोस्निया से पेनल्टी शूटआउट में मिली हार

जेनिका,

चार बार की विश्व चैंपियन इटली राष्ट्रीय फुटबाल टीम एक बार फिर फीफा वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई करने में नाकाम रही है। यूरोपीय प्लेआफ मुकाबले में इटली को 66वीं रैंकिंग वाली बोस्निया और हर्जेगोविना के खिलाफ पेनल्टी शूटआउट में हार का सामना करना पड़ा।

मुकाबले की शुरुआत में मोइज़ कीन ने गोल कर इटली को बढ़त दिलाई, लेकिन पहले हाफ में ही सेंटर-बैक अलेसांद्रो बास्तोनी को रेड कार्ड मिलने से टीम 10 खिलाड़ियों तक सिमट गई। इसका फायदा उठाते हुए बोस्निया के सब्स्टीट्यूट हारिस तबाकोविक ने 79वें मिनट में बराबरी का गोल दाग दिया, जिससे मैच अतिरिक्त समय में चला गया।

अतिरिक्त समय में भी कोई नतीजा नहीं निकल सका और मुकाबला पेनल्टी शूटआउट तक पहुंचा, जहां इटली को हार झेलनी पड़ी। इस हार के साथ ही इटली लगातार तीसरी बार वर्ल्ड कप में जगह बनाने से चूक गई है। इससे पहले टीम को

पिछले दो वर्ल्ड कप क्वालीफायर प्लेआफ में स्वीडन और नार्थ मैसिडोनिया के हाथों बाहर होना पड़ा था।

1934, 1938, 1982 और 2006 में खिताब जीत चुकी इटली अब कम से कम 16 साल तक वर्ल्ड कप में एक भी मैच खेले बिना रह सकती है। टीम का खराब प्रदर्शन 2010 और 2014 वर्ल्ड कप से ही शुरू हो गया था, जहां वह ग्रुप स्टेज से आगे नहीं बढ़ सकी थी। हालांकि, इटली ने 2021 में यूरोपीय चैम्पियनशिप जीतकर वापसी की झलक जरूर दिखाई थी। इटली का आखिरी वर्ल्ड कप नाकआउट मैच 2006 में था, जब उसने फाइनल में फ्रांस को हराकर खिताब जीता था। 1958 के बाद यह पहली बार है जब इटली इतनी बार वर्ल्ड कप में क्वालीफाई करने में असफल रही है, जिससे टीम के प्रदर्शन पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

वैभव को भारतीय टीम में जगह मिले : माइकल वान

लंदन

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वान ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 सत्र के पहले ही मैच में वैभव सूर्यवंशी की शानदार बल्लेबाजी की सराहना करते हुए कहा है उसे भारतीय टीम में जगह मिलनी चाहिये। वैभव ने जिस प्रकार राजस्थान रायल्य की ओर से खेलते हुए चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ 15 गेंदों में ही अर्धशतक लगा दिया उससे वान हैरान हैं। वान ने कहा कि वैभव को अब आने वाले समय में इंग्लैड दौरे पर भेजना चाहिये। उनका मानना है कि इस उभरते हुए बल्लेबाज को एकदिवसीय सीरीज के लिए तैयार किया जाना चाहिये। वान के अनुसार अगर वैभव इंग्लैंड दौरे के लिए सीमित ओवरों के लिए अंतिम ग्यारह में भी जगह नहीं बना पाते, तो भी उन्हें तीन टी20 मैचों की टीम

में शामिल किया जाना चाहिए। इससे उन्हें सीनियर खिलाड़ियों के साथ रहने और माहौल समझने का अनुभव मिलेगा।

वान ने कहा, वो भारतीय टीम में कब शामिल किया जाता है मैं इसका इंतजार कर रहा हूं। अगर मैं भारतीय क्रिकेट में होता, तो मैं उसे उस दौरे पर ले जाता। जरूरी नहीं कि वो अभी टीम में खेल रहे खिलाड़ियों की जगह ले पर उसे टीम के माहौल में लाना जरूरी है। उसे टीम के साथ लाओ, अगर एक-दो मैच खेलने का मौका मिले तो शानदार, लेकिन उसे दौरे पर ले जाओ। उन्होंने साथ ही कहा, मैं उसे भारतीय टीम के साथ थोड़ा अनुभव दिलाता। जरूरी नहीं कि वो सीधे टीम में शामिल हो पर उसका टीम के साथ रहना अनुभव के हिसाब से अच्छा रहेगा। उसके प्रदर्शन पर किसी को भी संदेह नहीं है। पिछले एक साल में वैभव ने काफी रन बनाए हैं। सिर्फ आईपीएल ही नहीं अंडर-19 क्रिकेट में भी धमाका किया है। उन्होंने इंग्लैंड, आस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका में शतक लगाये हैं। वहीं इंग्लैंड के खिलाफ फाइनल में 80 गेंद में 175 रन बनाये।

तेज गेंदबाज से मैच रैफरी तक पहुंचे श्रीनाथ

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज और वर्तमान में आईसीसी मैच रैफरी जवागल श्रीनाथ ने भारतीय टीम में अपनी अलग ही पहचान बनायी है। आमतौर पर लाइम लाइट से दूर रहे श्रीनाथ एक ऐसे खिलाड़ी रहे हैं जिन्होंने उस दौर में गेंदबाज की कमान संभाली जब भारतीय टीम में स्पिनरों का दबदबा था। इसके बाद भी श्रीनाथ ने अपनी रफ्तार और सटीक लाइन व लैंथ से अपनी अलग पहचान बनायी। उन्होंने जब तेज गेंदबाजी की कमान संभाली तब महान आलराउंडर कपिल देव संन्यास के करीब थे। ऐसे में सभी की अपेक्षाएं बढ़ी हुई थीं। श्रीनाथ ने अपने को साबित भी किया उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 1996 में अहमदाबाद में 21 रन देकर 6 विकेट झटककर भारत को अविश्वसनीय जीत दिलाई थी. वह भारत के पहले ऐसे गेंदबाज थे जिन्होंने लगातार 150 किमी/घंटा की रफ्तार से गेंदबाजी की। वहीं साल 2002 में श्रीनाथ ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया। श्रीनाथ ने इसके बाद 2003 विश्वकप में जबरदस्त गेंदबाजी की और सबसे अधिक विकेट लेने वाले दूसरे भारतीय गेंदबाज बने। भारतीय टीम के फाइनल तक के सफर में उनकी अहम भूमिका रही। श्रीनाथ ने अपने करियर में 315 एकदिवसीय और 236 टेस्ट विकेटों लिए। संन्यास के बाद भी वह अंपायर के तौर पर खेल से जुड़े रहे।

नींद नहीं आती या फिर बहुत आती है?

अधिक नींद आना या आवश्यक नींद भी नहीं ले पाना हमारे कार्य करने के ढंग से लेकर शरीर के मेटाबॉलिज्म को प्रभावित करता है। जीवनशैली की अनियमितता और तनाव कई कारण होते हैं, जो हमारी नींद में बाधक बनते हैं। कुछ प्राकृतिक नुस्खों से इसमें राहत पाई जा सकती है।

नींद बहुत आना

पढ़ते समय नींद आती हो और सिर दुखता हो तो पान में एक लौंग डाल कर चबा लेनी चाहिए। इससे सुस्ती और दर्द में कमी होगी। नींद अधिक नहीं सताएगी। यदि पढ़ते समय अथवा रात को देर तक पढ़ते रहने के कारण प्रात:काल सिरदर्द की शिकायत हो तो नीबू की चाय बना कर पीएं। बिना दूध की चाय बना कर (चाय को पत्ती उबालने के बाद चाय के एक कप पानी में दूध न मिला कर) उसमें दूध डालने की बजाय एक नींबू का रस डाल दें। इस चाय को पीने से दिमागी तनाव दूर होता है और ताजगी आती है। आप दिन भर सुस्ती के स्थान पर स्फूर्ति का अनुभव करेंगे।

सहायक उपचार: अतिनिद्रा वालों के लिए वज्रासन का अभ्यास परमोपयोगी है। यह आसन मन की चंचलता दूर करने में भी सहायक है। पढ़ने में मन न लगने वाले विद्यार्थियों को इस आसन में पढ़ना चाहिए।

अनिद्रा (नींद न आना)

तरबूज के बीज की गिरी और सफेद खसखस अलग-अलग पीस कर बराबर वजन मिला कर रख लें। तीन ग्राम औषधि प्रात: एवं सांय लेने से रात में नींद अच्छी आती है, रक्त का दबाव कम होता है और सिर दर्द ठीक होता है। आवश्यकतानुसार एक से तीन सप्ताह तक लें।

विकल्प

खसखस छ: ग्राम, 250 ग्राम पानी में पीसकर कपड़े से छान लें और मिश्री 25 ग्राम मिला कर सुबह या शाम चार बजे नित्य एक बार लें। अनिद्रा दूर होगी। आवश्यकतानुसार इसे एक से तीन सप्ताह तक ले सकते हैं। तीन ग्राम पोदीना की पत्तियां (अथवा डेढ़ ग्राम सूखी पत्तियों का चूर्ण) 200 ग्राम पानी में दो मिनट उबाल कर छान लें। गुनगुना रहने पर इस पोदीना की चाय में दो चम्मच शहद डाल कर नित्य रात में सोते समय पीने से गहरी और मीठी नींद आती है। तीन-चार सप्ताह तक लें।

सहायक उपचार

नींद कम या देर से आती हो तो सोने से पहले पैरों को हल्के गर्म पानी से धोकर साफ कर लेना चाहिए पैरों के तलवों में सरसों के तेल की मालिश करने से नींद गहरी आती है। सिर में बादाम रोगन या आंवला या ब्राह्मी तेल की मालिश करने से नींद अच्छी आती है।

चाय पीने के होते हैं कई फायदे

चाय लोगों की जिंदगी से काफी हद तक जुड़ चुकी है, जिससे वह चाहकर भी दूर नहीं रह सकते। सर्दियों का मौसम हो या गर्मियों की शाम, चाय पीना तो बनता ही है। कई लोगों की तो दिन की शुरुआत ही चाय से होती है और चाय पर ही खत्म हालांकि बहुत सारे लोगों का मानना है कि चाय सेहत के लिए नुकसानदायक होती है लेकिन अगर आप भी चाय प्रेमी हैं तो आज जरा कुछ स्वस्थवर्धक गुण जान लें।

चाय पीने के फायदे

उम्र घटाएं- चाय में एंटीऑक्सीडेंट शामिल होता है। चाय उम्र बढ़ने और प्रदूषण के प्रभाव के प्रकोपों से आपके शरीर की रक्षा करती है।

कम कैफीन- कॉफी के मुकाबले चाय में कम कैफीन होते हैं। कॉफी में आमतौर पर चाय से 2 से 3 बार अधिक मात्रा में कैफीन पाई जाती है। 8 औंस कप की कॉफी में 135 मिलीग्राम के आसपास कैफीन होता है, वहीं पर चाय के प्रति कप में केवल 30 से 40 मिलीग्राम कैफीन होता है यदि कॉफी पीने से आपको अपच, सिर दर्द या सोने में कोई परेशानी आती है, तो चाय पी लें।

दिल का रोग- चाय दिल का दौरा और स्ट्रोक के जोखिम को कम कर सकती है। चाय पीने की वजह से धमनियां चिकनी और कोलेस्ट्रॉल से मुक्त हो जाती हैं। 6 कप से अधिक चाय पीने से दिल की बीमारी होने का खतरा एक तिहाई कम रहता है।

हड्डियां बने मजबूत- चाय आपकी हड्डियों को भी बचाती है। केवल इसलिए नहीं कि इसमें दूध मिला होता है बल्कि एक अध्ययन में उन लोगों की तुलना एक साथ की गई थी, जो चाय का सेवन 10 साल से करते आ रहे हैं और जो चाय नहीं पीते। अध्ययन में पाया गया कि चाय पीने वालों की

हड्डियां उम्र, अधिक वजन, व्यायाम, धूम्रपान और अन्य रिस्क फैक्टरों के बावजूद भी मजबूत है।

दांत बने मजबूत- चाय पीने से आपके दांत मजबूत बनेगें। चाय वास्तव में फ्लोराइड और में टैनिंन से बनी होती है जो प्लेग को दूर रखता है। यह स्वस्थ दांतों और मसूड़ों के लिए भी फायदेमंद हैं।

से लड़े- चाय पीने से आपके शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को संक्रमण से लड़ने में बहुत मदद मिलती है। सर्दी-जुखाम जैसी आम बीमारियां चाय पीने से एक दम गायब हो जाती हैं।

कैंसर से बचाए- चाय कैंसर के विरुद्ध सुरक्षा करती है क्योंकि इसमें पॉलीफिनॉल और एंटीऑक्सीडेंट मिला होता है। इन दोनों के प्रभाव कैंसर से लड़ने के लिए बहुत मदद करते हैं।

पानी की कमी पूरा करें- चाय हाइड्रेटेड रहने में तो मदद करती है जबकि काफी पीने से पेशाब ज्यादा लगती है इसलिए यह शरीर में ज्यादा देर तक न रह कर बाहर निकल जाती है। इसलिए हमारे शरीर में पानी की पूर्ती नहीं हो पाती। अगर आप रोज दिन में 6 कप कॉफी के पी जाते हैं, तो आपके अंदर पानी की कमी हो सकती है।

कम कैलोरी- चाय में किसी भी प्रकार की कैलोरी नहीं होगी, जब तक आप उसमें किसी प्रकार का स्वीटनर या दूध न मिला लें। यदि आप एक संतोषजनक, कैलोरी मुक्त पेय पीना चाहते हैं, तो चाय उसमें से सबसे सेफ ऑप्शन है।

फैट घटाए- चाय से फैट भी कम होता है इससे आपको शरीर का मैटाबॉलिज्म बढ़ जाता है। कुछ लोगों का वजन एक्सरसाइज करने से भी कम नहीं होता लेकिन अगर आप ग्रीन टी पिएंगें तो आपका मैटाबॉलिज्म रेट बढ़ेगा, जिससे 70 से 80 कैलोरी आराम से बर्न हो सकती है। इसके साथ ही आपाको रोज 30 घंटे की वाल्क भी लेनी जरूरी है।

बच्चे में चिड़चिड़ापन न करें नजरअंदाज

अगर आपका शिशु अधिक चिड़चिड़ा है तो ये कोई नजरअंदाज करने वाली बात नहीं है। यह किसी मानसिक बीमारी का प्रारम्भिक संकेत भी हो सकता है। हालांकि शिशु का थोड़ी-थोड़ी देर में चिड़चिड़ाना और रोना अधिकतर सामान्य भी होता है। अधिकांश शिशु हर रोज कुल एक घंटे से लेकर तीन घंटे तक रोते हैं। लेकिन अगर बच्चे में चिड़चिड़ापन बहुत ज्यादा हो और लंबे समय तक ये बना रहे तो कोई समस्या हो सकती है। चलिए विस्तार से जानें कि बच्चे में चिड़चिड़ापन कब सामान्य है और कब ये किसी समस्या का संकेत हो सकता है।

शिशुओं में साधारण चिड़चिड़ापन

शिशु का थोड़ी-थोड़ी देर में चिड़चिड़ाना और रोना आमतौर पर गंभीर बात नहीं होती है। ज्यादातर शिशु हर रोज कुल एक घंटे से लेकर तीन घंटे तक के समय के लिए रोते हैं। इसका पिछे कारण यह है कि आपका शिशु अपने आप खुद कुछ नहीं कर सकता है और वह अपनी हर जरुरत के लिए आप पर ही निर्भर करता है, फिर चाहे उसे भूख लगी हो, वो आराम चाहता हो या फिर उसे प्यार और दुलार की दरकार हो। आपका शिशु रो-रो कर ही आपको यह बताने की कोशिश करता है। लेकिन कई बार यह पता लगाना मुश्किल हो जाता है की भला शिशु ज्यादा क्यों रो रहा है। इसके लिए आपको शिशु के लक्षण पहचानकर अंदाजा लगाना होता है। इसमें थोड़ी मुश्किल जरूर होती है लेकिन समय के साथ आप पहचानना सीख जाती हैं और समझने लगती हैं की आपके शिशु के रोने का कारण क्या है। शिशु के चिड़चिड़ेपन और उसके रोने को किस तरह से पहचाना जाए, और किस तरह से उसे शांत कराया जाए।

मानसिक बीमारी का प्रारम्भिक संकेत भी हो सकता है एक शोध में सामने आया कि अगर आपका शिशु अधिक चिड़चिड़ा है तो यह किसी मानसिक समस्या का संकेत भी हो सकता है। वैज्ञानिकों ने शिशुओं द्वारा शुरुआती बाल्यावस्था के दुर्व्यवहार और गम्भीर दुर्व्यवहार को अलग करने के लिए एक प्रश्नावली तैयार की। एक रिपोर्ट के मुताबिक इसके द्वारा बच्चों में मानसिक बीमारी के शुरुआती अवस्था में पहचान एवं इलाज में सहायता मिल सकती है।

शोध के मुताबिक यह संकेत इशारा करते हैं कि जब शिशु में चिड़चिड़ापन अक्सर होने लगे तो इसका अर्थ है कि वह मानसिक रूप से संघर्ष कर रहा है। शोधकर्ताओं ने तीन से पांच साल के प्री स्कूल जाने वाले 1500 बच्चों के अभिभावकों से उनके बच्चों के व्यहार के सम्बंध में प्रश्न पूछने के लिए मल्टीडाइमेंशनल एसेसमेंट ऑफ प्रीस्कूल डिस्रूपटिव बिहैवियर (एमएपी-डीबी) नामक प्रश्नावली विकसित की।

शोध में पाया गया कि बच्चों में चिड़चिड़ापन पाया गया। 10 प्रतिशत से कम बच्चे रोज झल्लाते थे और चिड़चिड़ापन दिखाते थे। यह लक्षण लड़के एवं लड़कियों दोनों में ही एक जैसा पाया गया।

हार्ट अटैक के बाद बरतें ये सावधानियां

बदलती जीवनशैली, खानपान की गलत आदतें, जरूरत से ज्यादा तनाव और एक्सरसाइज की कमी के कारण दिल संबंधी रोगों में तेजी से वृद्धि हो रही है। दिल, मांसपेशियों से बना अंग है जो शरीर के विभिन्न अंगों में ब्लड की पम्पिंग करता है। दिल की रक्त प्रवाहित करने वाली धमनियों में जब रूकावट आती है तो उस हिस्से में रक्त का संचार ना होने से मांसपेशियां मरने लगती हैं। जिससे दिल की क्रियाविधि प्रभावित होती है, इसी को हार्ट अटैक कहते हैं।

हार्ट अटैक के बाद

अटैक आने के तुरंत बाद जीभ के नीचे एस्पिरिन की एक गोली रखने से भी जोखिम काफी कम हो सकता है। इसके बाद तुरंत विशेषज्ञ के पास पहुंचाएं क्योंकि हार्ट अटैक के 1-6 घंटों को बहुत महत्वपूर्ण समझा जाता है। यदि शुरूआत के घंटों में समुचित चिकित्सा हो जाती है तो दिल को होने वाले नुकसान को काफी कम किया जा सकता है। रोगी को सपोर्ट दें, लोगों की सलाह पर कोई दवाई न दें। इसके साथ-साथ समय के साथ हार्ट अटैक के लक्षणों में आ रहे अंतर को समझना भी बेहद जरूरी होता है। उदाहरण के लिए सामान्य लोगों से उलट ज्यादातर डायबिटिक लोगों में हार्ट अटैक आने पर सीने में दर्द होने के बजाय सांस फूलने, घबराहट, छाती में भारीपन, चक्कर आना तथा जबड़े में जकड़न जैसे लक्षण दिखाई देते हैं।

कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करें

कोलेस्ट्रॉल को अपने दिल के करीब न फटकने दें। बढ़े हुए कोलेस्ट्रॉल से दिल से संबंधित बीमारियों का खतरा बना रहता है। इसलिए हाई ब्लड प्रेशर और बढ़े कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करने के लिए दवाइयों और डाइट पर विशेष ध्यान दीजिए।

धूम्रपान से दूरी

जिनको धूम्रपान के कारण हार्ट अटैक हुआ था वो धूम्रपान बिल्कुल न करें। शोध में पाया कि दिल का दौरा पड़ने के बाद जो मरीज धूम्रपान फिर से शुरू कर देते हैं उनके साल भर के अंदर मरने का अंदेशा होता है।

हार्ट अटैक के इलाज के बाद सावधानी

एक बार हार्ट अटैक झेल चुके हृदय के मरीजों को अत्यन्त सावधानी के साथ अपनी जीवन शैली में ऐसे बदलाव अपनाने चाहिए जिससे दूसरी बार अटैक से बचे रहें। हार्ट अटैक के इलाज के बाद मरीज को कुछ बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। खासकर दवाइयों को नियमित रूप से लेना जरूरी है। इसके अलावा जिसके कारण उसे हार्ट अटैक हुआ था, उसे नियंत्रित करना चाहिए।

जैतून के तेल का इस्तेमाल

खाने में तेल के इस्तेमाल से ब्लॉकेज तेजी से बढ़ता है, इसलिए तेल कम-से-कम इस्तेमाल करें। वैसे भी, तेल में अपना कोई स्वाद नहीं होता। अगर आपको तेल का इस्तेमाल करना ही हैं तो जैतून के तेल का प्रयोग करें। जैतून के तेल में फैटी एसिड की प्रचुर मात्रा होती है जो हृदय रोग का खतरा कम करती है।

नियंत्रित रखें वजन

मोटापा भी ब्लॉकेज बढ़ा सकता है। इसलिए अपनी उम्र और लंबाई के हिसाब से अपना आदर्श भार पता लगाएं और उस भार को पाने और फिर बनाए रखने के लिए मेहनत करें। बीएमआई 25 से ज्यादा और कमर का माप 34 इंच से ज्यादा नहीं होना चाहिए।

शुगर को नियंत्रित रखें

शुगर के रोगियों में धमनियों में रक्त का थक्का बनने की संभावना काफी अधिक होती है। यदि मरीज को शुगर है तो शुगर को नियंत्रित करने वाली दवा लेना बहुत जरूरी होता है।

ड्राई फूड को शामिल करें

नट्स रक्त वसा पर सकारात्मक प्रभाव डालता है। साथ ही यह हानिकारक कोलेस्ट्रॉल को कम करने में आपकी मदद करते हैं। इसमें विटामिन ई, मैगनीशियम, फाइबर व पोटेशियम आदि होते हैं जो हृदय के लिए सुरक्षा तत्व का काम करते हैं। हार्ट अटैक के बाद इन सब बातों को ख्याल रख कर और तली-भूनी चीजों और नमक का कम सेवन, नियमित रूप से आधे घंटे तक वॉक, योग व व्यायाम और भोजन में रेशेदार चीजों को शामिल आप आसानी से दूसरी बार आने वाले अटैक के खतरे से बचे रह सकते हैं।

इस व्यायाम से दूर होगी खर्राटे की समस्या

खर्राटे से आपको जितनी अधिक समस्या होती है उससे कहीं अधिक समस्या आपके पार्टनर या आपके साथ सोने वाले दूसरे लोगों को होती है। क्योंकि आपके खर्राटे दूसरों की नींद उड़ा देते हैं। अगर खर्राटे की समस्या को नजरअंदाज किया जाए तो इसके कारण कई बीमारियां होने लगती हैं। लेकिन अगर आप खर्राटे लेते हैं तो यह जानकारी आपके लिए बहुत फायदेमंद हो सकती है। हम आपको ऐसे तीन व्यायाम के बारे में बता रहे हैं जिनका अभ्यास करने से आपको खर्राटों की समस्या नहीं होगी।

क्यों आते हैं खर्राटे

कई बार वायुमार्ग के पास अतिरिक्त ऊतक जमा हो जाते हैं और इसके कारण वायुमार्ग से जुड़ी मांसपेशियां ढीली हो जाती हैं। जिससे वायु के प्रवाह में रुकावट आती है। इससे सामान्य सांस लेने में समस्या होती है, और खर्राटे आने लगते हैं। बंद मुंह से खर्राटे लेना जीभ की संरचना में समस्या का संकेत है, वहीं खुले मुंह से खर्राटे लेने का संबंध गले के टिश्यू से हो सकता है।

मुंह का व्यायाम करें

खर्राटों से निजात पाने के लिए जीभ के अगले हिस्से को दांतों से सटा लीजिए। फिर जीभ को पीछे की ओर खींचिए। ऐसा एक मिनट तक करें। यह क्रिया दिन में कम से कम तीन बार जरूर दोहराएं। अब मुंह खोलें, निचले जबड़े को दाईं ओर करें और 30 सेकेंड के लिए इसे रोककर रखें। फिर इस क्रिया को बाईं ओर से भी करें। इस अभ्यास को दो से तीन बार दोहराएं।

नुकसानदेह हैं खर्राटे

अगर आपको खर्राटों की समस्या लंबे समय तक रहे तो इसके कारण उच्च रक्तचाप, रात में सीने में दर्द, ध्यान केंद्रित न कर पाना, हृदय की धड़कन असामान्य होना, रक्त में शुगर की मात्रा असंतुलित होना, फेफड़ों में समस्या, हो सकती है। शोधों की मानें तो यह हड्डियों को भी कमजोर कर सकता है। खर्राटों के कारण कैरोटिड धमनियों की दीवार मोटी हो जाती है। इन धमनियों का कुछ भाग गले के बहुत पास होता है और खर्राटों के कारण होने वाले कंपन का प्रभाव इन पर पड़ता है। धमनियों के मोटा होने से स्ट्रोक और धमनियों के कड़ा होने का खतरा बढ़ जाता है। ये दोनों स्थितियां दिल को प्रभावित करती हैं।

खीरे से करें अपने घर को कॉकरोच से मुक्त

कॉकरोच की कल्पना से ही हममें से कई लोगों को घिन आने लगती है, यह दुनिया का सबसे बुरा जीव है जो हर किचन में यहां-वहां घूमते हुए दिख जाते हैं। कोई भी घर ऐसा नहीं मिलेगा जहां कॉकरोच न हो। कभी वे आपको सिन्क पर घुमते नजर आयेंगे, तो कभी पाइप के छेद में, कभी फ्रिज के पीछे या फिर हर उस जगह पर दिखेंगे जहां गंदगी होगी। इसे भगाने में इन टिप्स की मदद लीजिए।

कॉकरोच की समस्या

कॉकरोच आपके घर में एक शानदार कॉलोनी बना कर मजे से रहते हैं। जब भी आप किचन में जाती हैं तब ही आपको 2-3 कॉकरोच इधर-उधर भागते हुए दिखते हैं। साथ ही यह सूक्ष्मजीवों को आपके घर में हर जगह फैलाकर कई प्रकार के रोगों को संचारित कर सकते हैं। जाहिर सी बात है आपने इन्हें कंट्रोल करने के लिए पेस्ट कंट्रोल और संहारक की मदद ली होगी, हालांकि यह केमिकल कॉकरोच को मारने के बेस्ट उपायों में से एक हो सकता है, लेकिन यह आपके, आपके बच्चों, आपके पालतू जानवर और आपके साथ रहने वाले लोगों के स्वास्थ्य के लिए अच्छा नहीं होता। कौन चाहता है कि उसके घर के आस-पास कॉकरोच हो, लेकिन कॉकरोच से छुटकारा पाना बहुत मुश्किल काम है। डायनासोर की तरह यह सबसे पुराने ऐसे जीव हैं, जो हजारों लाखों साल से धरती पर बने हुए हैं। एक बार कॉकरोच घर में जगह बना लेने के बाद इन्हें बाहर निकालना वास्तव में एक समस्या होती है। अगर आप इन गन्दगी फैलाने वाले कॉकरोच से परेशान हो चुकी हैं और इन केमिकल से दूर एक असरदार दवाई ढूंढ रही हैं तो खीरे जैसा प्राकृतिक उपचार इन कॉकरोच से आपके घर को छुटकारा दिला सकता है।

खीरे से दूर भगाएं कॉकरोच

खीरा कॉकरोच से छुटकारा पाने का एक शानदार तरीका है। कॉकरोच से छुटकारा पाने के लिए आपको घर में जहां भी कॉकरोच दिखें उस जगह पर खीरे के स्लाइस को रखें। खीरे की स्मैल कॉकरोच को दूर भगाने के लिए काफी है क्योंकि खीरा हानिकारक जीवाणुओं के विकास को बंद करता है, जो कॉकरोच के लिए बाधा के रूप में काम करता है।

इसलिए अगर आप अपने घर के इस दुखदायी जीव से छुटकारा पाना चाहते हैं तो खीरा का उपयोग करें। खीरा बहुत ही आसान घरेलू उपाय है क्योंकि ये सुपरमार्केट में आसानी से मिल जाता है। इसे लाना और इस्तेमाल करना बहुत ही आसान होने के साथ-साथ यह कम पैसों में मिलने वाला और कठोर केमिकल से मुक्त उपाय है। इसके अलावा आप कई अन्य घरेलू उपायों को भी अपना सकते हैं।

अन्य उपाय

कॉकरोच की समस्या लगभग सभी घरों में होती है। कॉकरोच को दूर भगाने के लिए 2 बड़े चम्मच बोरिक पाउडर और 2 बड़े चम्मच गेहूं के आटे को दूध में मिलाकर गूंथ लें। इनकी छोटी गोलियां बनाकर जिस जगह कॉकरोच हों वहां रख दें। लौंग को हम खाना बनाते समय इस्तेमाल करते हैं लेकिन आप इसे कॉकरोच से छुटकारा पाने के लिए भी प्रयोग कर सकती हैं। किचन कैबिनेट के अंदर थोड़ा लौंग रख दीजिए और फिर देखिए कि ये कैसे भागते हैं।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**